{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 01 जुलाई 2026
ज्येष्ठ शुक्ल 15 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 277
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	76,728.37
निफ्टी	-	23,946.25
सोना	-	1,51,237
चांदी	-	2,40,000
डॉलर	-	94.50

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

36 साल बाद यासीन मलिक की चार्जशीट पेश

श्रीनगर। कश्मीरी पंडित नर्स सरला भट्ट के किड्नैप और हत्या के 36 साल पुराने केस में जम्मू-कश्मीर की स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने चार्जशीट कोर्ट में पेश की है। 737 पन्नों की चार्जशीट में जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट के तत्कालीन चीफ कमांडर यासीन मलिक समेत 5 लोगों को आरोपी बनाया गया है। चार्जशीट के मुताबिक, यासीन मलिक और उसके साथियों ने सरला भट्ट की किडनैपिंग और उनकी हत्या की साजिश रची थी। यासीन फिलहाल आतंकी फंडिंग के मामले में तिहाड़ जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा है। वहीं, मुख्य शूटर खुर्शीद अहमद चालको अब भी फरार है। उसके पीओके में छिपे होने की आशंका है। सरला को गोली मारने वाला वही था। तीन और आरोपी अब्दुल हमीद शेख, मोहम्मद यूसुफ सोफी उर्फ इदरीस और गुलाम मोहम्मद टपलू की मौत हो चुकी है।

पेट्रोकेमिकल्स की पाइपलाइन में आग, 15 झुलसे

हल्दिया। पश्चिम बंगाल के हल्दिया में सोमवार देर रात 2:45 बजे नेफ्था सप्लाई करने वाली पाइपलाइन में ब्लास्ट के बाद आग गई। इसकी चपेट में हल्दिया नगर पालिका के वार्ड-13 के चिरंजीबपुर इलाके के कई घर आ गए। घटना में 15 लोग झुलस गए। पुलिस के मुताबिक, सभी पीड़ितों को हल्दिया सब-डिविजनल अस्पताल में एडमिट कराया गया। 5 को तमलुक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल रेफर किया गया। इनमें से 2 लोगों की हालत गंभीर है। आग बुझाने में 12 से ज्यादा फायर ब्रिगेड की गाडियां जुटी हुई हैं। अधिकारियों ने बताया कि आग सबसे पहले हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स की नेफ्था पाइपलाइन में दिखी। कुछ ही देर में आग आसपास के रिहायशी इलाके तक फैल गई। साउथ रेलवे के मुताबिक जहां आग लगी उसके पास से हल्दिया और दुर्गाचक लाइन गुजरी है। फिलहाल ट्रेन सर्विस रोकी गई है।

एयरपोर्ट पर 5.56 करोड़ का गांजा जब्त

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर कस्टम अधिकारियों ने 5.56 करोड़ रूपए कीमत का 15.93 किलोग्राम गांजा (हाइड्रोपोनिक वीड)जब्त किया है। बैंकॉक से लौटे दो भारतीय यात्रियों को गिरफ्तार किया। कस्टम विभाग के अनुसार, दोनों यात्रियों के सामान की एक्स-रे जांच के दौरान गांजा मिला। कुल नौ पॉलीथीन पैकेट बरामद में इसे रखा गया था। 7 पैकेट एक काले ट्रॉली बैग और 2 पैकेट भूरे रंग के बैकपैक में रखे थे। हाइड्रोपोनिक वीड, गांजे की एक अधिक प्रभावशाली किस्म होती है, जिसे मिट्टी के बजाय पोषक तत्वों से भरपूर पानी में उगाया जाता है।

कुछ ना कहना

सुप्रीम कोर्ट का आदेश, सरकार ने कहा-

एथेनॉल आवंटन में बदलाव नहीं करें

पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिलाना एक एक्सपेरिमेंट, इसका असर अगले साल साफ होगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एथेनॉल सप्लाई ईयर 2025-26 के लिए एथेनॉल आवंटन में कोई बदलाव नहीं करने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कहा कि पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिलाने (ई20) की सरकारी नीति नहीं बदलेगी। इस योजना का पूरा असर अगले साल तक और साफ हो जाएगा।

कोर्ट ने भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस एम एम सुंदरश और जस्टिस शील नागू की बेंच ने यह आदेश दिया। अटॉर्नी जनरल ने कहा कि कर्नाटक हाईकोर्ट के आदेश से सरकार की 20 प्रतिशत एथेनॉल ब्लेंडिंग योजना पर असर पड़ सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि इसी तरह के कई मामले अलग-अलग हाईकोर्ट में चल रहे हैं।

एथेनॉल सप्लाई के समझौते अक्टूबर 2025 में ही हो चुके

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि बीपीसीएल ने हाईकोर्ट की बड़ी बेंच में अपील क्यों नहीं की। इस पर अटॉर्नी जनरल ने कहा कि एथेनॉल सप्लाई के समझौते अक्टूबर 2025 में ही हो चुके हैं। अगर हर हाईकोर्ट में अलग-अलग सुनवाई हुई तो फैसला आने में देरी होगी और इससे देश की नीति प्रभावित हो सकती है। उन्होंने मामले को सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर करने की अनुमति भी मांगी। सुनवाई के बाद अटॉर्नी जनरल ने कहा कि 20 प्रतिशत एथेनॉल मिलाने की नीति बदलने वाली नहीं है। हां, तेल कंपनियों को कितना एथेनॉल मिलेगा, यह मांग और दूसरी परिस्थितियों के हिसाब से कम या ज्यादा हो सकता है।

विवाद कैसे शुरू हुआ

यह मामला विन्प डिस्टिलरीज एंड शुगर प्राइवेट लिमिटेड की याचिका से जुड़ा है। कंपनी ने कर्नाटक हाईकोर्ट में कहा था कि उसने सिर्फ एथेनॉल बनाने का प्लांट लगाया है। उसकी सालाना क्षमता करीब 9.90 करोड़ लीटर है, लेकिन 2025-26 के लिए उसे सिर्फ 3.92 करोड़ लीटर एथेनॉल सप्लाई का ऑर्डर मिला। जबकि उसने 9.26 करोड़ लीटर की बोली लगाई थी। सरकार की ओर से कहा गया कि पहले ज्यादा आवंटन मिलने का मतलब यह नहीं है कि कंपनी हर बार उतनी ही मात्रा मांग सकती है। अगर उसकी मांग मान ली गई तो सरकार की पूरी नीति बदल जाएगी। हालांकि, कर्नाटक हाईकोर्ट ने कहा कि कंपनी को पहले की नीति और समझौते के आधार पर यह उम्मीद थी कि उसे पहले की तरह आवंटन मिलेगा। इसलिए ओएमसी को उसके आवेदन पर फिर से विचार करना चाहिए।

एसबीआई को 1,266 करोड़ के नुकसान पर ईडी की कार्रवाई

3.66 करोड़ की बीमा पॉलिसी कुर्क

भोपाल। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को फर्जी मर्चेंटिंग ट्रेड लेन-देन के जरिए 1,266.63 करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचाने के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने मेसर्स एडवांटेज ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड (एओपीएल) और उसके सूत्रधार श्रीकांत भासी से जुड़ी 3.66 करोड़ रुपए की निवेश आधारित जीवन बीमा पॉलिसियों को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया है।

ईडी के अनुसार कुर्क की गई दो इन्वेस्टमेंट लिंक्ड लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसियों का सरेंडर मूल्य 3,87,814.42 अमेरिकी डॉलर (करीब 3.66 करोड़ रुपए) है। ये पॉलिसियां ज्यूरिख इंटरनेशनल लाइफ लिमिटेड में संचालित थीं और इन्हें विदेशी बैंक खातों के माध्यम से खरीदा गया था। यह कार्रवाई सीबीआई, बीएसएफसी नई दिल्ली द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत की गई है। आरोप है कि एओपीएल, उसके निदेशकों और अन्य संबंधित लोगों ने फर्जी व्यापारिक लेन-देन के माध्यम से एसबीआई को भारी वित्तीय नुकसान पहुंचाया।

फर्जी दस्तावेजों और हवाला के जरिए धन का लेन-देन

ईडी की जांच में सामने आया कि कंपनी और उसके प्रवर्तकों ने कथित रूप से फर्जी व्यापारिक दस्तावेज, बैंकिंग सुविधाओं के दुरुपयोग, सिक्योरिटी ट्रेडिंग और हवाला माध्यमों से धन का देश-विदेश में ट्रांजेक्शन किया। इसके बाद अपराध से अर्जित धन को विभिन्न कंपनियों के जरिए लेयरिंग कर भारत और विदेशों में चल-अचल संपत्तियों में निवेश किया गया। जांच में यह भी पता चला कि श्रीकांत भासी के नाम से ज्यूरिख इंटरनेशनल लाइफ लिमिटेड में संचालित दो जीवन बीमा पॉलिसियां वर्ष 2026 में सरेंडर कर उनकी राशि भारत स्थित बैंक खातों में लाने की तैयारी थी। संभावित धन हस्तांतरण को रोकने के लिए ईडी ने पीएमएलए की धारा 5(1) के तहत इन पॉलिसियों को कुर्क कर लिया। ईडी ने बताया कि इस मामले में अब तक करीब 166 करोड़ रुपए की संपत्तियां कुर्क की जा चुकी हैं। इसमें यूएई के दुबई में स्थित करीब 51.70 करोड़ रुपए मूल्य की 9 अचल संपत्तियां और भारत में करीब 111 करोड़ रुपए मूल्य की अन्य संपत्तियां शामिल हैं। ईडी के अनुसार मामले में आगे की जांच जारी है और धन के अवैध लेन-देन से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।

विधायक हुमायूं कबीर होंगे गिरफ्तार

कोलकाता। राजनीतिक बैठकों के दौरान विवादित और भडक़ाऊ टिप्पणी मामले में हुमायूं कबीर को दो अलग-अलग थानों की पुलिस ने

पेश होने के लिए जारी किए हैं। पुलिस ने हुमायूं कबीर को शक्तिपुर पुलिस स्टेशन में दर्ज स्वत: संज्ञान मामले में तीन जुलाई और रेजीनगर पुलिस स्टेशन के मामले में चार जुलाई को जांच अधिकारी के सामने पेश होने के लिए बुलाया है। पुलिस द्वारा नोटिस जारी किया जाने के बाद नाओदा के विधायक और आम जनता उन्नयन पार्टी के चेयरमैन की गिरफ्तारी की अटकलें तेज हो गई हैं, जिससे मुर्शिदाबाद में राजनीतिक सरगर्मियां बेहद तेज हो गई हैं। दरअसल, हुमायूं कबीर पर राजनीतिक बैठकों के दौरान अत्यधिक विवादास्पद और भडक़ाऊ टिप्पणियां करने के गंभीर आरोप लगे हैं। उन्होंने शक्तिपुर की एक जनसभा के दौरान स्थानीय पुलिस स्टेशन के ऑफिसर-इन-चार्ज (ओसी) के खिलाफ बेहद अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया था, जबकि रेजीनगर की बैठक में उन पर भडक़ाऊ भाषण देने का आरोप है। पुलिस इस मामले में पहले ही तीन स्थानीय आयोजकों- अमीनुल हक, गुलाम शेख और अनीसुर रहमान को गिरफ्तार कर चुकी है।

23 दलों ने सीजेआई सूर्यकांत को लिखा पत्र

एसआईआर मामले को लेकर फिर एकजुट हुआ विपक्ष

नई दिल्ली। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्षी दल एक बार फिर एक मंच पर नजर आए हैं। विपक्ष के 23 राजनीतिक दलों और एक निर्दलीय सांसद ने भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत को पत्र लिखकर एसआईआर प्रक्रिया को लेकर अपनी चिंताएं व्यक्त की हैं। इस पहल में आम आदमी पार्टी (आप) और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) जैसे दलों का शामिल होना राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

विपक्षी दलों का आरोप है कि एसआईआर प्रक्रिया के माध्यम से मतदाता सूची और चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास किया जा रहा है। विपक्ष ने न्यायपालिका से इस मामले में हस्तक्षेप करने और पूरी प्रक्रिया की निष्पक्षता की जांच करने की अपील की है। तृणमूल कांग्रेस की सांसद सागरिका घोष ने कहा कि 8 जून को 21 विपक्षी दलों की बैठक में इस मुद्दे पर संयुक्त रूप से संघर्ष करने का निर्णय लिया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया का उपयोग सत्तारूढ़ दल के राजनीतिक लाभ के लिए किया जा रहा है और चुनावी व्यवस्था के साथ छेड़छाड़ की आशंका है।

सागरिका घोष ने कहा कि पहली बार 23 विपक्षी दलों ने एकजुट होकर मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखा है। उनके अनुसार, इस कदम का उद्देश्य न्यायपालिका का ध्यान उस प्रक्रिया की ओर आकर्षित करना है, जिसे विपक्ष लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चुनौती मान रहा है।

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने भी इस पहल को विपक्षी एकता का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि 23 राजनीतिक दलों और एक निर्दलीय सांसद द्वारा हस्ताक्षरित यह पत्र विपक्ष की एकजुटता, प्रतिरोध और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पत्र में प्रमुख विपक्षी नेताओं ने किए हस्ताक्षर

पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी, राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव तथा शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत सहित कई प्रमुख विपक्षी नेता शामिल हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, हाल के वर्षों में कई मुद्दों पर बिखरे दिखाई देने वाले विपक्ष को एसआईआर का मुद्दा एक साझा मंच प्रदान कर सकता है। आम आदमी पार्टी और डीएमके जैसे दलों का इस पहल में शामिल होना विपक्षी एकता के लिहाज से महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश को भेजे गए पत्र की पूरी सामग्री अभी सार्वजनिक नहीं की गई है।

महाराष्ट्र में मराठी पढ़ाना अनिवार्य, नियम तोड़ने पर होगी सख्त कार्रवाई

मुंबई । महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के सभी बोर्ड और सभी माध्यम के स्कूलों में कक्षा 1 से 10 तक मराठी भाषा की पढ़ाई और परीक्षा अनिवार्य कर दी है। नए नियम का पालन नहीं करने वाले स्कूलों पर एक लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जाएगा। इसके बाद भी निर्देशों की अनदेखी करने पर संबंधित स्कूल की मान्यता रद्द की जा सकती है। स्कूल शिक्षा मंत्री दादा भुसे ने विधानसभा में बताया कि यह व्यवस्था मराठी अनिवार्य शिक्षण कानून, 2020 के तहत लागू की जा रही है। सरकार का उद्देश्य छात्रों को मराठी भाषा से जोड़ना और उसका व्यापक प्रचार-प्रसार करना है।

हाईकोर्ट जाइए, भरत तिवारी एनकाउंटर केस सुनने से सुप्रीम कोर्ट का इंकार

नई दिल्ली। भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को सीधे सुनवाई से इंकार कर संबंधित हाईकोर्ट जाने को कह दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सुनवाई करने से मना किया। यह याचिका भोजपुर जिले के बिलौटी गांव के निवासी भरत भूषण तिवारी के एनकाउंटर को लेकर अधिवक्ता विशाल तिवारी ने दायर की थी। याचिका में दावा था कि भरत तिवारी का एनकाउंटर फर्जी था, और पूरे मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से करने की मांग की गई थी। साथ ही, याचिकाकर्ता ने एनकाउंटर में शामिल पुलिस अधिकारियों और कर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करने का आदेश देने की मांग की थी। याचिका में कहा गया था कि कानून के राज और लोगों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होना जरुरी है। इसके लिए जांच की निगरानी सुप्रीम कोर्ट के किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में बनी एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति करे।

वहीं पुलिस का दावा है कि भरत तिवारी एक आपराधिक मामले में वांछित थे और मुठभेड़ के दौरान उनकी मौत हो गई। हालांकि, उनके परिवार ने पुलिस की कहानी पर सवाल उठाकर फर्जी एनकाउंटर बताया है।

चढ़ावा चोरी मामले के बाद बड़े बदलाव की तैयारी, एसआईटी ने की सिफारिश

राम मंदिर ट्रस्ट में लागू होगी सीईओ व्यवस्था!

लखनऊ। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला उजागर होने के बाद एसआईटी ने अन्य मंदिरों की तरह यहां पर भी मुख्य कार्यपालक अधिकारी की नियुक्ति करने की सिफारिश की है। जब ये व्यवस्था लागू होगी तो किसी सेवारत अधिकारी की नियुक्ति की जा सकती है। इसमें मंडलायुक्त, जिले के डीएम या कोई राजस्व अधिकारी हो सकता है।

दरअसल, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को अब तक मुख्य रूप से चंपत राय, अनिल मिश्रा व गोपाल राव चला रहे थे। अन्य पदाधिकारियों का हस्तक्षेप न के बराबर रहा। ट्रस्ट का गठन फरवरी 2020 में हुआ था। छह साल के भीतर कई विवाद जुड़े। वहीं अब चढ़ावा चोरी जैसा गंभीर मामला उजागर हुआ। इसलिए एसआईटी ने अपनी जांच रिपोर्ट में सीईओ को नियुक्त करने की सिफारिश की है, जिससे व्यवस्था में पारदर्शिता आए और जवाबदेही भी तय की जा सके। घर-परिवार व किसी कंपनी की तरह ट्रस्ट का संचालन न हो। अब तक ये चर्चा रही है कि किसी सेवानिवृत्त अधिकारी को सीईओ नियुक्त किया जा सकता है।

-केरलम हाईकोर्ट ने दिए जांच के आदेश

अयोध्या में चढ़ावे की चोरी....सबरीमाला मंदिर में मूर्तियों पर चढ़ा सोना गायब

केरलम । देशभर में अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी और गबन को लेकर छिड़ी बहस के बीच, केरलम के प्रसिद्ध सबरीमाला मंदिर से भगवान की मूर्तियों पर चढ़ा सोना गायब होने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक ओर जहां अयोध्या में दान की पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सबरीमाला में सीधे भगवान के गहनों पर हाथ साफ करने का आरोप है, इससे श्रद्धालुओं में गहरा आक्रोश है।

यह गंभीर मामला अब केरलम हाईकोर्ट के संज्ञान में है, इसके बाद कोर्ट ने विशेष जांच टीम (एसआईटी) को त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीपी) के दो वामपंथी नेताओं और पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने का निर्देश दिया है। ये अधिकारी 2023 से 2025 के दौरान मंदिर का प्रबंधन देख रहे थे।

पूरा प्रकरण सबरीमाला मंदिर के द्वारपालक की मूर्तियों से जुड़ा है, जिन पर 1998 में सोने की परत चढ़ाई गई थी। आरोप है कि 2019 में, तत्कालीन एलडीएफ सरकार के कार्यकाल में, इन मूर्तियों को दुबारा गोल्ड प्लेटिंग के बहाने चेन्नई भेजा गया। वापसी पर, मूर्तियों पर चढ़ा कुछ सोना कथित तौर पर गायब मिला। चौंकाने वाली बात यह है कि 2023 में इन्हीं मूर्तियों को फिर से गोल्ड प्लेटिंग के नाम पर चेन्नई ले जाने की योजना बनाई। अदालत का मानना है कि यह पिछली कथित चोरी को छिपाने का प्रयास था। केरलम हाईकोर्ट ने अपने आदेश में प्रथम दृष्टया आपराधिक साजिश, विश्वासघात और धोखाधड़ी के स्पष्ट संकेत हैं। कोर्ट ने कहा कि मूर्तियों को दुबारा गोल्ड प्लेटिंग के लिए भेजने का मकसद पिछली गड़बड़ियों को छिपाना था, जिससे देवस्वोम को और नुकसान होता। जांच एजेंसी एक जौहरी सहित अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। इससे पहले, एसआईटी ने 2019 के समान मामलों में सीपीआई (एम) नेता और पूर्व विधायक ए. पद्मकुमार को गिरफ्तार किया था। अयोध्या और सबरीमाला के ये अलग-अलग मामले, एक तरफ चढ़ावे के प्रबंधन और दूसरी ओर मूर्तियों से बहुमूल्य आभूषणों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। केरल हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद, अब आपराधिक जांच आगे बढ़ेगी, जिससे इस रहस्य पर से पर्दा उठ सकेगा कि आखिर भगवान की मूर्तियों से सोना गायब किसने किया और इसके पीछे कौन-कौन जिम्मेदार है।

सप्तपदी के बिना हिंदू विवाह अमान्य, चाहे वैध सर्टिफिकेट हो- गुजरात हाईकोर्ट

गांधीनगर। गुजरात हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में स्पष्ट किया है कि हिंदू विवाह अधिनियम के तहत निर्धारित आवश्यक रस्में, जैसे कि सप्तपदी (सात फेरे) के बिना, सिर्फ एक पंजीकृत विवाह प्रमाण पत्र किसी हिंदू शादी को वैध नहीं बना सकता। जस्टिस इलेश जे वोरा और आरटी वछानी की खंडपीठ ने कहा कि विवाह प्रमाण पत्र केवल उस शादी का सबूत है जो पहले ही सही ढंग से संपन्न हुई है, यह ऐसी शादी को वैध नहीं करता जिसमें निर्धारित रस्में कभी निभाई नहीं गई। गुजरात कोर्ट ने एक मामले में सुनवाई कर बताया कि हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 7 के तहत, हिंदू शादी दोनों में से किसी भी पक्ष के रीति-रिवाजों और रस्मों के अनुसार संपन्न होनी चाहिए। यदि इन रस्मों में सप्तपदी शामिल है, तब शादी सातवें कदम के बाद ही पूर्ण और कानूनी रूप से मान्य होती है। कोर्ट ने कहा कि संपन्न शब्द का अर्थ है कि शादी सही तरीके से और ज़रूरी रस्मों के साथ होनी चाहिए, जिनके बिना कानून की नज़र में कोई वैध हिंदू शादी नहीं मानी जाती। यह मामला यूनाइटेड किंगडम निवासी एक व्यक्ति की अपील से जुड़ा था। व्यक्ति ने दावा किया कि मुझे एक महिला के साथ अपनी कथित शादी का तब पता चला जब वह शादी का सर्टिफिकेट लेकर उसके माता-पिता के पास पहुंची। शख्स ने आरोप लगाया कि उसने कभी उस महिला से शादी नहीं की, न कोई हिंदू रीति-रिवाज या रस्में निभाईं, और न ही कभी पति-पत्नी के तौर पर साथ रहा। शख्स ने आरोप लगाया कि मुझसे धोखे से शादी के कागजात पर दस्तखत कराए गए थे। दिलचस्प बात यह है कि सुनवाई के दौरान महिला ने खुद लिखित में स्वीकार किया कि शादी की कोई रस्म या समारोह नहीं हुआ था और दोनों के बीच पति-पत्नी का कोई रिश्ता नहीं था। इन स्वीकारोक्तियों के बावजूद, फैमिली कोर्ट ने शादी को अमान्य घोषित करने से इंकार किया था, यह मानते हुए कि पंजीकृत प्रमाण पत्र के कारण पूरी सुनवाई की आवश्यकता है। इसके बाद हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के फैसले को पलट दिया। हाई कोर्ट ने कहा कि जब महिला ने स्वयं मान लिया है कि हिंदू शादी की आवश्यक रस्में कभी नहीं निभाई गईं, तब दोनों पक्षों को लंबी सुनवाई से गुजरने के लिए मजबूर करने का कोई कारण नहीं है। बेंच ने कहा कि हिंदू मैरिज एक्ट की धारा 8 के तहत पंजीकरण केवल कानूनी तौर पर हुई शादी का सबूत देता है; यह अपने आप में पति-पत्नी का कानूनी दर्जा नहीं बना सकता। हाईकोर्ट ने सप्तपदी के महत्व का जिक्र कर कहा कि हिंदू शादी एक संस्कार है, न कि केवल गाने-बजाने या खाने-पीने का मौका, और न ही यह कोई कारोबारी लेनदेन है, यह एक पवित्र संस्था है। इस कारण, कोर्ट ने उस कथित शादी को अमान्य घोषित कर दिया और याचिकाकर्ता को शादी के पंजीकरण और प्रमाण पत्र को रद्द करवाने के लिए संबंधित अधिकारी के पास जाने की इजाज़त दे दी।

जनरल द्विवेदी आर्मी चीफ पद से रिटायर

नए जनरल धीरज सेठ ने पदभार संभाला

नई दिल्ली। जनरल उपेंद्र द्विवेदी मंगलवार को आर्मी चीफ के पद से रिटायर हो गए। द्विवेदी की जगह जनरल धीरज सेठ ने ली है। उन्होंने मंगलवार को कार्यभार संभाल लिया है। सेठ भारत के 31वें आर्मी चीफ हैं। उन्हें भारतीय सेना में लगभग चार दशक का अनुभव है। उन्होंने दिसंबर 1986 सेना ज्वॉइन की थी। वहीं रिटायरमेंट से पहले उन्होंने नई दिल्ली स्थित नेशनल वॉर मेमोरियल पर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

द्विवेदी ने कहा कि दो सालों में भारतीय सेना ने हर मोर्चे पर अपनी तैयारी, संतुलन और सतर्कता मजबूत बनाए रखी। ऑपरेशन सिंदूर इसका प्रमुख उदाहरण है। उन्होंने कहा कि आज मैं यह जिम्मेदारी जनरल धीरज सेठ को सौंप रहा हूं। वह एक अनुभवी सैनिक और सक्षम नेता हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि उनके नेतृत्व में भारतीय सेना अपनी गौरवशाली परंपराओं को कायम रखते हुए नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगी।

जनसुनवाई में सुनी गई आवेदकों की समस्याएँ

115 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई की श्रृंखला में 30 जून को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, श्री एमआर कोल तथा एसडीएम गोपाल सोनी ने आवेदकों की समस्याएँ सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में 115 आवेदक अपनी समस्याएँ लेकर पहुँचे।

ग्राम पंचायत लेण्डेझरी के बच्चों के अभिभावक सीएम राइज सांदीपनि विद्यालय लेण्डेझरी में विद्यार्थियों के लिए स्कूल बस सुविधा उपलब्ध कराये जाने की मांग लेकर आये थे। उनका कहना था कि अभिभावकों को निजी वाहन और ऑटो से बच्चों को लाने-ले जाने में अतिरिक्त खर्च और समय की परेशानी हो रही है। साथ ही कई बार बच्चों को स्कूल पहुँचाने में देरी हो जाती है, इससे बच्चों की पढ़ाई का नुकसान हो रहा है। अतः शीघ्र विद्यालय में बस सुविधा शुरू की जाए। इस प्रकरण में जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

वार्ड नं.03 बालाघाट के विजय पटले अपने पुत्र विवेक पटले का दाखिला सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में दिलाये जाने की मांग लेकर आये थे। विजय का कहना था कि उसकी आर्थिक स्थिति कमजोर है जिसके कारण वह अपने बेटे को निजी विद्यालय में पढ़ाई कराने में असमर्थ हैं। विजय ने बताया कि उसके पुत्र विवेक ने कक्षा 5वीं में 84 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं और अब वह उसक दाखिला सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में करवाना चाहता है। इसी तरह वार्ड नं.13 गंगा नगर के अशोक बुरड़े भी अपनी पुत्री दिव्यांशी बुरड़े का दाखिला सीएम राईज बालाघाट में कराने की मांग लेकर आये थे। उन्होंने बताया कि दिव्यांशी ने कक्षा 8वीं में 84 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं और अब वह दिव्यांशी को कक्षा 9वीं अंग्रेजी माध्यम में सीएम राईज बालाघाट में कराना चाहते है। इन दोनो ही प्रकरणों में जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

ग्राम भानेगांव निवासी अंचल बेदरे विवाह उपरांत अपनी समग्र आईडी स्थानांतरित करने की मांग लेकर आयी थी। अंचल का कहना था कि उसकी समग्र आईडी अभी ग्राम बुधाटोला कोपे से संबद्ध है, जबकि वर्तमान निवास भानेगांव में है। उसने समग्र आईडी को पति की समग्र आईडी के साथ जोड़कर वर्तमान पते पर ट्रांसफर करने का अनुरोध किया है। इस प्रकरण में जनपद सीईओ लांजी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

किरनापुर जनपद के ग्राम सेवती निवासी रमेश बघेल मनरेगा के तहत किए गए कार्य की मजदूरी का भुगतान चार वर्ष बाद भी नहीं मिलने की शिकायत लेकर आये थे। रमेश ने बताया कि उसने वर्ष 2022 में ग्राम सेवती में खेल मैदान निर्माण कार्य में 181 दिनों तक मजदूरी की थी, जिसके एवज में करीब 1.81 लाख रुपये का भुगतान लंबित है। उसने इस संबंध में कई बार अधिकारियों से शिकायत भी की लेकिन उसे केवल आश्वासन ही मिला। अतः मजदूरी की राशि का भुगतान किया जाए। इस प्रकरण में जनपद सीईओ किरनापुर को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

चांगोटोला निवासी सविता अहिरवार राजीव विद्यापीठ स्कूल के संचालक एन.पी. गौतम द्वारा उसके लडके की टीसी न देने और फोन करके परेशान करने की शिकायत लेकर आयी थी। सविता का कहना था कि उसके बेटे का आरटीई (शिक्षा का अधिकार अधिनियम) के तहत विद्यालय में मुफ्त में दाखिला हुआ था, फिर भी संचालक बार-बार फीस मांग रहे हैं। विद्यालय के संचालक एनपी गौतम द्वारा फीस नहीं देने पर बेटे की टीसी नहीं दी जा रही है तथा फोन पर धमकाने के साथ ही गाली-गलौज की जा रही है। इस प्रकरण में जिला शिक्षा अधिकारी को शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गए है।

परसवाड़ा तहसील के ग्राम घाना के ग्रामीण नल जल योजना के तहत पेयजल आपूर्ति नहीं किये जाने की शिकायत लेकर आये थे। ग्रामीणों का कहना था कि गांव में नल-जल योजना का पानी नहीं मिल रहा है, जिससे लोगों को दूर-दराज से पानी लाना पड़ रहा है और दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि नल-जल योजना की व्यवस्था को जल्द से जल्द सुचारु कराया जाए, ताकि गांव के लोगों को नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके। इस प्रकरण में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

बैहर तहसील की ग्राम मंडवा निवासी मिलाबाई कुमरे संबल योजना की सहायता राशि में हिस्सा दिलाने की मांग लेकर आयी थी। मिलाबाई ने बताया कि उसके पुत्र दिनेश कुमरे की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो चुकी है। बेटे की मृत्यु के बाद मिलने वाली संबल योजना एवं अन्य मदों की सहायता राशि स्वीकृत हो चुकी है। मिलाबाई का कहना है कि बेटा ही परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था, जिसकी मृत्यु के बाद परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहा है। उसका कहना था कि सहायता राशि का आधा हिस्सा बहू और आधा हिस्सा उन्हें दिलाने की व्यवस्था की जाए। इस प्रकरण में जिला श्रम पदाधिकारी को आवश्यक कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गए है।

खैरलांजी तहसील के ग्राम मोवाड़ के वार्ड पंच तुलाराम मते शासकीय स्कूल की भूमि का दोबारा सीमांकन कराने की मांग लेकर आये थे। उन्होंने बताया कि स्कूल की बाउंड्रीवाल का निर्माण चल रहा है, लेकिन पहले किया गया सीमांकन संतोषजनक नहीं है। उनका कहना है कि सचिव और सरपंच ने वार्ड पंच को सूचना दिए बिना सीमांकन कराया है। वार्ड पंच तुलाराम ने मांग की है कि अधिकारियों का दल गठित कर निष्पक्ष तरीके से दोबारा सीमांकन कराया जाए। इस प्रकरण में तहसीलदार वारासिवनी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

बिरसा तहसील के ग्राम भड़गांव निवासी काशीराम चिचाम राष्ट्रीय बांस मिशन के तहत नर्सरी स्थापित करने के लिए आर्थिक सहायता या बैंक ऋण दिलाने की मांग लेकर आये थे। काशीराम का कहना था कि वे 12वीं पास हैं, नर्सरी तैयार करने का अनुभव रखते हैं और वर्तमान में बेरोजगार हैं। उन्होंने बताया कि कि आर्थिक तंगी के कारण वे नर्सरी का कार्य शुरू नहीं कर पा रहे हैं। इस प्रकरण में सहायक संचालक उद्यान को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

आंगनवाडी कार्यकर्ता के 24 एवं सहायिका के 51, कुल 75 पदों पर आवेदन आमंत्रित

1 जुलाई से 13 जुलाई तक किये जाएंगे ऑनलाइन आवेदन, एम.पी. ऑनलाइन चयन पोर्टल के माध्यम से होगी प्रक्रिया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी सहायिका के रिक्त पदों की पूर्ति के लिए भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। विभाग ने पात्र एवं इच्छुक महिला अभ्यर्थियों से एम.पी. ऑनलाइन के चयन पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं।

महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री देवेंद्र सुंद्रीयाल ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 1 जुलाई 2026 से प्रारंभ होगी। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 13 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है, जबकि आवेदन पत्र में किसी प्रकार की त्रुटि होने पर उसका सुधार 15 जुलाई 2026 तक किया जा सकेगा। भर्ती के लिए आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। इच्छुक महिला अभ्यर्थी https://chayan.mponline.gov.in पोर्टल के माध्यम से स्वयं अथवा किसी भी अधिकृत एम.पी. ऑनलाइन कियोस्क पर जाकर आवेदन प्रस्तुत कर सकती हैं। आवेदन के लिए 100 रुपये शुल्क तथा नियमानुसार लागू जीएसटी का भुगतान करना होगा।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि भर्ती से संबंधित पात्रता, रिक्त पदों का विवरण, चयन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, नियम एवं अन्य दिशा-निर्देश चयन पोर्टल और महिला एवं बाल विकास विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। अभ्यर्थियों को आवेदन करने से पहले सभी दिशा-निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करने की सलाह दी गई है। महिला एवं बाल विकास विभाग ने जिले की पात्र एवं इच्छुक महिलाओं से निर्धारित समय-सीमा के भीतर ऑनलाइन आवेदन करने की अपील की है, ताकि वे इस भर्ती प्रक्रिया का लाभ प्राप्त कर सकें।

परियोजनावार पदों का विवरण

सुंद्रीयाल ने बताया कि विभाग द्वारा आंगनवाडी कार्यकर्ता के 24 एवं आंगनवाडी सहायिका के 51 पदों पर आवेदन आमंत्रित किये गए है, इस तरह कुल 75 पदों पर ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किये गए है। इसमें बैहर परियोजना में आंगनवाडी कार्यकर्ता के 02 एवं सहायिका के 02, बिरसा परियोजना में आंगनवाडी कार्यकर्ता के 06 एवं सहायिका के 06, परसवाडा परियोजना में आंगनवाडी कार्यकर्ता के 04 एवं सहायिका के 04, बालाघाट ग्रामीण परियोजना में आंगनवाडी कार्यकर्ता के 01 एवं सहायिका के 04, किरनापुर परियोजना में आंगनवाडी कार्यकर्ता के 02 एवं सहायिका के 11, लांजी परियोजना में आंगनवाडी कार्यकर्ता के 02 एवं सहायिका के 05, वारासिवनी परियोजना में आंगनवाडी कार्यकर्ता के 02 एवं सहायिका के 07, लालबर्रा परियोजना में आंगनवाडी कार्यकर्ता के 03 एवं सहायिका के 04, कटंगी परियोजना में आंगनवाडी कार्यकर्ता के 01 एवं सहायिका के 04, खैरलांजी परियोजना में आंगनवाडी कार्यकर्ता के 01 एवं सहायिका के 02 तथा बालाघाट शहरी परियोजना में आंगनवाडी कार्यकर्ता के 00 एवं सहायिका के 02 पदों पर ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किये गए है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की जिला स्तरीय शिकायत निवारण समिति की समीक्षा बैठक आयोजित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं शिकायतों के समयबद्ध निराकरण को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय शिकायत निवारण समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर कलेक्टर जी. एस. धुर्वे ने की। बैठक में कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, अग्रणी बैंक तथा सहकारी बैंक के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के प्रारंभ में उप संचालक कृषि फूलसिंह मालवीय ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य प्राकृतिक आपदाओं, अतिवृष्टि, सूखा, ओलावृष्टि, कीट एवं रोगों से फसलों को होने वाले नुकसान की स्थिति में किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि किसान नाममात्र का प्रीमियम जमा कर अपनी फसलों का बीमा करा सकते हैं, जबकि शेष प्रीमियम राशि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा वहन की जाती है। इससे किसानों की आय सुरक्षित रहती है और विपरीत परिस्थितियों में उन्हें आर्थिक संबल मिलता है। श्री मालवीय ने किसानों द्वारा फसल बीमा कराने की प्रक्रिया, पात्रता, समय-सीमा तथा योजना के विभिन्न लाभों की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि सभी पात्र किसानों को निर्धारित अवधि में अपनी फसलों का बीमा अवश्य कराना चाहिए, ताकि किसी भी प्राकृतिक आपदा की स्थिति में उन्हें योजना का लाभ मिल सके। बैठक को संबोधित करते हुए अपर कलेक्टर जी. एस. धुर्वे ने निर्देश दिए कि किसानों की प्रत्येक फसल का बीमा बुवाई से लेकर कटाई तक निर्धारित समय-सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से किया जाए, जिससे अधिक से अधिक किसानों को योजना का लाभ मिल सके। उन्होंने सहकारी समितियों एवं संबंधित बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया कि फसल बीमा पोर्टल पर किसानों की जानकारी एवं फसल का विवरण संबंधित हल्के के अनुसार पूरी सावधानी से दर्ज किया जाए तथा किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण प्रविष्टि से बचा जाए। उन्होंने कहा कि फसल बीमा से संबंधित प्राप्त होने वाली सभी सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसानों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक में अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक संजीव कुमार, सहकारी पैक्स बैंक के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा कृषि विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रभावी संचालन, किसानों तक अधिकतम पहुंच सुनिश्चित करने तथा शिकायतों के त्वरित समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई।

ग्राम पंचायत जाम के ग्रामीणों और पंचों ने सौपा ज्ञापन

पंचायत कार्यों में अनिमियता का लगाया आरोप, कलेक्टर से की उच्चस्तरीय जांच की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मंगलवार को जिला मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में ग्राम पंचायत जाम के ग्रामीणों एवं पंचों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर पंचायत में करोड़ों रुपये की विकास योजनाओं में कथित अनियमितताओं की शिकायत की। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि विभिन्न योजनाओं में शासन की राशि का दुरुपयोग किया गया है तथा कई कार्य केवल कागजों में दर्शाकर भुगतान कर लिया गया। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की।ग्रामीणों ने शिकायत में बताया कि मनरेगा के तहत जामटोला मोक्षधाम, जाम क्रिकेट ग्राउंड तथा नामदेव शाकरे के खेत के सामने किए गए वृक्षारोपण कार्यों में भारी अनियमितताएं हुई हैं। आरोप है कि जिन स्थानों पर पौधारोपण दिखाया गया, वहां अधिकांश पौधे मौजूद ही नहीं हैं, जबकि पौधों की सुरक्षा के लिए फेंसिंग तार सहित अन्य कार्यों पर पंचायत एवं मनरेगा मद से राशि खर्च दर्शाई गई है। ग्रामीणों ने पूरे कार्य की भौतिक जांच कराने की मांग की है।ज्ञापन में टाका तालाब परिसर में बनाए गए 4 से 5 फिशर पॉट निर्माण कार्यों को भी संदेह के घेरे में बताया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि इन कार्यों में मजदूरी और निर्माण संबंधी भुगतान में अनियमितताएं की गई हैं, जिसकी जांच आवश्यक है। इसके अलावा वर्ष 2022-23 से लेकर 2026-27 तक पंचायत मद, 14वें एवं 15वें वित्त आयोग की राशि से कराए गए सभी विकास कार्यों की जांच कराने, संबंधित बिल-वाउचर, कार्य प्रस्ताव, स्वीकृतियां और भुगतान संबंधी दस्तावेजों की जांच की मांग की गई है।

पंचों की सहमति और प्रस्ताव के बिना ही हो रहे कार्य

शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि कई मामलों में पंचों की सहमति और प्रस्ताव के बिना ही सरपंच एवं सचिव द्वारा राशि

निकाली गई।जिसकी जांच की जानी चाहिए, संबंधित सरपंच, सचिव एवं जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि ग्राम जाम स्थित अस्पताल भवन, जो जिला पंचायत को हस्तांतरित हो चुका था, उसे विभागीय एनओसी के बिना ही सरपंच द्वारा तुड़वा दिया गया। साथ ही अस्पताल की सामग्री का भी दुरुपयोग किए जाने की आशंका जताई गई है। इसकी भी निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई। ग्रामीणों और पंचों ने कहा कि पंचायत में लंबे समय से विकास कार्यों के नाम पर अनियमितताएं हो रही हैं, जिससे शासन की योजनाओं का लाभ आम लोगों तक नहीं पहुंच पा रहा है। उन्होंने कलेक्टर से पूरे मामले की बारीकी से जांच कर दोषी सरपंच, सचिव एवं उपयंत्री के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने की मांग की।

उच्चस्तरीय जांच कर की जाए वैधानिक कार्यवाही

इस संबंध में शिकायतकर्ता अक्षय सिल्लारे एवं धर्मेंद्र धामडे ने बताया कि ग्राम पंचायत जाम में शासन की विभिन्न योजनाओं की राशि का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग किया गया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों ने कई बार शिकायत की, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इसलिए जनसुनवाई में पहुंचकर उच्चस्तरीय जांच की मांग की गई है। उनका कहना है कि यदि निष्पक्ष जांच होती है तो पंचायत में हुए कथित अनिमियताओ की परतें खुलकर सामने आएंगी।

वन पट्टाधारी किसानों को निःशुल्क अरहर बीज मिनीकिट वितरित

दलहन उत्पादन बढ़ाने और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम) के अंतर्गत जिले में दलहन उत्पादन को बढ़ावा देने तथा वनांचल क्षेत्रों के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से वन पट्टाधारी किसानों को निःशुल्क अरहर बीज मिनीकिट का वितरण किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को विकासखंड परसवाड़ा के वनांचल क्षेत्र के नवीन वन पट्टाधारी किसानों को अरहर बीज की मिनीकिट प्रदान की गई। उप संचालक कृषि फूलसिंह मालवीय ने बताया कि एनएफएसएम योजना के तहत वनग्राम जामुनझीरिया के कृषक संतोष मेरावी (पिता बुधसिंह मेरावी), वनग्राम टाटीघाट के कृषक कोमल उइके (पिता महिपाल उइके) तथा रामसिंह उइके (पिता महासिंह उइके) को निःशुल्क अरहर बीज मिनीकिट वितरित किए गए। उन्होंने बताया कि योजना का उद्देश्य वन पट्टाधारी किसानों को दलहन फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित करना, कृषि उत्पादन में विविधता लाना तथा उनकी आय में वृद्धि करना है। अरहर जैसी दलहनी फसलें न केवल किसानों को बेहतर आर्थिक लाभ प्रदान करती हैं, बल्कि मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा मिलता है। उप संचालक कृषि ने किसानों से अपील की कि वे वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाते हुए अरहर की उन्नत किस्मों की खेती करें, ताकि कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सके। उन्होंने बताया कि कृषि विभाग किसानों को समय-समय पर तकनीकी मार्गदर्शन एवं आवश्यक कृषि आदानों की उपलब्धता भी सुनिश्चित कर रहा है। किसानों ने कृषि विभाग द्वारा निःशुल्क बीज उपलब्ध कराने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस पहल से दलहन उत्पादन बढ़ाने के साथ उनकी आय में भी वृद्धि होगी तथा वे आत्मनिर्भर कृषि की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे।

किराये पर उपलब्ध
धनराज कॉम्पलेक्स बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।
महेन्द्र सुराना 9425138670
ललित बाघरेचा 9424765679

मुख्य नगर पालिका अधिकारी बी. डी. कतरौलिया सेवानिवृत्त, भावुक माहौल में दी गई विदाई

विदाई समारोह में बोले-ईमानदारी और समर्पण ही कर्मचारी की सबसे बड़ी पहचान, यदि किसी का दिल दुखाया हो तो क्षमा चाहता हूं

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) बी. डी. कतरौलिया 30 जून को शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हो गए। उनके सम्मान में उन्हें गरिमामय विदाई दी गयी, जिसमें प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी, पार्षदगण, नगर पालिका एवं डूडा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने श्री कतरौलिया के लंबे प्रशासनिक अनुभव, कार्यशैली और सेवाओं की सराहना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी तथा उनके स्वस्थ, सुखद एवं मंगलमय भविष्य की कामना की। विदाई समारोह के दौरान माहौल उस समय भावुक हो गया जब बी. डी. कतरौलिया ने अपने सेवा काल के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि यह दिन उनके जीवन में खुशी और भावनाओं का संगम लेकर आया है। एक ओर वर्षों तक साथ काम करने वाले सहयोगियों से बिछड़ने का दुःख है, वहीं दूसरी ओर अब परिवार के साथ अधिक समय बिताने का अवसर मिलने की खुशी भी है। उन्होंने कहा कि शासकीय सेवा केवल एक नौकरी नहीं बल्कि समाज और जनता के प्रति जिम्मेदारी निभाने का माध्यम होती है, जिसे उन्होंने पूरी निष्ठा और

ईमानदारी के साथ निभाने का प्रयास किया। उन्होंने अपने लंबे प्रशासनिक जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि विभिन्न नगर निकायों में सेवाएं देने के दौरान अनेक प्रकार की चुनौतियां सामने आईं। कई बार कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने कभी अपने कर्तव्य से समझौता नहीं किया। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सेवा में पक्ष और विपक्ष दोनों के बीच संतुलन बनाकर कार्य करना पड़ता है। बालाघाट नगर पालिका में भी कई बार ऐसे अवसर आए, जब विभिन्न परिस्थितियों में निष्पक्ष रहकर निर्णय लेने पड़े, लेकिन उन्होंने हमेशा नियमों और जनहित को सर्वोपरि रखा। श्री कतरौलिया ने उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि जिस संस्था से हमारी रोजी-रोटी चलती है, उसके प्रति ईमानदारी, समर्पण और वफादारी सबसे बड़ा धर्म होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कर्मचारी यदि अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करे तो उसे समाज में सम्मान और परिवार में प्रतिष्ठा दोनों प्राप्त होते हैं। उन्होंने सभी कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे अपने कार्य को केवल औपचारिक जिम्मेदारी न समझें, बल्कि जनता की सेवा का माध्यम मानकर पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ कार्य करें।अपने संबोधन के अंत में श्री कतरौलिया भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि यदि उनके कार्यकाल के दौरान किसी सहयोगी, कर्मचारी या अधिकारी को किसी भी कारणवश उनकी बातों से ठेस पहुंची हो या किसी प्रकार की नाराजगी रही हो तो वे सभी से हृदय से क्षमा प्रार्थी हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते समय कई बार कठोर निर्णय लेने पड़ते हैं, लेकिन उनका उद्देश्य कभी किसी की भावनाओं को आहत करना नहीं रहा। समारोह में प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्य प्रकाश उके, पार्षद सुधीर चिले, माहील सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने उन्हें स्मृति-चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया और उनके स्वस्थ, सुखद एवं सक्रिय जीवन की शुभकामनाएं दीं।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

आकाशीय बिजली ने छीना कृषक का सहारा

रेलवाही के कृषक के दो बैलों की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बिरसा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रेलवाही के दहिया टोला में आकाशीय बिजली गिरने से एक कृषक के दो बैलों की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना से कृषक को लगभग 40 हजार रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। खेती किसानी के लिए पूरी तरह बैलों पर निर्भर किसान के सामने अब कृषि कार्य को लेकर गंभीर समस्या खड़ी हो गई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम रेलवाही के दहिया टोला निवासी तुलाराम यादव 45 वर्ष खेती किसानी का कार्य करते हैं। उनके पास कृषि कार्य के लिए केवल दो बैल थे।जिनका उपयोग वे खेतों की जुताई एवं अन्य कृषि कार्यों में करते थे। 30 जून को दोपहर करीब 1ः30 बजे तेज बारिश के दौरान आकाशीय बिजली कड़क रही थी। उस समय तुलाराम यादव अपने परिवार के साथ घर के अंदर थे। जबकि दोनों बैल घर के सामने बंधे हुए थे। बारिश कुछ कम होने पर जब वे बाहर निकले तो देखा कि आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दोनों बैलों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी।घटना की सूचना कृषक ने तत्काल बिरसा थाना पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस ने मृत मवेशी क्रमांक 6/2026 कायम कर दोनों मवेशियों का पोस्टमार्टम कराते हुए आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।बताया जा रहा है कि दोनों बैलों की कीमत करीब 40 हजार रुपये थी। एक साथ दोनों बैलों की मौत से कृषक को भारी आर्थिक क्षति हुई है। चूंकि कृषक खेती के लिए इन्हीं बैलों पर निर्भर था।ऐसे में आगामी कृषि कार्य प्रभावित होने की आशंका है।

बिना शासन के आदेश रसोइयों को हटाने का आरोप, रसोइया बहनों ने मध्याह्न भोजन बनना बंद कर आंदोलन की चेतावनी

स्व-सहायता समूह की रसोइया बहनों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, कहा- सैकड़ों महिलाओं की रोजी-रोटी छीनी गई, करेंगे उग्र आंदोलन

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

मध्यप्रदेश स्व सहायता समूह संगठन से जुड़ी रसोइया बहनों ने मंगलवार को जिला मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में पहुंचकर कलेक्टर के नाम एक ज्ञापन सौंपते हुए स्कूलों से हटाए जाने के आदेश पर गंभीर आपत्ति जताई। संगठन का आरोप है कि जिला स्तर पर जारी किए गए आदेश के आधार पर जिले की सैकड़ों रसोइया बहनों की सेवाएं समाप्त कर दी गईं, जबकि इस संबंध में न तो राज्य शासन और न ही केंद्र सरकार की ओर से कोई स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं। रसोइया बहनों ने इसे अन्यायपूर्ण कार्रवाई बताते हुए तत्काल बहाली की मांग की है और चेतावनी दी है कि यदि जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो जिलेभर में मध्याह्न भोजन योजना का संचालन बंद कर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में पहुंचीं रसोइया बहनों ने कहा कि वर्षों से वे शासकीय विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन योजना के अंतर्गत अपनी सेवाएं दे रही हैं। इस योजना के माध्यम से हजारों बच्चों को प्रतिदिन भोजन उपलब्ध कराया जाता है, लेकिन हाल ही में जिला स्तर से जारी एक आदेश के बाद कई स्कूलों से रसोइयों को हटा दिया गया। इससे सैकड़ों परिवारों की आजीविका पर संकट खड़ा हो गया है।

संगठन के पदाधिकारी देवनाथ पंचेश्वर और हेमलता पंचेश्वर ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि उन्होंने इस पूरे मामले में संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली। उन्हें बताया गया कि जिन स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या कम है, वहां से रसोइयों की सेवाएं समाप्त की जा रही हैं। लेकिन जब उन्होंने शासन स्तर पर जारी आदेशों की जानकारी प्राप्त की तो पता चला कि राज्य सरकार की ओर से इस प्रकार का कोई निर्देश जारी नहीं किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि शासन की ओर से कोई आदेश ही नहीं है, तो जिला प्रशासन ने किस आधार पर सैकड़ों रसोइया बहनों को कार्य से अलग कर दिया। उनका कहना है कि जिला स्तर पर लिया गया यह निर्णय पूरी तरह अनुचित है और इससे गरीब परिवारों की महिलाओं के सामने आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। संगठन ने बताया कि अधिकांश रसोइया बहनें आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आती हैं। उन्हें मिलने वाला मानदेय भले ही कम हो, लेकिन उसी से उनके परिवार का खर्च चलता है। अचानक काम बंद होने से अनेक परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। कई महिलाएं ऐसी हैं जिनके परिवार की आय का यही एकमात्र साधन था। रसोइया बहनों का कहना है कि यदि शासन स्तर से कोई नीति बनती और उसके तहत निर्णय लिया जाता तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं होती, लेकिन बिना किसी सरकारी आदेश के जिला स्तर पर सेवाएं समाप्त करना न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रशासन मौखिक रूप से यह कह रहा है कि उन्हें दोबारा काम पर लिया जाएगा, लेकिन अब तक किसी भी प्रकार का लिखित आदेश जारी नहीं किया गया है। केवल मौखिक आश्वासन से महिलाओं का विश्वास नहीं बन रहा है। संगठन के पदाधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि जब तक बहाली का लिखित आदेश जारी नहीं किया जाता, तब तक वे आंदोलन जारी रखेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने शीघ्र निर्णय नहीं लिया तो जिले की सभी रसोइया बहनें एकजुट होकर मध्यान्ह भोजन योजना का संचालन बंद कर देंगी। इसके बाद होने वाली किसी भी असुविधा की पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और संबंधित विभाग की होगी। ज्ञापन में एक अन्य महत्वपूर्ण मुद्दा भी उठाया गया। रसोइया बहनों का कहना है कि हर वर्ष 15 जून के बाद उनसे स्कूलों में विभिन्न प्रकार के कार्य लिए जाते हैं, लेकिन उस अवधि का उन्हें कोई मानदेय नहीं दिया जाता। जबकि वे विद्यालयों में साफ-सफाई, भोजन व्यवस्था की तैयारी और अन्य जिम्मेदारियां निभाती हैं। संगठन ने मांग की है कि जिस अवधि में उनसे कार्य लिया जाता है, उसका पूरा मानदेय भी दिया जाए।

सीएम राइज स्कूल में परिवहन सुविधा नहीं मिलने से अभिभावकों में नाराजगी, जनसुनवाई में पहुंचकर लगाई गुहार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के सीएम राइज विद्यालय लेण्डेझरी में अध्ययनरत विद्यार्थियों के अभिभावकों ने परिवहन सुविधा शुरू किए जाने की मांग को लेकर मंगलवार को जनसुनवाई में कलेक्टर के नाम आवेदन सौंपा। बड़ी संख्या में पहुंचे अभिभावकों ने बताया कि सीएम राइज स्कूल योजना के तहत आसपास के कई शासकीय विद्यालयों का विलय कर विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने का दावा किया गया था। उस समय शासन और प्रशासन की ओर से यह आश्वासन भी दिया गया था कि दूर-दराज के गांवों से आने वाले विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, लेकिन विद्यालय शुरू होने के वर्षों बाद भी यह व्यवस्था धरातल पर लागू नहीं हो सकी है। अभिभावकों का कहना है कि परिवहन सुविधा के अभाव में उन्हें प्रतिदिन अपने बच्चों को निजी वाहनों से विद्यालय भेजना पड़ रहा है, जिससे हर महीने अतिरिक्त आर्थिक भार उठाना पड़ रहा है। महंगाई के इस दौर में गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए बच्चों की पढ़ाई का खर्च वहन करना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। कई परिवार ऐसे हैं जिनकी आय सीमित है, लेकिन केवल बच्चों को स्कूल पहुंचाने और वापस लाने में ही हर महीने हजारों रुपये खर्च हो रहे हैं। जनसुनवाई में पहुंची

अभिभावक चंपा कश्यप ने बताया कि उनके बच्चे पहले गांव के समीप स्थित शासकीय विद्यालय में पढ़ाई करते थे। बाद में सीएम राइज विद्यालय योजना लागू होने पर आसपास के कई स्कूलों का विलय कर विद्यार्थियों को लेण्डेझरी स्थित विद्यालय में स्थानांतरित कर दिया गया। उस समय अधिकारियों ने भरोसा दिलाया था कि विद्यार्थियों के आवागमन के लिए बस या अन्य परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, लेकिन आज तक यह व्यवस्था शुरू नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवार होने के कारण प्रतिदिन बच्चों को निजी वाहन से भेजना उनके लिए बेहद कठिन हो गया है। अन्य अभिभावकों ने भी बताया कि विद्यालय गांव से काफी दूरी पर स्थित है। ऐसे में छोटे-छोटे बच्चों का प्रतिदिन निजी वाहनों से सफर करना न केवल महंगा साबित हो रहा है, बल्कि सुरक्षा की दृष्टि से भी चिंता का विषय है। कई बार वाहन उपलब्ध नहीं होने पर बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित होती है और उन्हें विद्यालय नहीं भेजा जा पाता। अभिभावकों का कहना है कि सरकार ने सीएम राइज विद्यालयों की स्थापना बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की थी। यदि विद्यार्थियों को विद्यालय तक पहुंचने की मूलभूत सुविधा ही उपलब्ध नहीं होगी तो योजना का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा। उनका कहना है कि शिक्षा के साथ-साथ सुरक्षित और सुलभ परिवहन व्यवस्था भी इस योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए। जनसुनवाई में दिए गए आवेदन के माध्यम से अभिभावकों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि सीएम राइज विद्यालय लेण्डेझरी में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए जल्द से जल्द स्कूल बस अथवा अन्य परिवहन सुविधा शुरू की जाए, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों की शिक्षा प्रभावित न हो और उन्हें सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके।

किसानों के हक की लड़ाई अब गांव-गांव तक पहुंचेगी,होंगे आंदोलन

भाजपा सरकार की किसान विरोधी नीतियों का होगा जोरदार विरोध-भुरू पटेल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला कांग्रेस किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष भुरू पटेल ने प्रेसविज्ञप्ति जारी कर बताया कि मध्य प्रदेश में किसानों की लगातार हो रही उपेक्षा, बढ़ती लागत, उचित समर्थन मूल्य का अभाव, खाद-बीज की समस्याएं और किसानों पर बढ़ते आर्थिक संकट के खिलाफ किसान कांग्रेस अब निर्णायक संघर्ष का बिगुल फूंक चुकी है।किसानों के हितों की लड़ाई को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से जिलेभर में किसान कांग्रेस का सशक्त संगठन तैयार किया जा रहा है। इसके तहत जिले के सभी विकासखंडों में सक्रिय एवं संघर्षशील कार्यकर्ताओं को ब्लॉक प्रभारी नियुक्त कर संगठन को गांव-गांव तक मजबूत किया जाएगा, ताकि किसानों की हर समस्या का तत्काल संज्ञान लेकर उसके समाधान के लिए आंदोलन खड़ा किया जा सके।भुरू पटेल ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि किसान की समस्या छोटी हो या बड़ी, किसान कांग्रेस हर मोर्चे पर किसानों के साथ खड़ी रहेगी। किसी भी किसान के साथ अन्याय, शोषण या प्रशासनिक लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान भाजपा सरकार की किसान विरोधी नीतियों के कारण प्रदेश का अन्नदाता लगातार संकट में है। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा, सिंचाई, बिजली, खाद और बीज जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। यदि सरकार ने किसानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया तो किसान कांग्रेस जिले से लेकर प्रदेश स्तर तक उग्र आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेगी।उन्होंने कहा कि किसान कांग्रेस का उद्देश्य केवल संगठन विस्तार नहीं, बल्कि किसानों के अधिकारों की रक्षा करना और उनकी आवाज़ को सरकार तक मजबूती से पहुंचाना है। अब जिले का प्रत्येक किसान यह महसूस करेगा कि उसकी लड़ाई लड़ने के लिए किसान कांग्रेस का संगठन पूरी ताकत के साथ उसके साथ खड़ा है।

बैहर की प्रतिष्ठित समाजसेवी ताराबाई उसराठे का 77 वर्ष की आयु में निधन

अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

पद्मेश न्यूज। बैहर। नगर की प्रतिष्ठित एवं समाजसेवी ताराबाई उसराठे का 77 वर्ष की आयु में हृदयाघात से निधन हो गया। उनके निधन का समाचार मिलते ही नगर में शोक की लहर दौड़ गई। परिजन, रिश्तेदार, पड़ोसी, समाज हितैषी, व्यापारी एवं सभी धर्मों के स्नेहीजन बड़ी संख्या में उनके निवास पहुंचे और शोक संवेदना व्यक्त की।

जानकारी के अनुसार सोमवार रात्रि लगभग 11 बजे ताराबाई उसराठे को सीने में अचानक तेज बेचैनी और दर्द महसूस हुआ। परिजनों ने तत्काल उन्हें सिविल अस्पताल बैहर पहुंचाया।जहां चिकित्सकों ने उपचार शुरू कर उन्हें बचाने का हरसंभव प्रयास किया। लेकिन रात 11ः30 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। चिकित्सकों ने उनके निधन का कारण हृदयाघात बताया।मृत्यु का समाचार मिलते ही दूर-दराज में रहने वाले उनके रिश्तेदार सुबह बैहर पहुंचे और अंतिम यात्रा में शामिल हुए। नगर के समाजसेवी, व्यापारी एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के लोगों ने अपनी दुकानें बंद रखकर उन्हें अंतिम विदाई दी। अंतिम यात्रा में सभी धर्मों एवं समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में शामिल होकर कंधा दिया। जो उनकी लोकप्रियता और सामाजिक सम्मान का प्रतीक रहा।ताराबाई उसराठे का जन्म ग्राम अंधियाटोला। लांजी में हुआ था। पति स्वर्गीय घस्सूलाल उसराठे के निधन के बाद उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी कभी हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने नवजात शिशुओं की मालिश, प्रसव कार्य, धार्मिक आयोजनों में पूजा सामग्री उपलब्ध कराने तथा शादी-विवाह सहित शुभ अवसरों के निमंत्रण घर-घर पहुंचाने जैसे पारंपरिक कार्यों को आजीविका का माध्यम बनाया। अपने अथक परिश्रम से उन्होंने अपने परिवार का पालन-पोषण किया।बच्चों को शिक्षित किया और समय पर उनके विवाह कर अपने सभी पारिवारिक दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया।परिवार में उनकी बड़ी पुत्री कमलेश 50 वर्ष अविवाहित हैं।जबकि छोटे पुत्र प्रवीण उसराठे 45 वर्ष शारीरिक रूप से दिव्यांग हैं और दोनों पैरों की कमजोरी के कारण साइकिल के सहारे चलने-फिरने को विवश हैं। जब प्रवीण ने अपनी माता के पार्थिव शरीर को मुखाग्नि दी। उस मार्मिक दृश्य को देखकर अंतिम यात्रा में उपस्थित लोगों की आंखें नम हो गईं।अंतिम संस्कार के पश्चात समाजसेवी अशोक सोनी के नेतृत्व में शोकसभा आयोजित की गई। उपस्थित लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना की और दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की।ताराबाई उसराठे का संपूर्ण जीवन संघर्ष, सेवा, परिश्रम और सामाजिक समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण रहा। उनके निधन से बैहर नगर ने एक सम्मानित एवं सेवाभावी व्यक्तित्व को खो दिया है।

राज्य अलग हुए बीत गए 26 वर्ष, अब तक नही हटाई गई बंधनकारी धारा

मप्र छग.राज्य पुर्नगठन अधिनियम 2000 की धारा 49(6) को किया जाए विलोपिते प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन ने बैठक का आयोजन कर,निकाली रैली, नारेबाजी कर सौपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पेंशनर्स एसोसिएशन की वर्षों से कई मांगे लंबित है जिन पर शासन प्रशासन द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।ऐसा आरोप लगाते हुए प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन जिला इकाई बालाघाट द्वारा वर्षो से लंबित मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्य के पुर्नगठन अधिनियम 2000 की धारा 49(6) को तत्काल हटाए जाने की मांग को लेकर को मंगलवार को नगर के कमला नेहरू हाल में एसोसिएशन की बैठक का आयोजन कर कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौंपा है।जिसमें उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य की भांति 2005 से सेवा में आए कर्मचारियों की पेंशन बहाल करने, राज्य पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 49(6) समाप्त कर महंगाई राहत व एरियस का भुगतान किए जाने, की मांग की है।जिसमें उन्होंने पेंशनरों के लिए धारा 49 को विलोपित करने की प्रमुख मांग को लेकर नगर में एक रैली निकालकर नारेबाजी कर कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है।जिंसमे उन्होंने अन्य राज्यो की भांति मप्र राज्य के पेंशनर्स कर्मचारियों को राहत पहुचाने की प्रमुख मांग की है।

दो राज्यो के बीच सहमति में फंसे पेंशनर

बैठक में पदाधिकारियो द्वारा बताया गया कि मध्यप्रदेश के पेंशनर्स, नियमित कर्मचारियों को मिल रहे महंगाई भत्ता से,काफी कम महंगाई भत्ता मिलने से परेशान है। पेंशनरों का कहना है कि इससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। जिसकी मुख्य वजह मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्य के पुर्नगठन अधिनियम 2000 की धारा 49(6) है, जिसे लंबे समय से पेंशनर, विलोपित करने की मांग कर रहे है।मंगलवार को एक बार फिर प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन ने, अधिनियम की इस धारा के कारण महंगाई भत्ता राहत में हो रहे नुकसान की ओर सरकार का ध्यानाकर्षण करवाते हुए धारा को विलोपित करने की मांग की।

26 वर्ष बीत गए अब तक नही हटाई गई धारा

पेंशनर संघ पदाधिकारियो ने बताया कि यूपी से अलग होकर बने उत्तराखंड, बिहार से अलग होकर बने झारखंड और आंध्रप्रदेश से अलग होकर बने तेलंगाना राज्य में, ऐसी कोई धारा नहीं है, केवल मध्यप्रदेश और छत्तीसग ? के बीच ही ऐसा है, जिसके कारण दोनो ही राज्यो के पेंशनरों को नुकसान हो रहा है।आज इसे 26 वर्ष हो गए बावजूद इसके भी अभी तक इस धारा को नही हटाया गया है।

इन मांगों को पूरा करने चलाया जा रहा चरणबद्ध आंदोलन

पेंशनर्स एसोसिएशन द्वारा अपनी 6 सूत्रीय मांगों को पूरा करने के लिए चरणबद्ध आंदोलन की शुरुआत की गई है जिसके दूसरे चरण के तहत संगठन द्वारा म.प्र. राज्य पुर्नगठन अधिनियम की धारा 49 (6) को अविलम्ब समाप्त करने, राज्य सरकार की घोषणा के अनुसार लागू की गई केशलेश बीमा की योजना में पेंशनर्स से कोई भी प्रीमियम नहीं लेने,पेंशनर्स को एरियर का लाभ देने ,छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट एवं अन्य न्यायालयों द्वारा दिये गये निर्देशो के तहत म.प्र.के पेंशनर्स को केन्द्र की तिथि से ही लाभ देने, इसके लिए उच्च न्यायालय द्वारा म.प्र. एवं छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिवों को निर्देश करने, कोरोनाकाल का एरियर, छटवे वेतनमान का 32 माह का एरियर एवं 7वें वेतनमान का 27 माह एरियर का भुगतान तत्काल किए जाने,एरियर का लाभ 6 प्रतिशत ब्याज की दर से देने,पूर्व में दिये गये माननीय न्यायालयीन निर्णयों को मान्य करने, 80 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर 20 प्रतिशत का लाभ दिया जाता है इसे 79 वर्ष पूर्ण होने पर यह लाभ देने,कर्मचारियों की तरह पेंशनर्स को उपादान (एक्सग्रेसिया) का भुगतान करने,पेंशनर्स की समस्याओं पर सहानुभूति पूर्वक विचार कर निराकरण करने की मांग की गई है।

धारा 49(6) की आड़ में पेंशनरों का किया जा रहा आर्थिक नुकसान- ए.एल मोहारे

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं जिला अध्यक्ष ए एल मोहारे ने बताया कि नियमित कर्मचारियो को मिलने वाली राहत भत्ते के बाद अक्सर पेंशनरों को भत्ते के लाभ दिए जाने के लिए, यह धारा बाधक बन गई है। जिससे पेंशनरो को आर्थिक नुकसान उठाना प ? रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार अक्सर राहत देने में जिस सहमति की बात करती है, पुर्नगठन अधिनियम की उक्त धारा के 6 बिंदुओं में कहीं भी हिन्दी या अंग्रेजी भाषा में सहमति का उल्लेख नहीं है।उन्होने आरोप लगाया कि शासन भी इसको लेकर माननीय न्यायालय को गुमराह करने का काम कर रहा है।उन्होंने बताया कि धारा 49(6) की आ ? में प्रदेश के पेंशनरों का आर्थिक नुकसान किया जा रहा है। उन्होंने एक बार फिर मुख्यमंत्री से मांग की कि प्रदेश के पेंशनरो के हित में उक्त धारा को विलोपित कर, पेंशनरों को राहत प्रदान करें।इसपर भी मांग पूरी ना होने पर उन्होंने 22 जुलाई को भोपाल जाकर आंदोलन करने की चेतावनी दी है।उन्होंने स्पष्ट किया कि हमें ऐसा लग रहा है कि सरकार जानबूझकर हम पेंशनर्स की उपेक्षा कर रही है।

आस-पास की खबरें

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक 3 को

पद्मेश न्यूज लालबर्रा। नगर मुख्यालय के बालाघाट रोड़ स्थित लॉन में आगामी 3 जून को ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा एवं खमरिया की संयुक्त बैठक आहुत की गई है। चर्चा में लालबर्रा ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मनीराम भोयर एवं खमरिया ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दमनसिंह राहंगडाले ने संयुक्त रूप से बताया कि आगामी 1 जुलाई दिन बुधवार को होने वाली दोनों मंडलों की बैठक बालाघाट रोड स्थित लॉन में क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे की अध्यक्षता में रखी गई थी। जिसमें जिला कांग्रेस अध्यक्ष संजय उइके, वारासिवनी विधायक विवेक पटेल, परसवाड़ा विधायक मधु भगत, पूर्व मध्यप्रदेश विधानसभा उपाध्यक्ष हिना कावरे, पूर्व सांसद बोधसिंह भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार सहित जिले के सभी वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं के आतिथ्य में दोपहर 1 बजे से रखी गई थी। किंतु विधायकगण की बैठक 1 जुलाई को भोपाल में होने के कारण अब यह बैठक उपरोक्तानुसार 3 जून को रखी गई है। आयोजित बैठक में वर्तमान भाजपा सरकार द्वारा की जा रही मनमानी, भारी भ्रष्टाचार, घोटाले, किसानों से छलावा, छात्रों से छलावा, महंगाई व कांग्रेस संगठन को मजबूती जैसे विषयों पर चर्चा व आगामी विधानसभा सत्र हेतु रणनीति तय की जायेगी। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष मनीराम भोयर एवं दमनसिंह राहंगडाले ने सभी कांग्रेसजनों, पदाधिकारियों, जिला कांग्रेस, ब्लाक कांग्रेस, मंडल कांग्रेस, नगर कांग्रेस, युवक कांग्रेस, महिला कांग्रेस, एन एस यू आई, सेवादल, जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत सदस्य, सरपंचगण, पंचगण, सभी कांग्रेस कमेटी विंग के पदाधिकारी एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है।

बाड़ी विवाद के चलते अधेड़ ने किया कीटनाशक का सेवन, हालत गंभीर

प्राथमिक उपचार कर बेहतर उपचार के लिए किया गया जिला चिकित्सालय रिफर

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 7 किमी दूर ग्राम पंचायत देवरी में बाड़ी के विवाद को लेकर एक व्यक्ति द्वारा कीटनाशक का सेवन करने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़ित को गंभीर हालत में लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय किया गया है। जिसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम देवरी निवासी 58 वर्षीय महेतलाल सोनेकर का पिछले 15 दिनों से उनके पड़ोसी रमेश ग्वालवंशी के साथ बाड़ी को लेकर विवाद चल रहा है। बताया जा रहा है कि महेतलाल और रमेश की बाड़ी एक-दूसरे से सटी हुई है, जिस पर रमेश कथित तौर पर कब्जा करने का प्रयास कर रहा है। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में लगातार तनाव बना हुआ था। मंगलवार की शाम को एक बार फिर दोनों के बीच बाड़ी को लेकर तीखी बहस और विवाद हुआ। पड़ोसी रमेश द्वारा अत्यधिक विवाद किये जाने से मानसिक तनाव में आकर महेतलाल सोनेकर ने गुस्से में कीटनाशक दवाई का सेवन कर लिया। दवाई के असर से महेतलाल कुछ ही देर में बेसुध हो गया। वहीं महेतलाल को बेसुध देख परिजन घबरा गये और उन्हें तत्काल लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने पीड़ित का प्राथमिक उपचार किया। हालांकि कीटनाशक के अत्यधिक असर और गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय रिफर कर दिया है। फिलहाल पीड़ित की हालत चिंताजनक बनी हुई है।

बेटे ने की सख्त कार्यवाही की मांग

पीड़ित का बेटा चंद्रप्रकाश सोनेकर ने बताया कि पिताजी का पड़ोसी रमेश ग्वालवंशी के साथ पिछले 15 दिनों से बाड़ी की जमीन को लेकर विवाद चल रहा है और बाड़ी में दोनों का आधा-आधा अधिकार है। मैं काम के सिलसिले में अक्सर बाहर (मशीन चलाने) रहता है, जिसके कारण उसके बुजुर्ग पिता को लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। श्री सोनेकर ने बताया कि इस आपसी विवाद को सुलझाने के लिए उन्होंने गांव के गणमान्य नागरिकों सहित सरपंच और सचिव को भी बुलाया था। लेकिन मामले को शांत कराने के बजाय सरपंच और सचिव ने विवाद को और अधिक बढ़ा दिया, जिससे दूसरे पक्ष के हौसले बुलंद हो गये। मंगलवार को मशीन चलाने बाहर गया हुआ था तभी पड़ोसी ने उनके साथ मारपीट किये होगें। जिनकी मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर पिताजी ने कीटनाशक दवाई का सेवन किये है। पुलिस प्रशासन से मांग है कि पिताजी को आत्मघाती कदम उठाने पर मजबूर करने वाले व्यक्तियों पर सख्त कार्यवाही करें।

सेवानिवृत्ति शिक्षक हीरालाल ठाकरे को दी गई विदाई

17 वर्षो तक शिक्षा विभाग में दी सेवाएं, विदाई समारोह का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 7 किमी. दूर ग्राम पंचायत नगपुरा स्थित शासकीय एकीकृत माध्यमिक स्कूल में मंगलवार को विदाई समारोह कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम स्कूल की प्रधानपाठिका श्रीमती कांता मर्सकोले, सेवानिवृत्त शिक्षक हीरालाल ठाकरे सहित अन्य शिक्षकों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया। विदाई समारोह के अवसर पर उपस्थित शिक्षकों ने सेवानिवृत्त शिक्षक हीरालाल ठाकरे का तिलकवंदन, शाल, श्रीफल एवं उपहार भेंट कर उन्हे भावभीनी विदाई दी और उनके उज्जवल भविष्य एवं सुखद जीवन की कामना की है। वहीं सेवानिवृत्त शिक्षक हीरालाल ठाकरे ने 17 वर्ष तक शासकीय स्कूल में अपनी सेवाएं देते हुए 62 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर 30 जून को सेवानिवृत्त हुए है। विदाई समारोह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानपाठिका एवं शिक्षकों ने सेवानिवृत्त शिक्षक के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि इन्होने बच्चों को हमेशा बेहतर शिक्षा प्रदान करने का कार्य किया है। वहीं सेवानिवृत्त शिक्षक हीरालाल ठाकरे ने कहा कि 17 वर्ष की नौकरी में बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने के साथ ही शासन की योजनाओं का लाभ दिलवाने का पुरा प्रयास किया गया है और सभी शिक्षकों से भी अपील है कि बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करें। इस अवसर पर शिक्षिका श्रीमती सुलोचना मालाधारे, श्रीमती द्रौपति नगपुरे, श्रीमती राजेश्वरी हरिद्वार, श्रीमती चंद्रकला बडगैया, सुरेशकुमार पटले, राजेशकुमार रहांगडाले, वेदप्रकाश चुलपार, संतोषकुमार एड़े, उत्तमप्रसाद नगपुरे, पंच दिनेश मेहरबान सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे।

झमाझम एवं रिमझिम बारिश से खरीफ फसलों को मिली संजीवनी, किसानों के खिले चेहरे

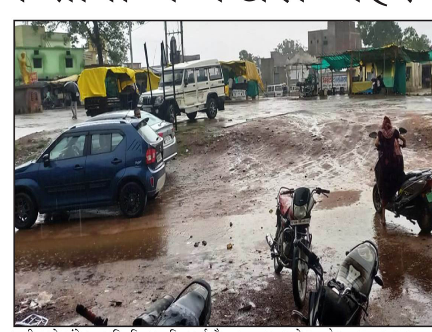

पद्मेश न्यूज लालबर्रा। पिछले कई दिनों से भीषण उमस और चिलचिलाती धूप से परेशान अन्नदाता के लिए आखिरकार मंगलवार की दोपहर राहत की फुहारें लेकर आई। क्षेत्र में करीब 3 घंटे तक हुई झमाझम और रिमझिम बारिश ने न सिर्फ लोगों को गर्मी से निजात दिलाई, बल्कि सूख रही खरीफ फसल की खार को नई संजीवनी दे दी है। इस मानसूनी बारिश से लंबे समय से आसमान की ओर टकटकी लगाये बैठे किसानों के चेहरे खुशी से खिल उठे हैं। वहीं कृषि विशेषज्ञों के अनुसार यह बारिश इस समय फसलों के लिए किसी अमृत से कम नहीं है। खेतों में बोई गई धान की खार पानी के अभाव में मुरझाने लगी थीं। कई इलाकों में तो किसानों को दोबारा बोनी (डबल बोनी) का संकट सताने लगा था। लेकिन दो घंटे की इस अनवरत बारिश ने मिट्टी में नमी लौटा दी है, जिससे अब फसलों को नया जीवन मिलेगा। वहीं किसानों ने बताया कि विगत दिवस से क्षेत्र में बारिश नही हो रही थी, जिसके कारण खरीफ फसल के लिए बोई गई खार मुरझाने लगी थी और पुन: बोनी की तैयारी में कुछ किसान जुट रहे थे। लेकिन मंगलवार को दोपहर बाद से लेकर शाम तकजिसमें एक घंटे तक झमाझम एवं करीब दो घंटे तक रिमझिम बारिश हुई है जिससे खार को नई संजीवनी मिली है। साथ ही हमने तो उम्मीद छोड़ चुके थे। लग रहा था कि इस बार पूरी लागत डूब जायेगी। लेकिन आज की बारिश ने हमारी फसलों को बचा लिया। अब खेतों में रौनक लौट आयेगी।

उमस से मिली राहत, मौसम हुआ सुहाना

पिछले एक हफ्ते से तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही थी और उमस के कारण आम जनजीवन बेहाल था। मंगलवार सुबह से ही तीखी धूप थी, लेकिन दोपहर होते-होते अचानक मौसम का मिजाज बदला और घने बादल छा गये। इसके बाद शुरू हुआ झमाझम बारिश एक घंटे और रिमझिम बारिश का दौर करीब दो घंटे तक जारी रहा। बारिश के बाद ठंडी हवाएं चलने से मौसम सुहावना हो गया और तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई। वहीं बारिश की बूंदें गिरते ही कृषि प्रधान क्षेत्रों में हलचल तेज हो गई है। किसान अपने ट्रैक्टर और कृषि उपकरण लेकर खेतों की ओर रूख करने लगे हैं। जिन किसानों ने अब तक बोनी नहीं की थी, वे भी अब तेजी से तैयारियों में जुट गये हैं। वहीं खाद-बीज की दुकानों पर भी किसानों की रौनक अचानक बढ़ गई है। किसानों को उम्मीद है कि अब अच्छी बारिश होगी।

सीईओं चंदरसिंह मंडलोई सहित तीन कर्मचारियों को दी गई विदाई

जनपद में विदाई समारोह का समारोहपूर्वक हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के सीईओं चंदरसिंह मंडलोई का झाबुआ, पीसीईओं खिलेन्द्र सोनवंशी का परसवाड़ा स्थानांतरण होने एवं जनपद के प्रकोष्ठ प्रभारी एसआर नगपुरे, पाथरी सचिव शंकरलाल माते के सेवानिवृत्त होने पर जनपद पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में जनपद के अधिकारी-कर्मचारी एवं सचिवों के द्वारा मंगलवार को विदाई समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जनपद सीईओं चंदरसिंह मंडलोई सहित अन्य कर्मचारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया। विदाई समारोह के अवसर पर जनपद पंचायत लालबर्रा के सीईओं चंदरसिंह मंडलोई ,पीसीईओं खिलेन्द्र सोनवंशी एवं सेवानिवृत्त जनपद के प्रकोष्ठ प्रभारी एसआर नगपुरे, पाथरी सचिव शंकरलाल माते का उपस्थित कर्मचारियों ने तिलकवंदन, शाल, श्रीफल एवं उपहार भेंट कर उनके उ'जवल भविष्य और सुखद जीवन की कामना की गई। वहीं कर्मचारियों ने स्थानांरित हुए अधिकारी एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के कार्यकाल की सराहना करते हुए सीईओं श्री मंडलोई और पीसीईओं खिलेन्द्र सोनवंशी के नये कार्यस्थल पर उत्कृष्ट कार्य करने हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की है। आपकों बता दे कि जनपद सीईओं चंदरसिंह मंडलोई ने लालबर्रा जनपद पंचायत में 3 वर्ष तक सराहनीय सेवाएं दी है। अब उनका स्थानांतरण झाबुआ हो गया है। पीसीईओं खिलेन्द्र सोनवंशी ने लालबर्रा जनपद में 21 वर्ष तक अपनी सेवाएं दी है। जिनका स्थानांतरण परसवाड़ा हुआ है। वहीं प्रकोष्ठ प्रभारी एसआर नगपुरे ने 35 साल की दीर्घकालिक सेवा देने के बाद 62 वर्ष की आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए है। सचिव शंकरलाल माते पाथरी सचिव पद से अपनी शासकीय सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए है। साथ ही तीनों कर्मचारियों का कार्यकाल बेहतर शानदार रहा है। उन्होने हमेशा शासकीय योजनाओं का जमीनी स्तर पर बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित कर पात्र हितग्राहियों को लाभांवित किया है। इस अवसर पर एपीओं रूपेश इवने, सहायक यंत्री मिनाक्षी नागेश्वर, लेखापाल श्री श्रीवास्तव सहित अन्य कर्मचारी-अधिकारी, पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायक उपस्थित रहे।

आपसी समन्वय से करें काम - सीईओं मंडलोई

विदाई समारोह को संबोधित करते हुए निवर्तमान सीईओ चंदरसिंह मंडलोई ने कहा कि शासकीय सेवा में स्थानांतरण एक निरंतर प्रक्रिया है। लालबर्रा में सभी अधिकारी-कर्मचारियों के साथ मिलकर काम करने का अनुभव बेहद सुखद और यादगार रहा। उन्होंने अपील की कि सभी कर्मचारी भविष्य में भी इसी तरह आपसी समन्वय बनाकर काम करें, ताकि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के पात्र व्यक्ति तक पहुंचे सके।

नगपुरा में शासकीय रास्ते से जेसीबी से हटाया गया अतिक्रमण

पद्मेश न्यूज लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 7 किमी. दूर ग्राम पंचायत नगपुरा में मंगलवार को राजस्व एवं पुलिस विभाग के अमले ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए शासकीय भूमि पर किये गये अवैध अतिक्रमण को जमींदोज कर दिया। यह कार्यवाही जेसीबी मशीन के माध्यम से की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगपुरा निवासी रघु मेश्राम ने तहसील न्यायालय में शिकायत दर्ज करवाई थी कि शिव मंदिर के समीप स्थित शासकीय भूमि और आम रास्ते पर दशाराम सोनवाने द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया है। इस अतिक्रमण के कारण ग्रामीणों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए तहसील कार्यालय द्वारा पूर्व में ही अतिक्रमण हटाने के निर्देश जारी किये गये थे। मंगलवार को दोपहर नायब तहसीलदार कन्हैयालाल टेकाम, पुलिस बल और राजस्व अमले के साथ मौके पर पहुंचे। प्रशासन ने जेसीबी मशीन की मदद से शासकीय भूमि रास्ते पर किये गये क'चें अतिक्रमण को पूरी तरह से हटाकर शासकीय भूमि को मुक्त करवाया गया। इस पूरी कार्यवाही दौरान राजस्व विभाग, पुलिस प्रशासन और ग्राम पंचायत के कर्मचारी उपस्थित रहे।

रुसिया कृषि केंद्र पर प्रशासन का छापा

दुकान से एक्सपायरी दवा जब्त, गोदाम की भी हुई बारीकी से जांच

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खरीफ सीजन की शुरुआत होते ही किसानों के साथ होने वाली धोखाधड़ी और नकली अमानक कृषि आदानों खाद, बीज, दवा की बिक्री को रोकने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। जिला कलेक्टर के कड़े निर्देशों के बाद २९ जून को वारासिवनी नगर के व्यस्ततम गोलीबारी चौक मार्ग पर स्थित रुसिया कृषि केंद्र पर प्रशासनिक अमले ने औचक दबिश दी। इस कार्यवाही से क्षेत्र के कृषि व्यवसायियों में हड़कंप मच गया है।

दुकान में मिलीं एक्सपायरी दवाइयां प्रशासन सख्त

अनुविभागीय अधिकारी कार्तिकेय जायसवाल के नेतृत्व में राजस्व और कृषि विभाग की संयुक्त टीम ने शाम को रुसिया कृषि केंद्र पर छापा मारा। निरीक्षण के दौरान टीम को दुकान के स्टॉक में कई ऐसे कीटनाशक और कृषि दवाइयां मिलीं जिनकी एक्सपायरी डेट निकल चुकी थी। खरीफ सीजन में अनजाने में यदि किसान इन दवाइयों का उपयोग अपनी फसलों पर कर देते तो ना सिर्फ फसल बर्बाद होती बल्कि किसानों के स्वास्थ्य पर भी इसका गंभीर विपरीत असर पड़ सकता था। प्रशासन ने इसे गंभीर अनियमितता मानते हुए तत्काल प्रभाव से सभी एक्सपायरी कीटनाशकों को जब्त कर लिया है। वहीं इस जांच में अधिकारियों के द्वारा दुकान और गोदाम में उपलब्ध धान के विभिन्न किस्मों के बीजों की गुणवत्ता। विभिन्न कीटनाशकों और उर्वरकों के स्टॉक पंजी रजिस्टर का मिलान।

व्यवसायिक लाइसेंस एवं अन्य महत्वपूर्ण वैधानिक दस्तावेजों का परीक्षण किया गया।

दुकान के बाद लालबर्रा रोड़ स्थित गोदाम पर भी जांच

दुकान से भारी मात्रा में एक्सपायरी दवाइयां प्राप्त होने के बाद प्रशासनिक टीम ने कार्यवाही का दायरा बढ़ाते हुए व्यापारी के लालबर्रा रोड़ स्थित गोदाम पर भी औचक दबिश दी। अधिकारियों के द्वारा गोदाम की भी बेहद बारीकी से जांच की गई जहां रखे गए खाद, बीज और दवाओं की एक्सपायरी डेट को खंगाला गया। हालांकि इस कार्यवाही के दौरान गोदाम में मौजूद स्टॉक की सटीक जानकारी दस्तावेज या विवरण उपलब्ध नहीं हो पाई। इसके संबंध में प्रशासन के द्वारा जांच की प्रक्रिया लगातार जारी है। यह पूरी सघन जांच करीब दो घंटे से भी अधिक समय तक चली।

मुनाफे के चक्कर में किसानों से धोखाधड़ी पर रोक

रूसिया कृषि केंद्र और उसके गोदाम पर चली इस कार्यवाही के बाद वारासिवनी और आसपास के कृषि आदान विक्रेताओं में हड़कंप का माहौल है। प्रशासन ने साफ संकेत दिए हैं कि यह महज शुरुआत है। आने वाले दिनों में क्षेत्र की अन्य कृषि दुकानों और गोदामों में भी इसी तरह के औचक निरीक्षण किए जाएंगे। यदि कहीं भी अनियमितता या अमानक सामग्री पाई गईए तो दुकान संचालकों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी। क्योंकि वर्तमान में खरीफ का सीजन चालू हो चुका है। किसान अपनी गाढ़ी कमाई से बाजारों से महंगे दामों पर अच्छे बीज और दवाएं खरीदते हैं। ऐसे में कम समय में ज्यादा मुनाफा कमाने के चक्कर में कुछ दुकानदार नकली अमानक या एक्सपायरी खाद बीज और दवाइयां बेचने से बाज नहीं आते। प्रशासन की इस कार्यवाही का मुख्य उद्देश्य कृषि आदानों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना और अन्नदाता को ठगी से बचाना है। इस कार्यवाही में कार्तिकेय जायसवाल अनुविभागीय अधिकारी, सुरेश उपाध्याय नायाब तहसीलदार, श्रीमती प्रतिभा टेंभरे वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सहित कृषि विभाग के अन्य ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी मौजूद रहे।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर बताया कि किसानों के स्वास्थ्य और फसलों की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिला कलेक्टर के निर्देश एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल के नेतृत्व में रूसिया कृषि केंद्र का अचित निरीक्षण किया गया। जहां पर एक्सपायरी दवाई प्राप्त हुई जिसकी दुकान और गोदाम दोनों की बारीकी से जांच की गई है। दस्तावेज जांच अभी चल रही है उक्त जांच में जो भी तथ्य आगे आएंगे उस आधार पर कार्यवाही की जायेगी।

श्रीमती प्रतिभा टेंभरे
वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी
वारासिवनी

समारोह पूर्वक हुआ जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर पालिका परिषद के द्वारा प्रदेश शासन के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान का मंगलवार को समारोह पूर्वक समापन किया गया। यह अभियान प्रदेश के मुख्यमंत्री के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में १९ मार्च से प्रारंभ होकर ३० जून २०२६ तक संचालित किया गया। अभियान का उद्देश्य जनसहभागिता एवं विभिन्न विभागों के समन्वय से जल संरक्षण, भू.जल संवर्धन, जल स्त्रोतों का संरक्षण एवं पुनर्जीवन, जल गुणवत्ता सुधार, जल प्रदूषण में कमी तथा वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना था। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्य प्रकाश ऊके ने बताया कि अभियान के दौरान शासन के द्वारा नगरीय निकायों को अमृत २.०अंतर्गत जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार, नालों एवं नदियों में मिलने वाले अपशिष्ट जल के शोधन की कार्ययोजना, तालाबों, नदियों एवं बावड़ियों के संरक्षण एवं अतिक्रमण मुक्त कराने, नाले नालियों की सफ ाई एवं सौंदर्यीकरण, वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित करने तथा हरित क्षेत्र विकसित करने सहित विभिन्न निर्देश प्रदान किए गए थे। निर्देशों के अनुरूप नगर पालिका के द्वारा दैनिक गतिविधि कैलेंडर तैयार कर नियमित रूप से वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की स्थापना, पाइपलाइन लीकेज सुधार, सार्वजनिक कुओं की मरम्मत, सफाई एवं रंगाई.पुताई, हैंडपंप मरम्मत तथा व्यापक स्वच्छता अभियान संचालित किया गया। इसके अतिरिक्त वार्ड क्रमांक ८ स्थित चंदौरी टाकी तालाब का गहरीकरण, सौंदर्यीकरण, पिचिंग एवं बाउंड्रीवाल निर्माण कार्य तथा वार्ड क्रमांक ९ स्थित आमा बोड़ी तालाब का गहरीकरण एवं पिचिंग कार्य भी पूर्ण कराया गया। शासन के निर्देशानुसार ३० जून को अभियान के समापन अवसर पर प्रातः ८.३० बजे स्थानीय शंकर तालाब में जनप्रतिनिधियों सामाजिक संगठनों स्वयंसेवी संस्थाओं एवं नागरिकों की सहभागिता से वृहद स्वच्छता श्रमदान किया गया। इस दौरान तालाब से झिल्ली, पन्नी, कचरा एवं गाद की सफाई कर जल संरक्षण का संदेश दिया गया तथा उपस्थित सभी नागरिकों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। अभियान का मुख्य समापन समारोह दोपहर ३ बजे आयोजित किया गया। जिसमें पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे, समस्त पार्षदगण, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करते हुए उपस्थित सभी नागरिकों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई तथा जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु निरंतर जनसहभागिता बनाए रखने का आह्वान किया। समापन अवसर पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ,नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरें ,धर्मेश धर्मु जोशी,योगेंद्र मोनू लिमजे ,प्रवीण रूसिया ,शैलेन्द्र सेठी ,मनोज दांदरें ,संतोष आडे , अमित येरपुडे ,सूर्य प्रकाश ऊके ,श्रीमती आंशिक सिंह चौहान सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

नपा जनता दरबार में नागरिको ने किया अपनी समस्याओं का समाधान

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। नपा परिषद में मंगलवार को जनता दरबार में बरसते पानी में भी आमजन ने पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, नपा अध्यक्ष सरिता मनोज दांदरे, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके के समक्ष गंभीरता से अपनी समस्याओं को रखा। जिस पर त्वरित में समाधान किया, वहीं बडी समस्याओं के संदर्भ में प्रक्रिया शुरू करायी गयी। नपा परिषद ने आरडीएसएस योजना के तहत जय स्तंभ चौक में फीडर में विद्यूत मंडल के द्वारा ११ केवी लाईन के लिये लगाये जा रहे विद्यूत पोल की समीक्षा की। जिस पर सहायक यंत्री राहुल तुरकर को बुलाकर नपा ने अपनी सड़क चौडीकरण की योजना की जानकारी देकर इन पोलो के स्थल को परिवर्तीत करने का निर्णय सुनाया। जिस पर सामुहिक निर्णय में सड़क किनारे लगे हुये लगभग ४० पोलो के स्थल का मुआयना कर आवश्यकता पड़ने पर इन पोलो को निर्धारित सड़क से पर्याप्त दूरी पर पुन: लगाने का निर्णय लिया गया। जिसमें स्थल निरिक्षण के लिये सहायक यंत्री और नपा के उपयंत्री की टीम भी गठित कर दी गयी। इसी तरह वार्ड ४ के वंदना सदन से ग्रहयोग तक की गली के विवाद में नपा ने अपर न्यायालय के द्वारा नपा परिषद से मांगे गये पक्ष को न्यायालय में रखकर न्यायालय के निर्णय का सम्मान करने का निर्णय लिया। गौरतलब है की इस विषय को लेकर सुरेश दिक्षीत व अरविंद तिवारी दोनो अपने अपने पक्ष को सही करार दे रहे है। इसी तरह चौपाटी के व्यवसायीयों ने आकर नपा परिषद से निवेदन किया की बरसात के मौसम को देखते हुये बाजार ठेकेदार को चार माह के लिये कम राशि लेने का आदेश प्रदान किया जाये। साथ ही पानी निकासी के लिये पर्याप्त व्यवस्था भी की जायें। जिस पर नपा परिषद ने तत्काल बाजार ठेकेदार को आदेशित कर चौपाटी के ठेले वालो से कम राशि लेने का जंहा निर्णय सुनाया। वहीं नाली व्यवस्था के लिये उपयंत्री को स्थल निरिक्षण करने का आदेश जारी कर दिया। जनता दरबार में पूर्व विधायक के डी के निवास से आंबेडकर चौक तक नाली की सफाई जैसे अनेको विषयो पर भी गंभीरता दिखाकर नपा परिषद ने अपने अमले को सजग कर दिया। वहीं वार्ड पार्षद प्रतिनिधि लोकेश ठाकरे के आवेदन मोक्षधाम के पास हनुमान मंदिर के निकट मीनी गार्डन के सौदर्यीकरण के विषय को नपा परिषद ने गंभीरता से लेकर अपनी सजगता का परिचय कराया है।

खैरलांजी में पानी के लिए मची त्राहि-त्राहि

भूजल स्तर पाताल में खैरी नदी से योजना जोड़ने की मांग तेज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खैरलांजी में इन दिनों पानी की भारी किल्लत बनी हुई है। भीषण गर्मी और गिरते भूजल स्तर ने ग्रामीणों के सामने जीवन मरण का संकट खड़ा कर दिया है। स्थिति इतनी विकराल हो चुकी है कि दैनिक कार्यों के लिए पानी जुटाना ग्रामीणों के लिए एक जंग जैसा हो गया है। शासन प्रशासन की सुस्ती को लेकर अब ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

आधा सूखा आधा बंद नल.जल योजना पड़ीं कमजोर

वर्तमान में ग्राम पंचायत में दो नल जल योजनाएं संचालित हैं लेकिन वे भी ग्राम की प्यास बुझाने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रही हैं। दो में से केवल एक योजना किसी तरह पानी दे पा रही है जबकि दूसरी योजना के माध्यम से खैरलांजी बस्ती में एक दिन छोड़कर अल्टरनेट डे पानी का वितरण हो रहा है। जानकारों के मुताबिक क्षेत्र का वॉटर लेवल १५० फीट से भी नीचे चला गया है जिसके कारण इन योजनाओं के स्त्रोत सूखने कगार पर हैं। खैरलांजी में पारंपरिक जल स्त्रोतों की स्थिति भी बद से बदतर हो चुकी है। ग्राम के विभिन्न रिहाइशी इलाकों में करीब एक सैकड़ा सरकारी हैंडपंप स्थापित हैं लेकिन आज इनमें से अधिकांश शोपीस बनकर रह गए हैं। कई हैंडपंपों को घंटों चलाने के बाद भी पानी की एक बूंद नसीब नहीं होती वे सिर्फ हवा उगल रहे हैं। जिन कुछ हैंडपंपों में थोड़ा बहुत पानी बचा भी है वहां से लाल और जंग युक्त दूषित पानी निकल रहा है जो स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है। इसके अलावा ग्रामीणों के निजी ट्यूबवेल और कुएं भी पूरी तरह जवाब दे चुके हैं। ग्रामीणों का कहना है कि वे इस समस्या को लेकर कई बार शासन प्रशासन के चक्कर काट चुके हैं लेकिन अधिकारियों ने इस गंभीर विषय को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। हालांकि प्रशासन द्वारा एक और नई नल जल योजना स्वीकृत की गई है परंतु धरातल पर अभी तक कोई सार्थक कदम नहीं उठाए गए हैं। हमारी मांग की है कि खैरलांजी की नल जल योजना को तत्काल खैरी नदी से जोड़ा जाए। यदि इस योजना को नदी आधारित सरफेस वॉटर सोर्स बना दिया जाए तो भूजल स्तर पर निर्भरता खत्म होगी और ग्रामीणों को बारहमासी शुद्ध पेयजल मिल सकेगा। इस विकट परिस्थिति में ग्राम पंचायत अपने स्तर पर व्यवस्था बनाने का प्रयास कर रही है लेकिन सीमित संसाधनों के कारण कोई ठोस परिणाम निकलकर सामने नहीं आ पा रहे हैं। अब ग्रामीणों की उम्मीदें आने वाले मानसून पर टिकी हैं ताकि जलस्तर में कुछ सुधार हो सके। लेकिन वर्तमान में पर्याप्त और शुद्ध पेयजल न मिलने से पूरी पंचायत में हाहाकार मचा हुआ है।

जलस्तर बहुत नीचे चले जाने के कारण पानी की किल्लत बनी हुई है-रोहित मोहारे

रोहित मोहारे ने बताया की मैं वार्ड नम्बर १४ से पंच हूँ हमारे यहां नलजल योजना चल रही है। एक दिन के बाद पानी आता है पर्याप्त तो मिलता नहीं है परंतु अच्छे से मिल जाता है। बाकी पानी की व्यवस्था इधर उधर से हम कर लेते हैं हैंडपंप तो हमारे यहां बस्ती में चलते नहीं है पूरे खैरलांजी में बहुत सारे हैंडपंप है। बाहर के हैंडपंप चालू है बस्ती के बंद है जलस्तर बहुत नीचे चले गया है गहराई में जाने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हो गई है कि पानी की किल्लत बहुत है। पूरे खैरलांजी में यह स्थिति बनी हुई है पंचायत भी लगातार प्रयास कर रही है अभी नल जल योजना की एक और टंकी बन रही है। इस पर हमने जिला कलेक्टर को खैरी नदी से योजना को जोड़ने के लिए भी कहा था। पीएचई वाले आते हैं १०० फ ीट तक वह पाइप डालते हैं भूजल उससे भी नीचे चले गया है इस कारण हैंडपंप बंद है पानी की बड़ी समस्या है।

पानी की व्यवस्था दुर करने यहां वहां भटक रहे है- बुधराम बहेटवार

बुधराम बहेटवार ने बताया कि मैं वार्ड नंबर १२ से पंच हूं हमारे यहां पानी नहीं मिल रहा है बहुत दिक्कत है। एक दिन के बाद पानी आता है थोड़ा थोड़ा करके हम चला रहे हैं पानी की व्यवस्था करने के लिए हम यहां वहां भटक रहे हैं। दूर दराज से पानी लाकर जीवन चला रहे हैं पंचायत को भी हमने कई बार कहा है अधिकारियों को भी कहा है। पंचायत ने अभी एक नलजल योजना में नया बोर करवाया है उसके पहले योजना बंद थी तो अभी उस माध्यम से पानी मिल रहा है। हैंडपंप से तो खराब पानी आता है कुछ हैंडपंप बंद है कुछ अच्छा पानी देते हैं बहुत ज्यादा दिक्कत है। पानी की व्यवस्था बनाई जानी चाहिए चार पांच वर्षों से किल्लत थी परंतु इस वर्ष बहुत ज्यादा किल्लत हो गई है।

खमरिया में परमात्मा एक सेवा मंडल के त्रैमासिक चर्चा बैठक कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। कटंगी विधायक गौरव सिंह पारधी ने गत रात्रि ग्राम खमरिया में परमात्मा एक सेवा मंडल द्वारा आयोजित त्रैमासिक चर्चा बैठक एवं धार्मिक समारोह में सहभागिता कर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर विधायक ने उपस्थित सेवक सेविकाओं एवं आयोजन समिति के सदस्यों से आत्मीय मुलाकात कर उनका अभिवादन किया।

व्यसन मुक्ति और सत्य का संदेश देता है यह मार्ग-गौरव सिंह पारधी

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा कि परमात्मा एक मार्ग के मार्गदर्शक समय समय पर सेवकों को सही दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि यह मार्ग सत्य और व्यसनमुक्त जीवन की प्रेरणा देने वाला है। ऐसे आयोजन समाज में भाईचारे, सेवा भावना और आध्यात्मिक चेतना को मजबूत करने का कार्य करते हैं। विधायक ने आयोजन समिति की सराहना करते हुए सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं।

महाराष्ट्र सहित बड़ी संख्या में पहुंचे सेवक

कार्यक्रम में क्षेत्र सहित महाराष्ट्र राज्य से बड़ी संख्या में सेवक सेविकाएं उपस्थित रहे। इस दौरान सेवकों के जीवन में आए अनुभवों पर चर्चा की गई तथा मार्ग के विभिन्न विषयों पर विचार विमर्श किया गया। विधायक ने सभी के सुख.समृद्धि एवं क्षेत्र की निरंतर उन्नति की कामना की। इस दौरान महेंद्र सिंह गुरूबेले,टी के पराते, रामेश्वर जोगी, तापेश्वर वैद्य, सिंदेकर,मारोतराव राउत, भैयालाल हलमारे,संतोष चौधरी, ओमप्रकाश सूर्यवंशी, रणजीत ठवकर, फुलेंद्र बनकर, जियालाल टांडेकर, गंगाधर दिखाते, नरेश पराते, भुवनलाल कुर्बेती, राहुल भूरे सहित परमात्मा एक सेवा मंडल के सभी सेवक सेविकाओं की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

मर्यादा के मंदिर में पारदर्शिता की घंटी कब बजेगी?

राम भारतीय मानस में केवल एक नाम नहीं, बल्कि मर्यादा का पर्याय हैं। इसलिए जब उनके नाम से जुड़ी किसी संस्था, ट्रस्ट या व्यवस्था पर वित्तीय अनियमितताओं, कथित गबन या अपारदर्शिता के आरोपों की चर्चा होती है, तब चोट केवल कानून को नहीं लगती है। यह घाव समाज की आत्मा पर पड़ता है। ईंट-पत्थर से बने मंदिरों की मरम्मत संभव है, लेकिन टूटे हुए विश्वास का पुनर्निर्माण सबसे कठिन कार्य है। इतना ही नहीं विडंबना यह है कि इस देश में धर्म की रक्षा के नाम पर अक्सर धर्म के मूल तत्व सत्य, ईमानदारी और उत्तरदायित्व को ही सबसे पहले किनारे रख दिया जाता है। प्रश्न पूछने वाले को संदेह की निगाह से देखा जाता है, जबकि हिसाब देने वाले से कोई प्रश्न नहीं किया जाता। मानो श्रद्धा का अर्थ विवेक का परित्याग हो। यह वही समाज है जो दान-पात्र में नोट डालते समय आँखें बंद कर लेता है और बाद में खुलासों पर आँखें मलता रह जाता है। कबीर ने लिखा था कि, 卐राम नाम की लूट है, लूट सके तो लूट।卐 उनका आशय भक्ति की उस अमूल्य संपदा से था जिसे हर कोई बिना मूल्य प्राप्त कर सकता है। लेकिन समय ने इस पंक्ति का ऐसा विडंबनापूर्ण रूप गढ़ दिया है कि अब कई बार यह प्रश्न उठने लगता है। क्या कहीं राम साधना का नहीं, साधन का नाम बनते जा रहे हैं? क्या आस्था की छाया में जवाबदेही का सूर्य अस्त हो जाता है? ऐसे में यदि राम मंदिर या उससे जुड़े किसी ट्रस्ट के संदर्भ में वित्तीय गड़बड़ियों या कथित गबन की बातें सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनती हैं, तो सबसे पहली अपेक्षा निष्पक्ष जांच और पूर्ण पारदर्शिता की होनी चाहिए। जो संस्था स्वयं को नैतिक आदर्शों का प्रतिनिधि मानती है, उसे सामान्य संस्थाओं से कहीं अधिक कठोर सार्वजनिक परीक्षण स्वीकार करना चाहिए। यदि सब कुछ सही है तो जांच से प्रतिष्ठा बढ़ेगी; यदि नहीं, तो सुधार का मार्ग खुलेगा। दोनों ही स्थितियों में सत्य का लाभ होगा। सबसे बड़ा व्यंग्य यह है कि भगवान राम ने राजपाट त्यागकर मर्यादा बचाई थी, लेकिन आज कहीं-कहीं मर्यादा को त्यागकर प्रतिष्ठान बचाने की बेचैनी दिखाई देती है। राम ने न्याय के लिए अपने निजी सुखों का बलिदान दिया था, जबकि आधुनिक समय में कुछ लोग न्याय से बचने के लिए राम के नाम का सहारा खोजते दिखाई देते हैं। यह विरोधाभास केवल हास्यास्पद नहीं, गहरी नैतिक विफलता का संकेत है। समाज का एक हिस्सा हर आरोप को बिना जांच अंतिम सत्य मान लेता है और दूसरा हर आरोप को बिना जांच षड्यंत्र कहकर खारिज कर देता है। दोनों प्रवृत्तियाँ लोकतांत्रिक चेतना को कमजोर करती हैं। न अंधविश्वास स्वस्थ है, न अंध-अविश्वास। आवश्यकता तथ्यों, स्वतंत्र जांच और सार्वजनिक जवाबदेही की है। कानून और नैतिकता दोनों का सम्मान तभी संभव है जब भावनाएँ प्रमाणों का स्थान न ले लें। आज हमारी सबसे बड़ी समस्या भ्रष्टाचार से भी अधिक चयनात्मक नैतिकता है। यदि आरोप किसी विरोधी पर हों तो हम न्याय की माँग करते हैं, और यदि वही प्रश्न अपने प्रिय पक्ष पर उठे तो उसे आस्था पर हमला घोषित कर देते हैं। सिद्धांतों का मूल्य तभी है जब वे व्यक्ति, दल, विचारधारा और संस्था से ऊपर खड़े रह सकें। अन्यथा नैतिकता केवल भाषणों की सजावट बनकर रह जाती है। राम का नाम किसी आर्थिक लेन-देन की ढाल नहीं बन सकता। वह तो स्वयं सत्य की कसौटी है। यदि किसी ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं के विश्वास और दान का दुरुपयोग किया हो, तो वह केवल वित्तीय अपराध नहीं बल्कि नैतिक विश्वासघात भी होगा।

आर्थिक स्वार्थ और वैश्विक उत्तरदायित्व के बीच संतुलन स्थापित करना होगा

वैश्विक स्तर पर दुनियाँ बदल रही है। कभी अंतरराष्ट्रीय राजनीति का आधार विचारधारा नैतिकता, लोकतंत्र मानवाधिकार या वैश्विक सहयोग को माना जाता था, लेकिन आज विश्व व्यवस्था का वास्तविक केंद्र आर्थिक हित बन चुका है। अब देशों के निर्णय इस बात से कम प्रभावित होते हैं कि क्या सही है और क्या गलत, बल्कि इस बात से अधिक तय होते हैं कि क्या लाभदायक है और क्या नुकसानदायक। यही कारण है कि वैश्विक सहयोग की जगह प्रतिस्पर्धा, साझेदारी की जगह रणनीतिक सौदेबाज़ी और एकजुटता की जगह गुटबाज़ी का वातावरण लगातार मजबूत होता दिखाई दे रहा है। भारत के प्रधानमंत्री द्वारा यह कहा जाना कि आज दुनिया में आर्थिक स्वार्थ वाली राजनीति हो रही है वास्तव में आधुनिक विश्व राजनीति की सबसे सटीक व्याख्या प्रतीत होती है। यह केवल एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं, बल्कि वर्तमान वैश्विक व्यवस्था की वास्तविकता का प्रतिबिंब है। यदि आज दुनियाँ की प्रमुख घटनाओं पर नज़र डाली जाए तो स्पष्ट दिखाई देता है कि लगभग हर बड़ी शक्ति अपनी विदेश नीति, कूटनीति, सैन्य रणनीति और व्यापारिक संबंधों को आर्थिक लाभ के चश्मे से देख रही है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इस प्रवृत्ति का सबसे बड़ा उदाहरण 2022 से जारी रूस-यूक्रेन वह लंबे समय से चलने वाला ईरान अमेरिका इजरायल युद्ध है। सतह पर इसे लोकतंत्र और संप्रभुता की रक्षा का संघर्ष बताया जाता है,लेकिन इसके पीछे ऊर्जा संसाधनों, हथियारों के बाजार, भू-राजनीतिक प्रभाव और वैश्विक शक्ति संतुलन की जटिल प्रतिस्पर्धा भी मौजूद है। यूरोप की ऊर्जा निर्भरता, अमेरिका के रणनीतिक हित और रूस की संसाधन-आधारित शक्ति इस संघर्ष को केवल सैन्य युद्ध नहीं बल्कि आर्थिक वर्चस्व की लड़ाई भी बनाते हैं। इस युद्ध ने यह स्पष्ट कर दिया कि आधुनिक दुनिया में युद्ध केवल सीमाओं के लिए नहीं, बल्कि बाजारों, संसाधनों और प्रभाव क्षेत्रों के लिए भी लड़े जाते हैं। साथियो, अमेरिका की अमेरिका फर्स्ट नीति इस आर्थिक राष्ट्रवाद का सबसे स्पष्ट उदाहरण रही है। चाहे चीन पर भारी टैरिफ लगाना हो, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को पुनर्गठित करना हो या घरेलू उद्योगों को संरक्षण देना हो, हर कदम का उद्देश्य अमेरिकी आर्थिक शक्ति को मजबूत करना रहा है। बदलते प्रशासन के बावजूद मूल नीति यही बनी रही कि राष्ट्रीय हित और आर्थिक सुरक्षा सर्वोपरि हैं। आज तकनीक, व्यापार और निवेश के क्षेत्र में अमेरिका की अधिकांश रणनीतियाँ इसी सोच को प्रतिबिंबित करती हैं। साथियों,

दूसरी ओर चीन ने आर्थिक विस्तार को अपनी वैश्विक शक्ति का प्रमुख आधार बनाया है। एशिया, अफ्रीका और यूरोप में विशाल निवेश परियोजनाओं के माध्यम से उसने न केवल नए बाजारों तक पहुंच बनाई बल्कि अपने राजनीतिक प्रभाव का भी विस्तार किया। चीन की रणनीति यह दर्शाती है कि आधुनिक युग में आर्थिक ताकत ही राजनीतिक ताकत का सबसे बड़ा स्रोत बन चुकी है। समुद्री मार्गों, खनिज संसाधनों और उन्नत तकनीकों पर नियंत्रण की उसकी कोशिशें इसी दीर्घकालिक ेच का हिस्सा हैं। साथियों, यूरोप स्वयं को मानवाधिकार, लोकतंत्र और पर्यावरण संरक्षण का समर्थक बताता है, लेकिन आर्थिक हितों के सामने उसके आदर्श भी कई बार चुनौती का सामना करते हैं। वर्षों तक रूस की सस्ती गैस पर निर्भर रहना इसका प्रमुख उदाहरण है। यूक्रेन युद्ध के बाद ऊर्जा संकट ने यह दिखा दिया कि नैतिक सिद्धांत और आर्थिक आवश्यकताएँ अक्सर एक- दूसरे से टकराती हैं। यही कारण है कि आज यूरोप को अपनी नीतियों में संतुलन साधने की कठिन चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। साथियो, रूस की राजनीति भी आर्थिक संसाधनों के इर्द-गिर्द घूमती दिखाई देती है। तेल, गैस, खनिज और हथियार उद्योग उसकी वैश्विक शक्ति के प्रमुख स्तंभ हैं। ऊर्जा आपूर्ति को कूटनीतिक हथियार के रूप में उपयोग करने की उसकी रणनीति ने यह साबित किया है कि प्राकृतिक संसाधन आज भी अंतरराष्ट्रीय राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। आधुनिक विश्व में ऊर्जा सुरक्षा उतनी ही महत्वपूर्ण हो गई है जितनी कभी सैन्य सुरक्षा मानी जाती थी। साथियो, भारत ने इस बदलती दुनिया में अपेक्षाकृत संतुलित और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाया है। रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान भारत ने अपने ऊर्जा हितों को प्राथमिकता देते हुए सस्ते तेल की खरीद जारी रखी, वहीं अमेरिका और यूरोप के साथ तकनीकी एवं व्यापारिक संबंधों को भी मजबूत किया। यह रणनीति दर्शाती है कि आज का भारत किसी एक गुट का हिस्सा बनने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों को केंद्र में रखकर निर्णय लेना चाहता है। आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया और डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे कार्यक्रम भी इसी आर्थिक आत्मविश्वास की अभिव्यक्ति हैं।मध्य-पूर्व की राजनीति भी आर्थिक स्वार्थ और रणनीतिक हितों का उत्कृष्ट उदाहरण है। तेल और गैस के विशाल भंडारों ने इस क्षेत्र को दशकों से वैश्विक राजनीति का केंद्र बनाए रखा है। क्षेत्रीय संघर्षों, गठबंधनों और कूटनीतिक समीकरणों के पीछे ऊर्जा मार्गों और संसाधनों पर नियंत्रण की भूमिका को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। यही कारण है कि विश्व की लगभग हर बड़ी शक्ति इस क्षेत्र में अपनी उपस्थिति बनाए रखना चाहती है। साथियों, अफ्रीका आज नई वैश्विक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बनता जा रहा है। लिथियम, कोबाल्ट और अन्य दुर्लभ खनिजों की बढ़ती मांग ने इसे भविष्य की तकनीकी अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बना दिया है। इलेक्ट्रिक वाहनों, बैटरियों और आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए आवश्यक ये संसाधन दुनिया की बड़ी शक्तियों को अफ्रीका की ओर आकर्षित कर रहे हैं। परिणामस्वरूप यह महाद्वीप आर्थिक अवसरों और भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा दोनों का केंद्र बन चुका है।तकनीक ने इस आर्थिक राजनीति को और अधिक तीव्र बना दिया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, 5जी नेटवर्क, साइबर सुरक्षा और डेटा नियंत्रण आज राष्ट्रीय शक्ति के नए मानक बन चुके हैं। अमेरिका और चीन के बीच चल रहा तकनीकी संघर्ष केवल नवाचार की प्रतिस्पर्धा नहीं बल्कि भविष्य की आर्थिक और रणनीतिक श्रेष्ठता की लड़ाई है। अब डेटा को नया तेल और तकनीक को नया हथियार कहा जाने लगा है।जलवायु परिवर्तन की राजनीति भी आर्थिक हितों से अछूती नहीं है। विकसित और विकासशील देशों के बीच कार्बन उत्सर्जन, हरित ऊर्जा और जलवायु वित्त को लेकर चल रही बहस इस बात का प्रमाण है कि पर्यावरणीय मुद्दों के पीछे भी आर्थिक समीकरण गहराई से जुड़े हुए हैं। हर देश चाहता है कि विकास की गति बनी रहे और उसकी आर्थिक प्रतिस्पर्धा प्रभावित न हो।

आज की दुनिया में एक कठोर सत्य उभरकर सामने आया है राजनीति का नया ध्रुवतारा आर्थिक स्वार्थ बन चुका है। चाहे अमेरिका की व्यापारिक रणनीतियाँ हों, चीन का वैश्विक विस्तार, रूस की ऊर्जा कूटनीति, यूरोप की नीतिगत दुविधाएँ, भारत का संतुलनकारी दृष्टिकोण या अफ्रीका और मध्य-पूर्व में बढ़ती प्रतिस्पर्धा—हर जगह राष्ट्रीय हितों का केंद्र आर्थिक शक्ति ही है।भविष्य की विश्व व्यवस्था भी संभवत: इसी दिशा में आगे बढ़ेगी, जहाँ मित्रता, विरोध, गठबंधन और संघर्ष सभी का अंतिम निर्धारक आर्थिक लाभ होगा। ऐसे समय में देशों के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल आर्थिक विकास हासिल करना नहीं, बल्कि आर्थिक स्वार्थ और वैश्विक उत्तरदायित्व के बीच संतुलन स्थापित करना होगी।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

क्या हम विकास और विनाश के बीच संतुलन साध पाएंगे?

वेनेजुएला में हाल में आए भीषण भूकम्प ने केवल एक देश को नहीं, बल्कि पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों की संख्या समय के साथ बदलती रही हो, लेकिन त्रासदी की भयावहता निर्विवाद है। हजारों परिवार अपने प्रियजनों को खोने की असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे प्रत्येक अवसर पर पूरी दुनिया संवेदना व्यक्त करती है, राहत सामग्री भेजती है, सहायता अभियान चलाती है, लेकिन एक प्रश्न बार-बार हमारे सामने खड़ा हो जाता है-क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और शोक के बाद सब कुछ भुलाकर पुन: उसी लापरवाह विकास-यात्रा एवं प्रकृति की घोर उपेक्षा पर निकल पड़ते हैं? प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय। जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं, पहाड़ दरकते हैं या समुद्र विकराल रूप धारण कर लेता है, तब विकास के बड़े-बड़े दावे, ऊंची-ऊंची इमारतें और तकनीकी उपलब्धियों का अहंकार कुछ ही क्षणों में धराशायी हो जाता है। ऐसे समय में किसी देश की वास्तविक शक्ति उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि उसकी पूर्व तैयारी, संवेदनशील शासन व्यवस्था और जागरूक नागरिक होते हैं।

वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं। विज्ञान इस दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे प्रारंभिक चेतावनी तंत्र अधिक सटीक, अधिक तेज और अधिक व्यापक बनाए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोगों का जीवन सुरक्षित रह सके। भारत के लिए यह विषय केवल एक अंतरराष्ट्रीय समाचार नहीं है। हमारा देश स्वयं भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने, चक्रवात और सुनामी जैसी अनेक प्राकृतिक आपदाओं का दंश झेलता रहा है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी, 2023 की जोशीमठ भू-धंसाव की घटनाएं तथा हिमालयी क्षेत्रों में लगातार बढ़ती बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी हमारी स्मृतियों में जीवित हैं। इन सभी घटनाओं का एक ही संदेश है-प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता।

वैज्ञानिक आज भी यह निश्चित रूप से नहीं बता सकते कि किस दिन, किस समय और किस स्थान पर भूकम्प आएगा, लेकिन वे वर्षों से यह चेतावनी अवश्य देते रहे हैं कि भारत का लगभग साठ प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। हिमालयी क्षेत्र, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर-पूर्व, गुजरात और अनेक अन्य क्षेत्र विशेष रूप से संवेदनशील माने जाते हैं। इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि भूकम्प की सटीक भविष्यवाणी संभव नहीं है, तो भी पूर्व तैयारी पूरी तरह संभव है। दुर्भाग्य यह है कि हम तैयारी की अपेक्षा आपदा के बाद राहत और पुनर्वास पर अधिक ध्यान देते हैं। आज देश के लगभग हर शहर में कंक्रीट के विशाल जंगल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन, गगनचुंबी टावर और स्मार्ट सिटी विकास की नई पहचान बन चुके हैं। मुंबई, गुरुग्राम, नोएडा, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और अब जयपुर जैसे शहर भी ऊंची-ऊंची इमारतों की दौड़ में शामिल हो चुके हैं। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या इन भवनों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी ब?ी प्राकृतिक आपदा का सामना करने के लिए भीड़ किसी भी भवन की वास्तविक परीक्षा तब होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। यदि उस समय भवन लोगों की जान बचा सके, तभी उसे वास्तविक विकास का प्रतीक माना जाना चाहिए। केवल ऊंचाई, चमक-दमक और आधुनिक सुविधाएं किसी भवन को सुरक्षित नहीं बनातीं। भारत में भूकम्परोधी निर्माण के लिए मानक और नियम मौजूद हैं। भारतीय मानक ब्यूरो ने स्पष्ट दिशानिर्देश निर्धारित किए हैं। समस्या नियमों की कमी नहीं, बल्कि उनके अनुपालन की है। क्या प्रत्येक बहुमंजिला इमारत वास्तव में उन्हीं मानकों के अनुरूप निर्मित हो रही है? क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच होती है? क्या निर्माण के बाद संरचनात्मक सुरक्षा का स्वतंत्र परीक्षण किया जाता है? यदि इन प्रश्नों का उत्तर पूरी तरह संतोषजनक नहीं है, तो चिंता स्वाभाविक है।

निर्माण क्षेत्र में बढ़ती अनियमितताओं और भ्रष्टाचार ने स्थिति को और गंभीर बनाया है। अनेक बार भू-माफिया, बिल्डर लॉबी और लाभ-लोलुप तत्व पर्यावरणीय नियमों की अवहेलना करते हुए हरित क्षेत्रों, जलाशयों, नदी तटों और भू-संवेदनशील क्षेत्रों तक में निर्माण कर देते हैं। बाद में यही निर्माण किसी त्रासदी का कारण बनते हैं। नोएडा में अवैध रूप से निर्मित सुपरटेक ट्विन टावरों को सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर ध्वस्त किया जाना इस बात का प्रतीक है कि किस प्रकार नियमों की अनदेखी कर निर्माण कार्य किए जाते रहे हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि कोई निर्माण अवैध था, तो उसे बनने की अनुमति किसने दी? निर्माण पूरा होने तक प्रशासन मौन क्यों रहा? क्या विकास के नाम पर कुछ लोगों के आर्थिक लाभ के लिए लाखों नागरिकों के जीवन को जोखिम में डाला जा सकता है? यह केवल कानूनी प्रश्न नहीं, बल्कि नैतिक प्रश्न भी है। शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर निगमों, नगर विकास न्यासों तथा भवन निर्माण की अनुमति देने वाली एजेंसियों की जिम्मेदारी केवल नक्शों पर हस्ताक्षर करने तक सीमित नहीं हो सकती। प्रत्येक निर्माण की तकनीकी, पर्यावरणीय और संरचनात्मक जांच अत्यंत कठोरता से की जानी चाहिए। सुरक्षा मानकों का पालन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की रक्षा का दायित्व है।

एक अन्य गंभीर चिंता जलवायु परिवर्तन और प्रकृति के साथ बढ़ती छेड़छाड़ की है। पहाड़ों को काटकर सड़कें बनाना, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित करना, जंगलों का अंधाधुंध विनाश, अतिक्रमण, खनन और अनियोजित शहरीकरण ने प्रकृति के संतुलन को गहराई से प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप भूस्खलन, अचानक बा?, शहरी जलभराव और जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ रही हैं। हिमालयी क्षेत्रों में बार-बार आने वाली त्रासदियां हमें चेतावनी दे रही हैं कि विकास का मॉडल प्रकृति-विरोधी नहीं, बल्कि प्रकृति-संगत होना चाहिए। यह मान लेना भी खतरनाक है कि जिस क्षेत्र में पहले कभी बड़ा भूकम्प नहीं आया, वहां भविष्य में भी खतरा नहीं होगा। धरती के भीतर क्या हलचल चल रही है, इसका पूरा रहस्य आज भी मानव नहीं जान पाया है। इसलिए केवल पुराने अनुभवों के आधार पर किसी क्षेत्र को पूर्णत: सुरक्षित मान लेना आत्मघाती हो सकता है। आज भवन निर्माण केवल भूकम्प को ध्यान में रखकर नहीं किया जा सकता। अत्यधिक वर्षा, शहरी बाढ़, तेज हवाएं, तापमान में वृद्धि और अन्य प्राकृतिक चुनौतियों को भी नगर नियोजन का हिस्सा बनाना होगा। भविष्य के शहरों को बहुस्तरीय सुरक्षा की अवधारणा के आधार पर विकसित करना समय की मांग है। आपदा आने के बाद राहत और पुनर्वास पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने की अपेक्षा पहले से सुरक्षा पर निवेश करना कहीं अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण और मानवीय दृष्टिकोण है। सिर्फ सरकारों की जिम्मेदारी पर्याप्त नहीं है। नागरिकों को भी आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक होना होगा। विद्यालयों, कार्यालयों और आवासीय परिसरों में नियमित मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए। आधुनिक चेतावनी प्रणालियों को गांवों तक पहुंचाया जाना चाहिए।

प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाली तबाही को काफी हद तक कम अवश्य किया जा सकता है। इसके लिए वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक तकनीक, मजबूत निर्माण मानक, कठोर निगरानी, पारदर्शी प्रशासन और जागरूक नागरिकों का समन्वित प्रयास आवश्यक है। प्रकृति कभी यह नहीं पूछती कि इमारत कितनी महंगी है, किस बिल्डर ने बनाई है या वह किस शहर में खड़ी है। वह केवल उसकी मजबूती और मानव की दूरदर्शिता की परीक्षा लेती है। वेनेजुएला का भूकम्प एक चेतावनी है-विकास की परिभाषा बदलने की। विकसित राष्ट्र वह नहीं होगा जिसके पास सबसे ऊंची इमारतें हों, बल्कि वह होगा जिसके पास सबसे सुरक्षित इमारतें, सबसे जिम्मेदार नगर नियोजन, सबसे संवेदनशील शासन और सबसे सजग नागरिक हों। क्योंकि आपदा आने के बाद राहत देना व्यवस्था की मजबूरी होती है, लेकिन आपदा आने से पहले तैयारी करना एक दूरदर्शी राष्ट्र की संस्कृति और जिम्मेदार शासन की पहचान है।

-ललित गर्ग

वन महोत्सव-हरियाली का महापर्व, प्रकृति संरक्षण का राष्ट्रीय संकल्प और देश के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला

-कांतिलाल मांडोत

भारत की संस्कृति में प्रकृति को सदैव पूजनीय माना गया है। हमारे ऋषि-मुनियों ने वृक्षों को केवल जीवन का आधार ही नहीं, बल्कि देवतुल्य स्थान भी दिया है। पीपल, बरगद, नीम, तुलसी और आंवले जैसे वृक्षों की पूजा की परंपरा इस बात का प्रमाण है कि भारतीय समाज सदियों से पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता आया है। आधुनिक समय में बढ़ते औद्योगीकरण, शहरीकरण और अनियंत्रित विकास ने वनों के अस्तित्व को गंभीर चुनौती दी है। यही कारण है कि देश में प्रत्येक वर्ष 1 जुलाई से 7 जुलाई तक वन महोत्सव मनाया जाता है। यह केवल एक सरकारी अभियान नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का उत्सव है। इसका उद्देश्य लोगों को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करना, वनों के महत्व को समझाना और आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित एवं हरित पर्यावरण का निर्माण करना है। वन महोत्सव की शुरुआत वर्ष 1950 में तत्कालीन केंद्रीय कृषि एवं खाद्य मंत्री डॉ. कन्हैयालाल माणिकलाल के. एम.मुंशी ने की थी। उनका मानना था कि यदि भारत को प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध बनाना है और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना है, तो जनभागीदारी के माध्यम से व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण करना होगा। तभी से यह अभियान पूरे देश में एक जनआंदोलन का रूप ले चुका है। आज स्कूलों, महाविद्यालयों, सरकारी कार्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और ग्राम पंचायतों से लेकर शहरों तक लाखों लोग इस अभियान में भाग लेकर पौधे लगाते हैं और उनके संरक्षण का संकल्प लेते हैं। वन केवल पेड़ों का समूह नहीं होते, बल्कि पृथ्वी पर जीवन के सबसे बड़े आधार हैं। यदि वन न हों तो मानव सभ्यता का अस्तित्व भी संकट में पड़ जाएगा। वन हमें शुद्ध ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, जिसे हम प्रत्येक क्षण सांस के रूप में ग्रहण करते हैं। यही वन वातावरण में उपस्थित कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करके जलवायु परिवर्तन की गति को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बढ़ते वैश्विक तापमान, हीट वेव और असामान्य मौसम की घटनाओं के बीच वन पृथ्वी के प्राकृतिक वातानुकूलक के रूप में कार्य करते हैं। वे वर्षा चक्र को संतुलित रखते हैं, मिट्टी की नमी बनाए रखते हैं और नदियों, तालाबों तथा भूजल स्रोतों को जीवित रखने में सहायता करते हैं। वनों का आर्थिक महत्व भी अत्यंत व्यापक है। देश की करोड़ों आबादी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से वनों पर निर्भर है। लकड़ी, औषधीय पौधे, फल, गोंद, शहद, लाख, बांस तथा अनेक वन उत्पाद ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। भारत की आयुर्वेदिक चिकित्सा प्रणाली में प्रयुक्त अधिकांश जड़ी-बूटियां वनों से ही प्राप्त होती हैं। वन पर्यटन को बढ़ावा देते हैं, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलता है और देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। वन अनेक वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास हैं। यदि वन नष्ट होंगे तो जैव विविधता भी समाप्त होने लगेगी और अनेक दुर्लभ जीव-जन्तियां हमेशा के लिए विलुप्त हो जाएंगी। लेकिन दुर्भाग्य से विकास की अंधी दौड़ में वनों की लगातार कटाई हो रही है। सड़क निर्माण, औद्योगिक परियोजनाएं, खनन, अवैध लकड़ी कटाई और अनियोजित शहरी विस्तार के कारण हर वर्ष बड़ी संख्या में वृक्ष समाप्त हो रहे हैं। इसका दुष्परिणाम आज पूरी दुनिया भुगत रही है। तापमान लगातार बढ़ रहा है, वर्षा का स्वरूप बदल रहा है, बाढ़ और सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाएं अधिक विनाशकारी होती जा रही हैं। मिट्टी का कटाव बढ़ने से कृषि भूमि की उर्वरता कम हो रही है। भूजल स्तर नीचे जा रहा है और अनेक क्षेत्रों में पेयजल संकट गहराता जा रहा है। वनों के नष्ट होने से वन्यजीव मानव बस्तियों की ओर आने को विवश हो रहे हैं, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष भी बढ़ रहा है। वनों की कमी का सबसे बड़ा प्रभाव पर्यावरणीय संतुलन पर पड़ता है। यदि वृक्ष कम होंगे तो वायु में प्रदूषण बढ़ेगा, ऑक्सीजन का स्तर घटेगा और कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ती जाएगी। इससे जलवायु परिवर्तन और अधिक गंभीर होगा। आज महानगरों में बढ़ता प्रदूषण, असहनीय गर्मी और स्वच्छ हवा का संकट इस बात का स्पष्ट संकेत है कि हमने प्रकृति के साथ संतुलन खो दिया है। इसलिए वन महोत्सव केवल पौधे लगाने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ टूटते संबंधों को फिर से जोड़ने का प्रयास है। वन महोत्सव मनाने का सबसे बड़ा उद्देश्य लोगों में यह भावना विकसित करना है कि केवल एक दिन पौधा लगाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसकी देखभाल करना भी उतना ही आवश्यक है। जब तक पौधा एक मजबूत वृक्ष नहीं बन जाता, तब तक उसकी सुरक्षा, सिंचाई और संरक्षण हमारी जिम्मेदारी है। यदि लगाए गए पौधे जीवित नहीं रहेंगे तो वृक्षारोपण अभियान केवल औपचारिकता बनकर रह जाएगा। इसी सोच के साथ अब विभिन्न राज्यों में जियो टैगिंग, निगरानी और जनभागीदारी पर विशेष बल दिया जा रहा है ताकि लगाए गए पौधों की वास्तविक प्रगति सुनिश्चित की जा सके। हाल के वर्षों में एक पेड़ मां के नाम जैसे अभियान ने वन महोत्सव को एक भावनात्मक स्वरूप भी दिया है। जब कोई व्यक्ति अपनी मां के सम्मान में पौधा लगाता है, तो वह केवल पर्यावरण की सेवा नहीं करता, बल्कि उस पौधे से जीवनभर का भावनात्मक रिश्ता भी जोड़ लेता है। इसी प्रकार कई राज्य सरकारें मुफ्त पौधों का वितरण, वृक्ष रथ, हरित अभियान और जनसहभागिता कार्यक्रमों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़ रही हैं। दिल्ली सरकार द्वारा शुरू किया गया ट्री ऑन व्हील अभियान इसी दिशा में एक अभिनव पहल है, जिसके माध्यम से पौधे लोगों के घरों तक पहुंचाए जा रहे हैं ताकि वृक्षारोपण को और अधिक सरल तथा व्यापक बनाया जा सके। पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से वन महोत्सव अत्यंत अनुकूल और आवश्यक अभियान है। यह लोगों को केवल पौधे लगाने के लिए प्रेरित नहीं करता, बल्कि पर्यावरण के प्रति संवेदनशील नागरिक बनने की प्रेरणा भी देता है। एक विकसित राष्ट्र वही होता है जो आर्थिक प्रगति के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों का भी संरक्षण करे। यदि विकास के नाम पर केवल कंक्रीट के जंगल खड़े किए जाएंगे और प्राकृतिक जंगल समाप्त कर दिए जाएंगे, तो भविष्य में मानव जीवन स्वयं संकट में पड़ जाएगा। इसलिए विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाना आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है, तब वन महोत्सव जैसे अभियान पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गए हैं। यदि देश का प्रत्येक नागरिक हर वर्ष कम से कम एक पौधा लगाए और उसे वृक्ष बनने तक संरक्षित रखे, तो करोड़ों नए वृक्ष देश की हरियाली को कई गुना बढ़ा सकते हैं। इससे स्वच्छ हवा, पर्याप्त वर्षा, जैव विविधता का संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित किया जा सकेगा। अंतत:, वन महोत्सव केवल एक सप्ताह का कार्यक्रम नहीं, बल्कि जीवनभर निभाए जाने वाला संकल्प है। यह हमें याद दिलाता है कि प्रकृति का संरक्षण ही मानव सभ्यता का संरक्षण है। यदि हम आज वृक्षों को बचाएंगे और नए वृक्ष लगाएंगे, तभी आने वाली पीढियों को स्वच्छ वायु, निर्मल जल, संतुलित जलवायु और समृद्ध प्राकृतिक धरोहर मिल सकेगी। इसलिए आइए, वन महोत्सव को केवल उत्सव न मानकर जनआंदोलन बनाएं और एक ऐसे भारत के निर्माण का संकल्प लें, जहां हरियाली ही समृद्धि, स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य की पहचान बने।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। लेवाल कमजोर रहने से मंगलवार को अनाज मंडी में मसूर बाजार मंदी पर रहे। उड़द में सुर्खी रही। खाद्य तेलों में तेजी अटकी रही। तिलहनों में सोयाबीन मजबूती पर रहा। किराना जिंसों में नारियल सुस्ती पर रहा। सूखे मेवों में भी पूछपरख अटकी रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार मसूर में पूछपरख कमजोर रहने से बाजार 50-100 रू. प्रति क्विंटल तक हल्के पड़े। उड़द में बाजार सुर्ख रहे। खाद्य तेलों में तेजी अटकी रही। तिलहनों में सोयाबीन नरमी पर रहा। उधर, किराना जिंसों में नारियलों में नरमी आयी। सूखे मेवों में बाजार सुस्त रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4240-4320, खोपरा गोला 365-415, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 750-755, मीनी मटरदाना 770-800, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 2700-2800, मीडि?यम 2900-3050, बेस्ट 3150-3250, एक्ट्रा बेस्ट 3300-3500, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (210) 950-1000, काजू डब्ल्यू (340) 840-870, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 840-870, सिंगापुरी 850-860, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2200, (160) 2500, (200) 2650-2700, (250) 2950-3000

तेल- सींगदाना 1560-1580, मुम्बई 1580, राजकोट तेलिया 2460, सोया साल्वेंट 1360-1365, सोया रिफाइंड 1430-1435, कपास्या 1460, धूलिया 1450, कड़ी 1460,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1540, मुम्बई पाम 1465, मुम्बई सोया 1455,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2600, देवास-उज्जैन 2600, खंडवा-बुरहानपुर 2575, अकोला 3925 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7600-7800, रायडा 6800, सोयाबीन 6800, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6050, एवरेज 5900-5950, विशाल 5900-5950, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशि?यन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 5900-5950, एवरेज 5800-5850, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7100-7250, मूंग पुराना बोल्ड 7500-7700, मीडि?यम 7400-7700, मोगर 5500-6500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9000-9100, एवरेज 8800-8900, उड़द गर्मी 8000-8400, हल्की 8500-8600,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 225500, चाँदी (99) 225400, टंच 227700, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 143600

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 9 पैसे की गिरावट के साथ ही 94.60 पर बंद हुआ। इससे पहले आप सुबह रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में सात पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.58 पर आ गया। महीने के अंत में आयातकों और कंपनियों की ओर से डॉलर की बढ़ी मांग से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में अपेक्षाकृत स्थिरता रहने से रुपये की गिरावट कुछ हद तक सीमित रही। खाड़ी क्षेत्र में आपूर्ति बाधित होने की आशंकाओं और हॉर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर जारी अनिश्चितता ने निवेशकों की धारणा पर दबाव बनाए रखा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.58 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव की तुलना में सात पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को शुरुआती बढ़त गंवाते हुए डॉलर के मुकाबले छह पैसे की गिरावट के साथ 94.51 पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 249.70 अंक टूटकर 76,478.67 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 80.50 अंक नीचे आकर 23,865.75 पर बंद हुआ। था। एक ओर जहां मिडकैप और स्मॉलकैप में खरीदारी देखने को मिली, वहीं लार्जकैप में बिकवाली हावी रही। । निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 230.40 अंक की तेजी के साथ 61,797.70 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 100 इंडेक्स 190 अंक बढ़कर 18,863.10 पर था। निफ्टी इंडिया डिफेंस और निफ्टी रियल्टी में सबसे अधिक तेजी रही। इसके अलावा, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स,निफ्टी फार्मा, निफ्टी मैन्युफैक्चरिंग, निफ्टी ऑटो, निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी

हेल्थकेयर के शेयरों में तेजी रही जबकि निफ्टी आईटी, निफ्टी मीडिया, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी सर्विसेज के शेयर गिरे। सेंसेक्स पैक में टाइटन, बजाज फाइनेंस, इटरनल, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, इंडिगो, ट्रेंट और एनटीपीसी के शेयर लाभ में रहे। वहीं टीसीएस, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, आईटीसी, एचयूएल, ई, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा स्टील, एमएंडएम, कोटक महिंद्रा बैंक, एलएंडटी, सन फार्मा, अल्ट्राटेक सीमेंट, के शेयर गिरे। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज बाजार सीमित दायरे में कारोबार करत रहा। रहा है। अमेरिका और ईरान के एकदूसरे पर हमलों के बाद शांति समझौते पर संशय के कारण निवेशक अभी बाजार से दूसरे बनाये हुए हैं। उससे भी बाजार नीचे आया है। वहीं इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच, भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद बाजार ने मंगलवार को मामूली बढ़त दर्ज की। इस दौरान निवेशकों ने कुछ सतर्कता बरती, लेकिन सकारात्मक धारणा बनी रही।

यूपीआई की वैश्विक बादशाहत जारी- अब ग्रीस में भी सेवा शुरू

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत के डिजिटल भुगतान प्रणाली यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ने अपनी वैश्विक पहुंच का विस्तार कर अब यूरोप के एक और देश, ग्रीस में कदम रख दिया है। फ्रांस के बाद यह यूरोप का दूसरा देश है, जहाँ यूपीआई उपलब्ध होगा। इस नई एंट्री के साथ, यूपीआई से पेमेंट की सुविधा अब कुल 11 देशों में उपलब्ध हो गई है, जिसमें सिंगापुर, यूएई, फ्रांस, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, मॉरीशस, कतर, कंबोडिया, सेशेल्स और ग्रीस शामिल हैं। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ऐतिहासिक उपलब्धि की घोषणा कर कहा कि ग्रीस में योग्य ग्राहक अब सुरक्षित, आसान और तुरंत पैसे ट्रांसफर कर सकते है। गोयल ने कहा कि यूपीआई की वैश्विक स्वीकृति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तकनीक-आधारित समाधानों की सोच पर दुनिया के भरोसे का प्रमाण है, जो सीमाओं से परे जाकर मूल्य सृजित कर रहे हैं और साझा विकास को बढ़ावा दे रहे हैं। गोयल ने ग्रीस दौरे पर यूरोबैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) फोकियन करावियास से मुलाकात कर भारत-ग्रीस आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने पर चर्चा की। उन्होंने ग्रीक कंपनियों को भारत में निवेश के लिए प्रोत्साहित कर ग्रीस में मैन्युफैक्चरिंग तथा बुनियादी ढांचा विकास जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं तलाशीं। मंत्री ने एथेंस स्थित यूरोबैंक मुख्यालय में यूरोबैंक और एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) की साझेदारी में यूपीआई सेवा का लाइव प्रदर्शन भी देखा। इस अवसर पर यूरोबैंक के सीईओ करावियास और फेयरफैक्स डिजिटल सर्विसेज के सीईओ संजय तुगनैत भी उपस्थित थे।

खाद्य महंगाई का खतरा, आलू, प्याज, टमाटर के दामों में फिर तेजी

नई दिल्ली। एजेंसी। देश के कई शहरों में आलू, प्याज और टमाटर की कीमतों में एक बार फिर तेजी देखने को मिल रही है। इन प्रमुख सब्जियों की बढ़ती कीमतों ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है, जिससे आने वाले समय में खाने-पीने की चीजों की महंगाई यानी कि खाद्य मुद्रास्फीति (फूड इंफ्लेशन) बढ़ने का डर सताने लगा है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, पिछले एक महीने में टमाटर की औसत खुदरा कीमत में 18 फीसदी, प्याज में 11 फीसदी और आलू में 1.3 फीसदी की वृद्धि हुई है। यदि साल-दर-साल के आधार पर देखें तो टमाटर 25 फीसदी और प्याज 3.3 फीसदी महंगा हुआ है, जबकि आलू की कीमतों में 17 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। भीषण गर्मी और आपूर्ति श्रृंखला में कमी का सीधा असर सब्जियों की कीमतों पर दिख रहा है। उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में टमाटर 50 फीसदी तक महंगे हो गए हैं, वहीं राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इसकी कीमतें लगभग दोगुनी हो चुकी हैं। विभिन्न राज्यों में प्याज की कीमतों में भी 10-20 फीसदी का इजाफा देखा गया है। अल-नीनो प्रभाव और बारिश में देरी के कारण पड़ी भीषण गर्मी ने विशेष रूप से टमाटर जैसी नाजुक फसल को सबसे अधिक प्रभावित किया है। आजादपुर प्याज व्यापारी संघ के अनुसार, टमाटर की कम आवक के साथ-साथ गर्मी के कारण इसके परिवहन में भी परेशानी आ रही है। राजस्थान और हरियाणा से दिल्ली आने वाली टमाटर की आपूर्ति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। जानकारों का मानना है कि वर्तमान मौसम और मॉनसून की स्थिति को देखते हुए आने वाले दिनों में टमाटर और प्याज की कीमतों में और उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। इसका सीधा असर देश की समग्र महंगाई दर और विशेषकर खाद्य महंगाई पर पड़ने की संभावना है।

मेष- आज का दिन आपके लिए संतोष, सफलता और खुशियों की मधुर सौगात लेकर आया है। व्यापार से जुड़े आपके प्रयास रंग लाते दिखाई देंगे और किसी योजना से अच्छा लाभ मिलने के संकेत हैं। यदि आप संतान के किसी परीक्षा परिणाम का इंतजार कर रहे थे, तो आज वह खबर आपके चेहरे पर गर्व भरी मुस्कान ला सकती है। परिवार में प्रेम और सहयोग का वातावरण बना रहेगा।

वृषभ- आज भाग्य आपकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाता दिखाई दे रहा है। लंबे समय से अटका हुआ धन वापस मिल सकता है, जिससे मन हल्का और प्रसन्न महसूस करेगा। शेयर बाजार या निवेश से जुड़े लोगों के लिए भी दिन उत्साहजनक संकेत दे रहा है। परिवार में किसी शुभ कार्य या विवाह की चर्चा पूरे घर को उत्साहित कर सकती है।

मिथुन- आज का दिन धैर्य और समझदारी की परीक्षा ले सकता है, लेकिन अंत में राहत भी देगा। लंबे समय से रुका हुआ कोई सरकारी कार्य पूरा होने की दिशा में बढ़ सकता है। परिवार में किसी सदस्य की सेहत को लेकर थोड़ी चिंता हो सकती है और आपको भागदौड़ भी करनी पड़ सकती है। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें, क्योंकि उधार या लेन-देन से जुड़ा कोई विषय सामने आ सकता है।

कर्क- आज का दिन शांत और संतुलित ऊर्जा लेकर आया है। यदि वैवाहिक जीवन में पिछले दिनों कुछ खटास या गलतफहमियां थीं, तो अब रिश्तों में फिर से मिठास लौटती दिखाई दे रही है। कार्यक्षेत्र में किसी सहकर्मी के साथ हुई चर्चा आपको नई दिशा दे सकती है। संतान की उपलब्धियां आपके मन को गर्व से भर देंगी। विद्यार्थियों को आज अपने लक्ष्य पर विशेष ध्यान देना होगा, क्योंकि छोटी-सी लापरवाही भी नुकसान पहुंचा सकती है।

सिंह- आज आपके व्यक्तित्व का तेज चारों ओर आकर्षण का केंद्र बन सकता है। मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि के संकेत हैं। जिस कार्य को आप आत्मविश्वास के साथ शुरू करेंगे, उसमें सफलता मिलने की संभावना प्रबल रहेगी। संतान की प्रगति आपके लिए गर्व का विषय बनेगी।

कन्या- आज आपके सामने नए अवसरों के कई द्वार खुल सकते हैं। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को कोई अच्छी खबर मिलने की संभावना है। कार्य से जुड़ी यात्रा भी लाभदायक सिद्ध हो सकती है। आपके मन में कुछ नया और अलग करने की इच्छा जागेगी, जो भविष्य में सफलता की मजबूत नींव बन सकती है। हालांकि आज बिना मांगे सलाह देने से बचें, क्योंकि हर व्यक्ति आपकी बात को उसी दृष्टि से नहीं देखेगा।

तुला- आज का दिन प्रगति, आकर्षण और नई संभावनाओं का संदेश लेकर आया है। अविवाहित लोगों के जीवन में कोई ऐसा व्यक्ति प्रवेश कर सकता है जो भविष्य में खास स्थान बना ले। आर्थिक स्थिति में सुधार और धन लाभ के संकेत हैं। यदि आपने किसी से कोई वादा किया था, तो उसे निभाने का अवसर मिलेगा और इससे रिश्तों में मजबूती आएगी।

वृश्चिक- आज आपको हर कदम सोच-समझकर उठाने की आवश्यकता है। जल्दबाजी में लिया गया निर्णय बाद में सुधार की मांग कर सकता है। व्यस्तता अधिक रहेगी, लेकिन अच्छी बात यह है कि आपकी जरूरतें पूरी होती दिखाई देंगी। जीवनसाथी के लिए कोई उपहार या विशेष खरीदारी रिश्तों में नई मिठास घोल सकती है। खर्चों पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा, क्योंकि अनावश्यक खर्च भविष्य की योजनाओं को प्रभावित कर सकते हैं।

धनु- आज सकारात्मक ऊर्जा आपके साथ कदम से कदम मिलाकर चलती दिखाई दे रही है। वाहन चलाते समय सावधानी जरूर रखें, क्योंकि छोटी-सी लापरवाही परेशानी खड़ी कर सकती है। सरकारी कार्यों को समय पर पूरा करने का प्रयास करें, इससे भविष्य की कई दिक्कतें टल जाएंगी। घर में किसी नए सदस्य या मेहमान के आने से खुशियों का माहौल बन सकता है।

मकर- आज व्यापार और कार्यक्षेत्र में वृद्धि के संकेत उत्साह बढ़ाने वाले हैं। लंबे समय से रुकी हुई कोई डील अब पूरी हो सकती है और इसका लाभ आपको आर्थिक रूप से मजबूत बना सकता है। परिवार के किसी सदस्य से किया गया वादा निभाना जरूरी होगा, क्योंकि आपकी बात का उनके जीवन में विशेष महत्व है। घर के बुजुर्गों की सेहत का विशेष ध्यान रखें।

कुंभ- आज का दिन नई जानकारियां और नए अवसर लेकर आ सकता है। यात्रा या किसी मुलाकात के दौरान मिली एक महत्वपूर्ण सूचना भविष्य में बड़ा लाभ दे सकती है। दिन थोड़ा व्यस्त रहेगा और भागदौड़ भी बनी रह सकती है। कोई व्यक्ति आपके काम में रुकावट डालने की कोशिश कर सकता है, इसलिए अपने निर्णयों में सतर्कता रखें।

मीन- आज मेहनत और समर्पण आपका सबसे बड़ा हथियार साबित होगा। कार्यक्षेत्र में किए गए प्रयासों का सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है। माताजी के साथ संबंधों में और अधिक मधुरता आएगी और उनके साथ बिताया गया समय आपको भावनात्मक रूप से मजबूत बनाएगा। हालांकि बिना वजह क्रोध करना आपके रिश्तों को प्रभावित कर सकता है, इसलिए अपने स्वभाव में थोड़ी नरमी लाने का प्रयास करें। यात्रा या किसी मुलाकात के दौरान मिली जानकारी भविष्य में आपके लिए लाभदायक सिद्ध हो सकती है।

शब्दजाल - 8306

शब्दजाल में 'वहीदा रहमान' अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

नी	म	गा	ई	ड	र	रे	फा	न	प	खा
न	ल	क	प	इं	डो	श	शि	या	ड़	मो
अ	दा	क	ला	र	ग	मा	द	प्रे	प	शी
ती	ग	ल	म	ब	दू	औ	प	म	लि	ला
त	स	अ	सौ	ल	जा	र	कि	पु	ला	स
आ	इ	री	मो	व	आ	शे	त	जा	लू	पा
ग	जी	ल	क	व	प	रा	न	री	प्र	स
र	रि	भा	र	स	प	स	द	र	रा	वा
को	ह	रा	ना	थ	म	ज	जी	न	खी	न
न	ट	प	त्थ	र	के	स	न	म	प	श
ब	बी	स	सा	ल	बा	द	त्ता	प	क	र

गाईड,नीलकमल,प्रेम पुजारी,रेशमा और शेरा,खामोशी,पत्थर के सनम,तीसरी कसम,कोहरा,राखी,बीस साल बाद

शब्दजाल - 8305 का हल

अ	क	मु	ग	अ	ए	अ	बा	ग	बां	व
द	ज	ल	श	ज	मे	स	द	ह	कां	मो
र	स	न	रा	दी	छ	ज	आ	र्म	ख	ह
इं	स	ल	बी	दि	वा	स	र	ल	श	ब्ब
डि	आ	दो	ग	बो	ज	ना	प	सा	झ	तें
य	को	द	र	दि	ग	उ	खु	ण	ब	क
ती	व	लि	मी	या	प	र	दा	नां	व	सु
अं	एं	अ	या	द	ब	क	ग	ए	श	हा
क	ग	ल	प	र	गी	स	वा	औ	प	ग
अं	धा	का	नू	न	जी	त	ह	ओ	प	र
क	अ	म	रा	व	ती	स	आं	खें	प	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

1 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.30 बजे से
चंद्र	धनु में	सिंह	08.46 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	10.58 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	13.08 बजे से
गुरु	कर्क में	वृश्चिक	15.23 ब.से
शुक्र	कर्क में	धनु	17.39 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.44 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.31 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.04 बजे से
राहुकाल	12.00 से 1.30 बजे तक	मेष	00.34 बजे से
		वृष	02.14 बजे से
		मिथुन	04.12 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 182 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** प्रतिपदा 07.39 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाषाढ़ा 06.52 बजे को समाप्त। **योग** इन्द्र 16.05 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 07.39 बजे तदनन्तर तैतिल 20.40 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 15.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 23° 07' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872757 **जूलियन दिन** 2461222.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 15 **विशेष** डॉक्टर्स एवं सी.ए. दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः अतिथि का आदर

ईश्वरचंद्र विद्यासागर के मन में प्राणिमात्र के प्रति अपार करुणा को देखकर लोग उन्हें करुणा सागर कहकर बुलाते थे। विद्यासागर जरूरतमंद लोगों की सहायता का कोई अवसर नहीं छोड़ते थे। वह इसे सहज मानवीय कर्त्तव्य के रूप में देखते थे। उन दिनों वह कोलकाता के नजदीक एक कस्बे में प्राध्यापक के पद पर नियुक्त थे। एक बार मौसम अचानक बिगड़ गया और ठंड काफी बढ़ गई। शाम से ही बूंदाबांदी भी हो रही थी। रात होते-होते बारिश एकदम तेज हो गई। ईश्वरचंद्र रोज की तरह अध्ययन में लगे थे, तभी किसी ने उनका दरवाजा खटखटाया। विद्यासागर ने एक अजनबी को दरवाजे पर खड़ा देखा। अपनत्व भाव से उसे घर के भीतर बुलाया और उसे अपने नए कपड़े देकर भीगे वस्त्र बदलने को कहा। वह अतिथि उनके इस प्रेम भरे व्यवहार को देखकर भर्राये गले से बोला, 'मैं इस कस्बे में नया हूं। यहां मैं अपने एक मित्र से मिलने आया था। जब मैं उसके घर पहुंचा तो पूछने पर पता चला कि वह कहीं बाहर गया हुआ है। यह सुनकर मैं निरुपाय हो गया। मैंने कोई लोगों से रात भर के लिए शरण मांगी, लेकिन सभी ने मुझे संदेह की दृष्टि से देखकर दुत्कार दिया। आप पहले व्यक्ति हैं, जिन्होंने मुझे सहारा दिया'। विद्यासागर ने कहा, 'अरे भाई, तुम तो मेरे अतिथि हो। हमारे शास्त्रों में भी तो कहा गया है कि अतिथि देवो भव। मैंने तो सिर्फ अपना कर्त्तव्य निभाया है।' यह कहकर ईश्वरचंद्र ने उस अतिथि के सोने के लिए बिस्तर व भोजन की व्यवस्था की। फिर अपने हाथ से अंगीठी जलाकर उसके कमरे में रख दी। सुबह जब वह अतिथि ईश्वरचंद्र से विदा लेने आया तो वह हंसकर बोले, 'कहिए अतिथि देवता। रात को ठीक ढंग से नींद तो आई?' अतिथि उनके सद्व्यवहार को मन ही मन नमन करते हुए बोला, 'असली देवता तो आप हैं, जिसने मुझे विपदाग्रस्त देखकर मदद की।' पूरी जिंदगी उस व्यक्ति के मन में विद्यासागर की करुणामय छवि बसी रही।

फिल्म वर्ग पहेली- 7250

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, जीनत की 'मेरी उमर का एक लड़का' गीत वाली फिल्म-२,२
२. अमिताभ, शशि, परवीन, नीतू की फिल्म-३
३. 'चलो बुलावा आया' गीत वाली फिल्म-४
४. 'कोई मिल गया' में ऋतिक का नाम था-३
५. 'चल चमेली बाग में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'भोर भये पंछी धुन' गीत वाली राजेश खन्ना, रेखा की फिल्म-३
९. सचिन, सुचेता की 'झुमका कजरा बिंदिया गजरा' गीत वाली फिल्म-४
११. ऋषि, चंकी, नीलम की फिल्म-३
१३. राजकपूर डबल रोल, नर्गिस की फिल्म-२
१४. 'जिंदगी ये पल, ये पल जिंदगी' गीत वाली सुष्मिता, सुशांत की फिल्म-३
१५. धर्मेन्द्र वाली 'जब याद किसी की आती है' की नायिका कौन थी?-२
१७. 'ना ये जमीं थी ना आसमां था' गीत वाली विश्वजीत, राजश्री की फिल्म-३
१८. देव आनंद, हेमा की 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली फिल्म-४
१९. दिलीप कुमार, अनिल कपूर, रति की फिल्म-३
२०. प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
२२. 'बाजूबंद खुल खुल जाये' गीत वाली फिल्म-४
२८. अब्बास, शर्बाणी की 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'याईला रे लड़की' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'कोरे कागज पे लिखवाले' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'दिल से तुझको बेदिली' गीत वाली दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३. राजेश खन्ना, डिम्पल की 'जब दर्द नहीं था सीने' गीत वाली फिल्म-४
६. संजय दत्त, नम्रता की फिल्म-३
७. संजीव, सुचित्रा की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
८. 'आया है मुझे फिर' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१०. 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हंसाती है रूलाती' गीत वाली तुषार, ग्रेसी, अमृता की फिल्म-२
१३. संजीवकुमार, राखी की 'तेरे आँखों के दो' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'निकाह' में दीपक और राज बब्बर के साथ नायिका कौन थी-३
१६. अनिल, पूनम की 'मिली तेरे प्यार की' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुल राय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२१. तुषार कपूर, अंतरा की फिल्म-३
२३. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंद्र, रामेश्वरी की फिल्म-३
२४. अभिषेक, अंतरा की 'आवारा मन में' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'ये दुनिया वाले' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२६. 'सुन जरा सोनिये सुन' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता पटेल की फिल्म-२
२८. सुनील शेट्टी, सोमी की 'दिल मेरा यहाँ' गीत वाली फिल्म-२
३०. मनोजवाजपेई, उर्मिला की फिल्म-२
३२. देवानंद, नूतन की 'हम तो जानी प्यार करेगा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'जाने क्या पिलाय' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7249

बै	र	ग		स	ड़	क		आ	
जू		ज	ह्ला	द		स	सु	र	ल
बा	द	ल		मा	लि	क		ध	
व			बा		बा		बे	ना	म
र	जा	बा	बू		स	रि	ता		हा
	ल	व		बे			ब	से	रा
इ		चीं		खु	द्दा	र			जा
क	र्ज		शा	दी		ख	ली	फा	
बा		गै	र		दा	वा			द
ल	ज्जा		दा	ग		ला	वा	रि	स

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7559

★★★☆☆ मध्यम

6	3	7		1	5	4		9
	8						2	
		1		4	8			6
	6			9	7	1		
7	2						5	3
		5	6	3			9	
5			8	2		3		
	4						7	
1		3	7	5		2	6	8

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7558 का हल

5	9	4	1	7	2	6	3	8
6	8	1	4	3	5	2	7	9
2	3	7	8	9	6	1	4	5
9	2	3	7	5	1	4	8	6
4	7	6	9	2	8	5	1	3
1	5	8	3	6	4	9	2	7
8	6	2	5	4	3	7	9	1
7	1	5	2	8	9	3	6	4
3	4	9	6	1	7	8	5	2

शब्द पहेली - 8774

बाएँ से दाएँ

1. अपनत्व, अपनाव-5
4. खाने लायक तैयार होना-3
6. गोंद, लाख-2
7. पति, शौहर-3
8. जंगल, अरण्य-3
10. उत्साह, ललक-2
11. प्रलय, आफत-3
12. ईश्वर, रब-4
15. वट वृक्ष-4
16. निर्माण (उर्दू-3)
17. धोखा, कपट-2
18. दृष्टि, निगाह-3
20. स्वदेश, मातृभूमि-3
22. एक पैसा-2
23. विजय, जीत-3
24. आत्मबलिदानी, साहसी-5

ऊपर से नीचे

1. उपद्रव की स्थिति, अशांति-5
2. लम्हा, क्षण-2
3. गिरावट, अवनति-3
4. मवाद-2
5. मरियल, दुर्बल-4
8. असरदार, प्रभावी-4
9. नाक छेदना-2,3
13. विदिर्ण, छिन्न भिन्न होना-4
14. मांग, अनुरोध-5
15. बलवा, गदर-4
19. विष, गरल-3
21. अस्तर, स्तर-2
22. देवदास की प्रेमिका-2

शब्द पहेली -8773 का हल

ती	रं	दा	ज		को	म	लां	गी
ब्र		म	न	भ	र	ना		ज
ता	र			र			स	र
	म		क	म	र		मा	
प्र	ता	ड़	ना		स	र	ज	मीं
	जो		त	र	ना		बा	
बा	गी			सी			दी	न
य		ल	ची	ला	प	न		य
स	ना	त	न		र	स	खा	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

परिवहन विभाग की कार्रवाई महज दिखावा!

कार्वरवाई के बाद भी शर्तो का उलंघन कर बदस्तूर दौड़ रही बसें

पद्मेश न्यूज। लांजी। जिले की परिवहन व्यवस्था इन दिनों पूरी तरह पटरी से उतर चुकी है। कागजों में कार्रवाई और सड़कों पर मनमानी के बीच कानून कहां खड़ा है, यह समझ पाना मुश्किल है। परिवहन विभाग समय-समय पर चालानी कार्रवाई कर अपनी पीठ भले थपथपा ले, लेकिन हकीकत यह है कि जिन बसों पर कार्रवाई होती है, वे कुछ ही देर बाद फिर उसी रूट पर नियमों को ठेंगा दिखाती नजर आती हैं। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि विभाग की कार्रवाई व्यवस्था सुधारने के लिए है या केवल महज औपचारिकता निभाने के लिए? जिले में बरसों से बिना परमिट या शर्तों का उल्लंघन कर बसें दौड़ रही हैं। जुर्माना जमा हुआ, फाइल बंद हुई और वाहन फिर सड़क पर। यदि यही सिलसिला चलता रहा, तो नियम तोड़ने वालों में कानून का खौफ कैसे रहेगा?

प्रतिबंध के बावजूद चौपहिया वाहनों से अवैध शिफ्टिंग

प्रतिस्पर्धा की इस अंधी दौड़ में सबसे बड़ा दांव यात्रियों की जान पर लगाया जा रहा है। स्लीपर बसों में क्षमता से दोगुनी तीगुनी सवारियां भूसे की तरह भरी जा रही हैं। सालेटेकरी से लांजी तक हैदराबाद रूट की बसों के संचालन पर रोक है। इसके बावजूद, यात्रियों को चौपहिया वाहनों में ठूंस-ठूंस कर मुख्य बसों तक लाने-ले जाने का खेल खुलेआम जारी है। यह न सिर्फ मोटरयान अधिनियम का उल्लंघन है, बल्कि किसी बड़े हादसे को खुला आमंत्रण भी है। जिले में कई ऐसी बसें चल रही हैं, जो यात्रियों को उनके गंतव्य तक ले जाने के बजाय बीच रास्ते में ही उतार देती हैं। इसके बाद यात्रियों को भटकना पड़ता है और दूसरी बसों के लिए अतिरिक्त किराया देना पड़ता है।

अजीबो-गरीब गणित: 800 किमी का किराया 500 रूपये

इस समय सबसे ज्यादा चर्चा में लांजी-हैदराबाद मार्ग है। इस रूट पर वर्तमान में दर्जनभर से अधिक स्लीपर बसें बिना किसी डर के दौड़ रही हैं। यात्रियों को फंसाने की होड़ इस कदर है कि लगभग 800 किलोमीटर की लंबी यात्रा के लिए मात्र 500 रुपये तक किराया लिया जा रहा है। दूसरी ओर, बालाघाट से गोंदिया की महज 45 किलोमीटर की दूरी के लिए 85 से 90 रुपये और बालाघाट से लांजी की लगभग 60 किलोमीटर की दूरी के लिए भी करीब 90 रुपये किराया निर्धारित है। किराए का यह असामान्य अंतर इस मार्ग पर चल रही अवैध प्रतिस्पर्धा और प्राइवेट सिंडिकेट की कहानी खुद बयां कर रहा है।

विधायक राजकुमार करांहे के आतिथ्य में गणेश सरोवर की साफ-सफाई कर जल गंगा संवर्धन अभियान का किया समापन

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर परिषद लांजी में शासन के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के अन्तर्गत 30 जून तक अनेको कार्य किये गये तथा 30 जून को नगर के धार्मिक आस्था केन्द्र गणेश सरोवर की साफ सफाई आस पास पौधारोपण के साथ उक्त अभियान का समारोह पूर्वक समापन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार करांहे, सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। नगर परिषद लांजी में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विभिन्न कार्य जैसे रैन वाटर हार्वेस्टिंग, तालाबों/ बावडी/कुओं का गहरीकरण/सौंदर्यीकरण, हेण्ड पम्प सुधार कार्य, काशी नाली व नालियों की सफाई एवं एनसीसी के बच्चों के द्वारा पौधा रोपण कार्य किये गये। साथ ही इस अभियान से जुडने एवं उत्कृष्ट कार्य करने वालें नागरिक, जनप्रतिनिधिगण, सफाई कर्मियों, स्व-सहायता समूह की महिलाओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गए, साथ ही कार्यालय समिप स्थित गणेशी तालाब पाल पर पौधा रोपण भी किया गया। उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय राजकुमार करांहे विधायक लांजी/किरनापुर, श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले अध्यक्ष नगर परिषद, उपाध्यक्ष संदीप रामटेकर, सभापतिगण दिनेश कचवाहे, किशोर रामटेकर, श्रीमती शीखा गोस्वामी, श्रीमती कस्तुरा वाकडे एवं पार्षदगण सौरभ(मोनू) पशीने, श्रीमती तेजेश्वरी गोदुले, मुकेश रणदिवें, मनोनित पार्षद आलोक चौरसिया, अविनाश रैच, श्रीमती सुशीला दुग्गड, श्रीमती प्रगृति पालीवाल, विधायक प्रतिनिधि कैलाश गोस्वामी, सामाजिक कार्यकर्ता देवेश एडे, श्रीमती वीणा उपराडे, श्रीमती श्यामा मुरकुटे, विजय कुशले, संतोष दुरूगकर तथा डॉ. अक्षय उपराडे खण्ड चिकित्सा अधिकारी लांजी, संपूर्ण आयोजन मुख्य नगर पालिका अधिकारी मयूर वाहने के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में आयोजित किया गया। जिसमें परिषद के उपयंत्री, समस्त शाखा प्रभारी एवं कार्यालयीन अधिकारी कर्मचारियों की उपस्थित रही।

पुलिस थाना परिसर स्थित हनुमान मंदिर में संगीतमय सुन्दर काण्ड पाठ का आयोजन कर किया प्रसादी का वितरण

पद्मेश न्यूज। लांजी। पुराना पुलिस थाना परिसर लांजी में स्थित श्री हनुमान मंदिर में 30 जून को एसटीजी 24 हॉक फोर्स में पदस्थ सहायक सेनानी अखिलेश गौर और उनकी टीम के द्वारा मंदिर परिसर में संगीतमय सुन्दर काण्ड का आयोजन किया गया। बताते कि सहायक सेनानी अखिलेश गौर का स्थानानंतरण सीएसपी कोतवाली जबलपुर हो चुका है। जिसके चलते श्री गौर एवं उनकी पूरी टीम के द्वारा श्री हनुमान जी की कृपा से सुन्दर काण्ड का आयोजन किया गया। श्री हनुमान जी महाराज की विधि विधान से पूजा अर्चना आरती की जाकर सुन्दर काण्ड पाठ किया गया तथा मंदिर में 15 किलो का घंटा विधि पूर्वक पूजन अर्चन कर अर्पित किया गया। अंत में हॉकफोर्स के द्वारा महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस दौरान पुलिस थाना लांजी के सभी अधिकारी कर्मचारी, एसटीजी 24 हॉक फोर्स के सभी अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

महावीर इंटरनेशनल के मासिक नेत्र जांच शिविर संपन्न

पद्मेश न्यूज। लांजी। महावीर इंटरनेशनल लांजी जिला बालाघाट (रीजन-9) द्वारा 26 जून से 30 जून 2026 तक क्षेत्र में निःशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविरों का आयोजन किया गया। शिविर के माध्यम से बड़ी संख्या में ग्रामीणों को स्वास्थ्य परीक्षण, नेत्र जांच एवं आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श प्रदान कर सेवा कार्य किया गया। संस्था द्वारा लांजी, भानेगांव, कुम्हारीकला, बोलेगांव, घोटी, बहेला, साडरा, कांद्रीकला, रिसेवाड़ा एवं कारंजा सहित विभिन्न स्थानों पर शिविर आयोजित किए गए। शिविर में लोगों की स्वास्थ्य जांच के साथ उन्हें रोगों की रोकथाम, उपचार एवं बेहतर स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी भी दी गई।

शिविर का संचालन प्रशिक्षित चिकित्सक डॉ. कर्मवीर सिंह के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान सहयोगी अरशद खान एवं इंद्रकुमार राजा भुते ने भी सेवाएं प्रदान कीं। जांच के दौरान चयनित मरीजों को आगे के उपचार एवं स्वास्थ्य लाभ के लिए आवश्यक मार्गदर्शन तथा पूर्ण सहयोग उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया। महावीर इंटरनेशनल लांजी के पदाधिकारियों ने बताया कि संस्था का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना तथा जरूरतमंद लोगों तक निःशुल्क चिकित्सा सुविधा पहुंचाना है। संस्था भविष्य में भी इसी प्रकार के जनसेवा एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी।

7 दिवसीय सिविल डिफेंस कार्यशाला का हुआ समापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। डायरेक्टर जनरल होमगार्ड, नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन, भोपाल (म.प्र.) के निर्देशानुसार होमगार्ड, नागरिक सुरक्षा एवं एसडीईआरएफ बालाघाट द्वारा 24 जून से 30 जून 2026 तक आयोजित सात दिवसीय नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेंस) कार्यशाला का समापन मंगलवार को जिला कमांडेंट होमगार्ड/एसडीईआरएफ. बालाघाट ललित कुमार उद्दे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कुमार कौरव ने अपने संबोधन में कहा कि आपदा एवं आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि वे प्राप्त प्रशिक्षण का उपयोग समाज एवं राष्ट्रहित में करते हुए जनसेवा के कार्यों में सक्रिय योगदान दें। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को नागरिक सुरक्षा की भूमिका, आपदा प्रबंधन, प्राथमिक उपचार, खोज एवं बचाव (सर्च एंड रेस्क्यू), राहत कार्य तथा आपातकालीन परिस्थितियों में प्रभावी कार्रवाई से संबंधित विषयों का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

जिला कमांडेंट ललित कुमार उद्दे ने प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने पर शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में आपदा प्रबंधन एवं जनसेवा के कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला में श्याम सिंह धुर्वे (प्लाटून कमांडर, होमगार्ड/एसडीईआरएफ.) सहित एसडीईआरएफ. के करण सिंह वल्के, विशाल रजक, कमलेश मेरावी, विशेष कुतराहे, राजेश धुर्वे, आशीष खरोले तथा महिला सैनिक वर्षा तेकाम सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सहकार से समृद्धि के पांच स्वर्णिम वर्ष पूर्ण होने पर जिला सहकारी बैंक में हुआ सहकारी ध्वज वंदन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत सरकार के महत्वाकांक्षी अभियान सहकार से समृद्धि के पांच स्वर्णिम वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सोमवार को जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, बालाघाट मुख्यालय सहित जिले की सभी बैंक शाखाओं एवं पैक्स समितियों में सहकारी ध्वज वंदन एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक मृणाल मीना के मार्गदर्शन में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का शुभारंभ जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के मुख्यालय में बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) अभिनव सिंह बघेल ने सहकारी ध्वज वंदन एवं वृक्षारोपण कर किया। इसके साथ ही जिले की सभी बैंक शाखाओं और प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) में भी सहकारी ध्वज वंदन कर सहकारिता के प्रति समर्पण का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीईओ श्री बघेल ने कहा कि सहकारिता केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि सामूहिक विकास, आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में सहकारिता क्षेत्र को नई दिशा और गति देने के लिए किए गए प्रयासों से किसानों, ग्रामीण अर्थव्यवस्था तथा समाज के विभिन्न वर्गों को सशक्त बनाने में उल्लेखनीय सफलता मिली है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से सहकारिता की भावना

को और अधिक मजबूत करते हुए समृद्ध, आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रबंधक लेखा पी. जोशी, राजेश नागपुरे, अशोक भवरे, सतीश कोरी, श्रीमती सीमा दुबे, श्रीमती लता गौतम, धनेंद्र कटरे, सारंग बिसेन, श्रीमती रोशनी बिसेन, श्रीमती राजनंदनी परिहार, आशीष खोबरागड़े, देवेंद्र बोपचे सहित बैंक के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मौसम परिवर्तन के चलते आंगनवाड़ी केंद्रों का समय में हुआ बदलाव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मौसम में आए परिवर्तन को देखते हुए, महिला एवं बाल विकास विभाग ने जिले के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों के संचालन समय में संशोधन किया है। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी सुंड़ीयाल द्वारा मंगलवार 30 जून को इस संबंध में आदेश जारी कर दिये गए हैं।

जारी आदेश के अनुसार, ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए 22 अप्रैल 2026 से आंगनवाड़ी केंद्रों का संचालन प्रातः 7:30 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक किया जा रहा था। वर्तमान मौसमीय परिस्थितियों को देखते हुए इस आदेश में संशोधन कर अब सभी आंगनवाड़ी केंद्रों का संचालन पूर्व निर्धारित समयानुसार प्रातः 9:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक किया जाएगा।

नई समय-सारणी के अनुसार सुबह 9 बजे बच्चों के स्वागत एवं आंगनवाड़ी संचालन की शुरुआत होगी। इसके बाद शाला पूर्व शिक्षा, सामुदायिक गतिविधियां, पूरक पोषण आहार, स्वतंत्र एवं रचनात्मक खेल, भाषा एवं साक्षरता विकास, बाहरी खेल गतिविधियां तथा दोपहर में भोजन वितरण कराया जाएगा। दोपहर बाद थर्ड मील वितरण, पोषण परामर्श, वृद्धि निगरानी, किशोरी बालिका योजना अंतर्गत गतिविधियां, गृह भेंट एवं अन्य विभागीय कार्य संपादित किए जाएंगे। शाम 4 बजे तक रिकॉर्ड संधारण के साथ केंद्र का दैनिक कार्य पूर्ण होगा।

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री सुंड़ीयाल ने सभी परियोजना अधिकारियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं संबंधित स्व-सहायता समूहों को संशोधित समय-सारणी का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

सिकंद्रा में विद्युत करेंट से ३ वानर की हुई मौत

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर से सटी ग्राम पंचायत सिकंद्रा के पंचायत भवन के पास विद्युत करेंट लगने से तीन वानर की मौत हो गई। मामले में वन विभाग के द्वारा वानरों के शव बरामद कर नष्ट करने की कार्यवाही की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान में बारिश का मौसम प्रारंभ हो गया है जिसके चलते मौसम की दूसरी झमाझम बारिश २९ जून की दोपहर में प्रारंभ हुई। इस दौरान करीब डेढ़ घंटे अच्छी बारिश होने से ग्राम में घूम रहे वानर पंचायत भवन के पेड़ों पर खेल रहे थे। जो बारिश रुकने के बाद विद्युत पोल पर चढ़े जहां करेंट लगने से तीन वानर की मौत हो गई। उनके नीचे गिरते ही ग्रामीणों के द्वारा वानरों को पंचायत भवन में उठाकर रखवा दिया गया। वहीं घटना की जानकारी वन विभाग को दी गई। जिसमें ३० जून को वन विभाग के द्वारा तीनों वानर के शव पंचायत से बरामद कर परिक्षेत्र कार्यालय लाया गया। जहां पर विधिवत कार्यवाही के उपरांत उनका पोस्टमार्टम कर शव को नष्ट करने के कार्यवाही की गई।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

हाईकोर्ट के आदेश से पहले नहीं होंगे प्रमोशन

कानूनी सलाह के बाद सरकार बैकफुट पर, फैसला आते ही प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी

भोपाल । मध्य प्रदेश के करीब साढ़े चार लाख सरकारी कर्मचारियों को लंबे समय से इंतजार करा रही पदोन्नति प्रक्रिया एक बार फिर कानूनी पेच में फंस गई है। सरकार ने कर्मचारियों को प्रमोशन देने की दिशा में कदम बढ़ाए जरूर थे, लेकिन अब हाईकोर्ट की अवमानना की आशंका के चलते फिलहाल पूरी प्रक्रिया रोक दी गई है। सरकार ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि हाईकोर्ट का अंतिम निर्णय आने के बाद ही पदोन्नति पर कोई फैसला लिया जाएगा।

सूत्रों के मुताबिक, सरकार ने हाल ही में पदोन्नति प्रक्रिया शुरू करने की संभावनाओं पर विधि एवं विधायी कार्य विभाग और वरिष्ठ कानून विशेषज्ञों से राय ली थी। विभाग ने स्पष्ट सलाह दी कि मामला न्यायालय में विचाराधीन होने और सरकार द्वारा पूर्व में कोर्ट के समक्ष दिए गए आश्वासन को देखते हुए अभी प्रमोशन शुरू करना अवमानना की श्रेणी में आ सकता है।

कोर्ट को दिए आश्वासन ने बढ़ाई सरकार की मुश्किल

जानकारी के अनुसार, पिछले वर्ष हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान सरकार ने यह भरोसा दिलाया था कि न्यायालय का फैसला आने तक पदोन्नति प्रक्रिया शुरू नहीं की जाएगी। भले ही यह लिखित अंडरटेकिंग के रूप में दर्ज नहीं हुई, लेकिन अदालत में मौखिक रूप से सरकार की ओर से यही रुख रखा गया था, जिसके वीडियो रिकॉर्ड भी उपलब्ध बताए जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में यदि सरकार अभी प्रमोशन आदेश जारी करती है और कोई कर्मचारी संगठन या याचिकाकर्ता इसे अदालत में चुनौती देता है, तो सरकार के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की आशंका बन सकती है। इसी वजह से सरकार ने फिलहाल कोई जोखिम नहीं लेने का निर्णय लिया है।

दस साल से रुकी पदोन्नति

प्रदेश में वर्ष 2016 से पदोन्नति पर रोक लगी हुई है। सुप्रीम कोर्ट में लंबित याचिकाओं और आरक्षण संबंधी विवादों के कारण प्रमोशन प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। इसका सबसे बड़ा असर कर्मचारियों के कैरियर पर पड़ा है। पिछले लगभग दस वर्षों में एक लाख से अधिक अधिकारी और कर्मचारी बिना पदोन्नति पाए ही सेवानिवृत्त हो चुके हैं। सरकारी कर्मचारियों के बीच लगातार बढ़ते असंतोष को देखते हुए मोहन सरकार ने 17 जून 2025 को मध्य प्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम-2025 को मंजूरी दी थी। इसके बाद विभिन्न विभागों ने विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठकें बुलाने की तैयारी भी शुरू कर दी थी।

नई नियमावली पर हाईकोर्ट ने लगा दी थी रोक

सरकार की नई पदोन्नति नीति को सामान्य वर्ग के कुछ कर्मचारियों ने हाईकोर्ट की जबलपुर पीठ में चुनौती दी। 7 जुलाई 2025 को पहली ही सुनवाई में हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई तक प्रमोशन प्रक्रिया पर रोक लगाने के निर्देश दिए। सरकार ने भी अदालत के समक्ष इस पर सहमति व्यक्त की, जिसके बाद सभी 54 विभागों में प्रमोशन प्रक्रिया ठप हो गई। इस मामले की सुनवाई तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा और न्यायमूर्ति विनय सराफ की खंडपीठ ने की। 17 फरवरी 2026 को सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया गया था। हालांकि आदेश आने से पहले ही मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा का सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नयन हो गया और न्यायमूर्ति विनय सराफ का तबादला इंदौर पीठ हो गया। अब इस मामले की सुनवाई नई पीठ करेगी, जिससे निर्णय आने में और समय लग सकता है।

सरकार ने तैयारी नहीं रोकी, 2029 तक की सीनियरिटी लिस्ट मांगी

भले ही प्रमोशन फिलहाल रुका हो, लेकिन सरकार ने भविष्य की तैयारियां तेज कर दी हैं। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने करीब 20 विभागों को वर्ष 2029 तक की अद्यतन सीनियरिटी सूची तैयार कर शीघ्र भेजने के निर्देश दिए हैं। सोमवार को मंत्रालय में उप सचिव स्तर के अधिकारियों की बैठक में सभी विभागों से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अनारक्षित वर्ग के अधिकारियों-कर्मचारियों का पूरा सेवा रिकॉर्ड अपडेट करने को कहा गया। साथ ही जनवरी और जुलाई में नियमित रूप से सीनियरिटी सूची अपडेट करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

फैसला आते ही तत्काल होंगे प्रमोशन

सरकार का उद्देश्य है कि जैसे ही हाईकोर्ट से हरी झंडी मिले, विभागों को अलग से तैयारी का समय न लगे और तुरंत विभागीय पदोन्नति समितियों की बैठकें आयोजित कर आदेश जारी किए जा सकें। इसलिए सभी विभागों को अधिकारियों और कर्मचारियों की सीनियरिटी, रिक्त पदों और प्रमोशन संबंधी रिकॉर्ड पूरी तरह अपडेट रखने के निर्देश दिए गए हैं।

युवाओं के लिए भी खुलेंगे रोजगार के अवसर

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि लंबे समय से रुकी पदोन्नति प्रक्रिया शुरू होती है तो बड़ी संख्या में वरिष्ठ पद खाली होंगे। इससे विभागों में नई भर्ती का रास्ता खुलेगा और हजारों युवाओं को सरकारी नौकरी के अवसर मिल सकेंगे। फिलहाल प्रदेश के करीब 4.5 लाख कर्मचारी हाईकोर्ट के फैसले का इंतजार कर रहे हैं, जिस पर उनके कैरियर की अगली दिशा तय होगी।

निकाय चुनाव से पहले भाजपा का संगठनात्मक मास्टरस्ट्रोक

183 नगरीय निकायों में एल्डरमैन नियुक्त कर स्थानीय नेतृत्व को सक्रिय करने की तैयारी

भोपाल। मध्य प्रदेश में अगले वर्ष प्रस्तावित नगरीय निकाय चुनाव से पहले भाजपा और राज्य सरकार ने संगठनात्मक मजबूती के लिए बड़ा राजनीतिक कदम उठाने की तैयारी कर ली है। सरकार प्रदेश के 183 नगरीय निकायों में 1,080 एल्डरमैन (नॉन-वोटिंग पार्षद) नियुक्त करने जा रही है। इन नियुक्तियों को आगामी चुनावों से पहले स्थानीय स्तर पर पार्टी संगठन को सक्रिय करने और चुनावी तैयारियों को धार देने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।

सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इन नियुक्तियों को सैद्धांतिक मंजूरी दे चुके हैं। अब नगरीय विकास एवं आवास विभाग जल्द ही नियुक्ति संबंधी आदेश जारी कर सकता है। एल्डरमैन बनने वाले नेताओं को स्थानीय निकायों में प्रशासनिक बैठकों और विकास कार्यों में भागीदारी का अवसर मिलेगा, जिससे वे चुनाव से पहले संगठन और जनता के बीच सक्रिय भूमिका निभा सकेंगे।

183 निकायों में होंगे 1,080 एल्डरमैन

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने राज्य सरकार को 1,080 एल्डरमैन नियुक्त करने का प्रस्ताव भेजा है। प्रस्ताव के अनुसार प्रदेश के 16 नगर निगमों में 105, 53 नगरपालिकाओं में 325 और 114 नगर परिषदों में 650 एल्डरमैन नियुक्त किए जाएंगे। इनका कार्यकाल लगभग एक वर्ष का होगा, क्योंकि जुलाई 2027 में नगरीय निकाय चुनाव प्रस्तावित हैं।

तीन महीने से अटकी हैं 768 नियुक्तियां

सरकार इससे पहले भी 169 नगरीय निकायों में 768 एल्डरमैन नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू कर चुकी है। इसके लिए 29 मार्च को आदेश जारी किए गए थे। इनमें 123 नगर परिषद और 46 नगरपालिकाएं शामिल थीं। हालांकि पुलिस सत्यापन की प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण तीन महीने बाद भी इन नियुक्तियों का अंतिम नोटिफिकेशन जारी नहीं हो सका। नतीजतन यह पूरी कवायद अब तक फाइलों में ही अटकी हुई है।

आबादी के आधार पर तय होगा एल्डरमैन का कोटा

सरकार ने एल्डरमैन नियुक्ति के लिए स्पष्ट मानक तय किए हैं। 10 लाख से अधिक आबादी वाले नगर निगमों में 12-12 एल्डरमैन नियुक्त किए जाएंगे, जबकि 10 लाख से कम आबादी वाले नगर निगमों में 8-8 एल्डरमैन होंगे। नगरपालिकाओं में 6-6 और नगर परिषदों में 4-4 एल्डरमैन नियुक्त करने का प्रावधान रखा गया है।

चुनावी तैयारी को मिलेगी नई धार

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि एल्डरमैन नियुक्तियों के जरिए भाजपा अपने सक्रिय कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं को जिम्मेदारी देकर चुनावी मशीनरी को पहले से अधिक मजबूत करना चाहती है। इससे बूथ और वार्ड स्तर पर संगठन की पकड़ मजबूत होगी और स्थानीय मुद्दों पर पार्टी की सक्रियता बढ़ेगी। एल्डरमैन भले ही मतदान का अधिकार नहीं रखते, लेकिन नगर निकायों की बैठकों में भाग लेकर विकास योजनाओं पर सुझाव दे सकते हैं। यही कारण है कि चुनाव से पहले इन नियुक्तियों को भाजपा की महत्वपूर्ण राजनीतिक रणनीति माना जा रहा है।

बैतूल को मिल सकता है नगर निगम का दर्जा

26 ग्राम पंचायतों को शहरी सीमा में शामिल करने की तैयारी

भोपाल। मध्य प्रदेश में अगले साल होने वाले नगरीय निकाय चुनाव से पहले बैतूल को नगर निगम का दर्जा मिल सकता है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के निर्देश के बाद बैतूल कलेक्टर ने प्रस्तावित नगर निगम की सीमा में शामिल की जाने वाली 26 ग्राम पंचायतों की जांच और अध्ययन शुरू कर दिया है। कलेक्टर की रिपोर्ट के आधार पर राज्य सरकार बैतूल को नगर निगम बनाने पर अंतिम फैसला लेगी। बैतूल को नगर निगम बनाने की चर्चा इसलिए भी तेज है क्योंकि यह क्षेत्र भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल का विधानसभा क्षेत्र है। नगर निगम बनाने की प्रक्रिया के तहत जनपद पंचायत बैतूल की मुख्य कार्यपालन अधिकारी शिवानी राय ने प्रस्तावित ग्राम पंचायतों में कार्यरत कर्मचारियों की जानकारी जुटाई है। इसमें पंचायत सचिव, रोजगार सहायक सहित अन्य कर्मचारियों का विवरण तैयार किया गया है। यह रिपोर्ट एसडीएम और एसडीओ राजस्व के माध्यम से कलेक्टर तक पहुंचाई गई है। बताया जा रहा है कि इस संबंध में बैतूल विधायक और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की मौजूदगी में कलेक्टर के साथ बैठक भी हो चुकी है। इसके बाद प्रस्तावित क्षेत्रों की जानकारी और प्रशासनिक जांच की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई है।

इन 26 ग्राम पंचायतों को किया जा सकता है शामिल

बैतूल नगर निगम सीमा में शामिल करने के लिए जिन ग्राम पंचायतों को प्रस्तावित किया गया है, उनमें कढ़ाई, दनोरा (भ), बड़ोरा, आरूल, बाजपुर, भैंसदेही, खेड़ली, मरामझिरी, टेमनी, जामठी, खेड़ला, डहरगांव, खेड़ी सांवलीगढ़, महदगांव, भडूस, कुम्हारटेक, भोगीतेड़ा, रोढ़ा, सूरगांव, भरकावाड़ी, खंडारा, मलकापुर, मिलानपुर, बयावाड़ी, ढोड़वाड़ा और खड़ला शामिल हैं।

छह माह में हो सकता है फैसला

अगर बैतूल को नगर निगम बनाने का फैसला होता है तो वर्ष 2027 के नगर निकाय चुनाव से पहले प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इसके लिए इन गांवों को पंचायत से नगर निगम सीमा में शामिल करने का प्रस्ताव कैबिनेट से मंजूर कराया जाएगा। इसके बाद इन क्षेत्रों की मतदाता सूची को पंचायत से हटाकर नगर निगम की मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी होने के लिए यह भी जरूरी होगा कि प्रस्तावित क्षेत्रों की आबादी नगर निगम के निर्धारित मापदंडों को पूरा करे।

प्रदेश में अभी 16 नगर निगम

मध्यप्रदेश में वर्तमान में 16 नगर निगम हैं। इनमें इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, सागर, रीवा, सतना, सिंगरौली, छिंदवाड़ा, रतलाम, उज्जैन, मुरैना, कटनी, देवास, खंडवा और बुरहानपुर शामिल हैं।

दोषियों को अवश्य मिलेगा महादंड

भोपाल । भोपाल पहुंचे बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने मंगलवार को राम मंदिर से जुड़े हालिया विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस घटना से करोड़ों रामभक्तों की आस्था और सनातन परंपरा से जुड़े लोगों की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है। उन्होंने कहा कि यह केवल किसी एक मंदिर का मामला नहीं, बल्कि पूरे सनातन समाज की प्रतिष्ठा और विश्वास से जुड़ा विषय है। धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि रामजी के धाम में रहकर यदि कोई कुकृत्य करता है, तो उसे महादंड अवश्य मिलेगा। उन्होंने धार्मिक ग्रंथों का जिक्र करते हुए कहा कि रावण ने माता जानकी का अपहरण किया था, जिसका परिणाम उसका समूल नाश हुआ। इसी प्रकार धर्मस्थलों की पवित्रता भंग करने वालों को भी उनके कर्मों का फल अवश्य मिलेगा। उन्होंने कहा कि मंदिरों की व्यवस्था और संचालन की जिम्मेदारी केवल उन लोगों को मिलनी चाहिए, जो सनातन धर्म और उसकी परंपराओं के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित हों।

मंत्री प्रतिमा बागरी की बढ़ीं मुश्किलें!

भोपाल। प्रदेश की नगरीय प्रशासन राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी के जाति प्रमाण-पत्र विवाद में राज्य स्तरीय छानबीन समिति ने उन्हें नोटिस जारी किया है। समिति ने मंत्री बागरी को 6 जुलाई को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। मंत्री बागरी से कहा गया है कि छानबीन समिति के समक्ष उपस्थित होने के दौरान वे वर्ष 1950 की स्थिति के अनुसार सतना के निवासी होने तथा स्वयं को बागरी अनुसूचित जाति का सदस्य होने संबंधी प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। इसके लिए सभी आवश्यक दस्तावेज छानबीन समिति के समक्ष पेश करने होंगे।

जनजातीय कार्य विभाग के आयुक्त कार्यालय ने यह नोटिस मंगलवार को जारी किया है। यह नोटिस बागरी के जाति प्रमाण-पत्र को लेकर की गई शिकायत पर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट द्वारा छानबीन समिति को 60 दिन के भीतर प्रमाण-पत्र की वैधता पर निर्णय लेने के निर्देश दिए जाने के मद्देनजर जारी किया गया है। इस नोटिस के बाद राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी का जाति प्रमाण-पत्र विवाद एक बार फिर चर्चा में आ गया है।

इससे पहले हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने याचिकाकर्ता एवं एससी कांग्रेस के अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार की याचिका पर यह आदेश दिया था। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि छानबीन समिति संबंधित पक्ष को बुलाकर निर्धारित प्रक्रिया के तहत जांच करेगी और यह तय करेगी कि प्रतिमा बागरी के पक्ष में जारी अनुसूचित जाति (एससी) का प्रमाण-पत्र वैध है या नहीं। जांच पूरी होने के बाद समिति उचित आदेश पारित करेगी। हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया था कि यदि 30 जून 2026 तक समिति कोई निर्णय नहीं लेती है, तो याचिकाकर्ता को इस याचिका को पुनर्जीवित (रिवाइव) कराने की स्वतंत्रता होगी। कांग्रेस नेता प्रदीप अहिरवार ने याचिका दायर की थी। जिसमें आरोप लगाया गया कि प्रतिमा बागरी ने गलत तरीके से अनुसूचित जाति का प्रमाण-पत्र बनवाकर आरक्षण का लाभ लिया और उसी आधार पर सतना जिले की रैगांव विधानसभा सीट से चुनाव जीतकर मंत्री पद हासिल किया। याचिकाकर्ता का दावा है कि बागरी जाति संबंधित क्षेत्र में अनुसूचित जाति की सूची में शामिल नहीं है और मंत्री वास्तव में राजपूत/ठाकुर समुदाय से संबंध रखती हैं। द्व

मुख्यमंत्री भूमि मामले पर जवाब दें या इस्तीफा दें- जीतू पटवारी

कांग्रेस 15 जुलाई को करेगी मुख्यमंत्री आवास का घेराव, पूरे प्रदेश में चलाएगी चरणबद्ध आंदोलन

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव से उज्जैन भूमि प्रकरण सहित विभिन्न आरोपों पर सार्वजनिक रूप से स्पष्टीकरण देने की मांग की। यह मांग जीतू पटवारी,पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह तथा मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित संयुक्त पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए की।

जीतू पटवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री की चुप्पी लोकतांत्रिक जवाबदेही के विपरीत है और यदि आरोपों का संतोषजनक उत्तर नहीं दिया जाता तो उन्हें पद छोड़ देना चाहिए। पटवारी ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में अयोध्या से लेकर महाकाल तक आस्था और सार्वजनिक संसाधनों से जुड़े मामलों में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि उज्जैन भूमि प्रकरण में लगातार नए तथ्य सामने आ रहे हैं और इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच आवश्यक है। उन्होंने बताया कि प्रदेश कांग्रेस की राजनीतिक मामलों की समिति (क्क्रष्ट) की बैठक में तीन प्रमुख विषयों पर चर्चा हुई—युवाओं और शिक्षा से जुड़े मुद्दे, किसानों को खाद-बीज उपलब्ध कराने में आ रही परेशानियां तथा उज्जैन भूमि प्रकरण। इन सभी विषयों पर कांग्रेस प्रदेशव्यापी आंदोलन चलाएगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने बताया कि कांग्रेस संभाग एवं जिला स्तर पर पत्रकार वार्ताएं आयोजित करेगी। एक विशेष पोर्टल भी शुरू किया जाएगा, जिसके माध्यम से जनता मुख्यमंत्री एवं मंत्रियों की कथित संपत्तियों और भ्रष्टाचार संबंधी जानकारी गोपनीय रूप से साझा कर सकेगी। और जानकारी देने वालों का नाम गोपनीय रखा जाएगा,प्राप्त जानकारियों के आधार पर उचित समय पर तथ्य सार्वजनिक किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि विधानसभा सत्र में भी मुख्यमंत्री से इस मामले में जवाब मांगा जाएगा। जिस जिले में मुख्यमंत्री का दौरा होगा, वहां कांग्रेस के जिलाध्यक्ष उनसे सार्वजनिक रूप से सवाल पूछेंगे। कांग्रेस नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल नेता प्रतिपक्ष के नेतृत्व में राज्यपाल से मिलकर मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग करेगा। पटवारी ने कहा कि जुलाई माह के अंत तक बड़ी संख्या मे कांग्रेस कार्यकर्ता उज्जैन पहुंचकर लोकतांत्रिक तरीके से विरोध दर्ज कराएंगे और 15 जुलाई को भोपाल में मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि एक रुपये की लीज पर भूमि आवंटन के मामलों में किन-किन ट्रस्टों और संगठनों को लाभ पहुंचाया गया तथा इस संबंध में सरकार को जवाब देना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि कांग्रेस पूरी तरह एकजुट है और मुख्यमंत्री से जुड़े भूमि प्रकरण की गंभीरता से जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी इस मुद्दे को तार्किक और लोकतांत्रिक तरीके से अंत तक उठाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कांग्रेस नेतृत्व के बीच मतभेद की जो बातें प्रचारित की जा रही हैं, वे पूरी तरह भ्रामक और निराधार हैं। कांग्रेस एकजुट होकर जनता के हितों के लिए संघर्ष करती रहेगी।

10 साल की सेवा के बावजूद नहीं मिली स्थायी नौकरी

बच्चों को हुनर सिखाने वाले खुद बेरोजगार, भोपाल में सैकड़ों व्यावसायिक प्रशिक्षकों का बेमुद्दत धरना

भोपाल । प्रदेश के सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को रोजगारपरक और कौशल आधारित शिक्षा देने वाले हजारों व्यावसायिक प्रशिक्षक अब खुद अपने रोजगार और अधिकारों की लड़ाई लडने् सडक् पर उतर आए हैं। नवीन व्यावसायिक शिक्षा प्रशिक्षक महासंघ के बैनर तले राजधानी भोपाल के आंबेडकर पार्क में प्रदेशभर से पहुंचे प्रशिक्षक अनिश्चितकालीन धरना दे रहे हैं। प्रशिक्षकों का आरोप है कि 10 वर्षों से लगातार सेवाएं देने के बावजूद उन्हें न स्थायी नौकरी मिली, न सम्मानजनक वेतन, न सामाजिक सुरक्षा और न ही वैधानिक अवकाश जैसी बुनियादी सुविधाएं।

आंदोलन में शामिल प्रशिक्षकों ने कहा कि वे स्कूलों में स्किल इंडिया योजना के तहत विद्यार्थियों को हुनरमंद बनाते हैं, लेकिन खुद आर्थिक संकट में जीवन बिताने को मजबूर हैं। उनका कहना है कि कई-कई महीनों तक वेतन नहीं मिलता, हर साल टेंडर प्रक्रिया के नाम पर नौकरी असुरक्षित बनी रहती है और कई बार बिना किसी लिखित आदेश के केवल व्हाट्सएप संदेश भेजकर सेवा से अलग कर दिया जाता है। महासंघ के प्रदेश पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि भारत सरकार पूरे 12 महीने का बजट जारी करती है, लेकिन मध्य प्रदेश में प्रशिक्षकों से केवल 10 महीने काम लिया जाता है। वर्तमान में उन्हें सिर्फ 20 हजार रुपये मानदेय दिया जा रहा है, जबकि अन्य राज्यों में इससे कहीं अधिक वेतन मिल रहा है। प्रशिक्षकों ने वार्षिक वेतनवृद्धि लागू करने की भी मांग उठाई।

महिला प्रशिक्षकों ने सुनाई पीड़ा

धरने में बड़ी संख्या में महिला प्रशिक्षक भी शामिल हुईं। महिला प्रतिनिधियों ने बताया कि प्रदेश में करीब छह हजार महिला व्यावसायिक प्रशिक्षक कार्यरत हैं, लेकिन उन्हें मातृत्व अवकाश जैसी बुनियादी सुविधा भी नहीं मिलती। कई महिलाएं गर्भावस्था और ऑपरेशन के बाद भी आंदोलन में शामिल होने को मजबूर हुई हैं। उनका कहना है कि सरकार से वे कोई अतिरिक्त सुविधा नहीं, बल्कि अपना वैधानिक अधिकार मांग रही हैं।

सरकार तक पहुंचाई आवाज, समाधान नहीं

प्रशिक्षकों का कहना है कि वे मुख्यमंत्री, स्कूल शिक्षा मंत्री और विभागीय अधिकारियों तक अपनी समस्याएं कई बार पहुंचा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक फैसला नहीं होता, तब तक भोपाल में अनिश्चितकालीन आंदोलन जारी रहेगा।

आंदोलनकारियों की प्रमुख मांगें

- 12 महीने की सेवा और पूर्ण जॉब सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- सम्मानजनक वेतन वृद्धि और हर वर्ष 5 से 10 प्रतिशत वार्षिक इंक्रीमेंट लागू किया जाए।
- आकस्मिक अवकाश, मेडिकल लीव और सवैतनिक मातृत्व अवकाश की सुविधा दी जाए।
- व्यावसायिक प्रशिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए स्थायी विभागीय समिति बनाई जाए।

समान नागरिक संहिता समेत 11 विधेयक ला सकती है मोहन सरकार

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के 20 जुलाई से शुरू हो रहे पांच दिवसीय मानसून सत्र में सरकार कई महत्वपूर्ण विधेयक सदन के पटल पर रख सकती है। विभिन्न विभागों द्वारा तैयार किए गए प्रस्तावों की सूची के अनुसार करीब 11 अहम विधेयकों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया चल रही है। इनमें सबसे अधिक चर्चा समान नागरिक संहिता (यूसीसी) और मध्य प्रदेश अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विधेयक, 2026 से जुड़े संभावित विधेयक को लेकर है। मुख्यमंत्री मानसून सत्र में यूसीसी का विधेयक पेश करने की बात कह चुके हैं। वहीं, यूसीसी के लिए गठित समिति ने भी यूसीसी के ड्रॉफ्ट को करीब करीब अंतिम रूप दे दिया गया है। इसे जल्द ही सरकार को सौंपा जाएगा, इसके बाद ड्रॉफ्ट को कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद विधेयक को सदन में पेश किया जाएगा। वहीं, नगरीय विकास एवं आवास विभाग मध्य प्रदेश अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विधेयक, 2026 का ड्रॉफ्ट भी तैयार हो गया है। इसमें प्रदेश में बढ़ते शहरीकरण, ऊंची इमारतों और औद्योगिक विकास को देखते हुए मध्य प्रदेश सरकार अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं को और अधिक सशक्त बनाने के प्रावधान किए गए हैं। वित्त विभाग की ओर से मध्य प्रदेश विनियोग विधेयक, 2026 तथा मध्य प्रदेश उपकर (संशोधन) विधेयक, 2026 लाए जाने की तैयारी है।

उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) संशोधन विधेयक, 2026 तथा मध्य प्रदेश निजी कोचिंग संस्थान (रजिस्ट्रेशन एवं विनियमन) विधेयक, 2026 सदन में प्रस्तुत कर सकता है। दोनों विधेयकों का विधि विभाग स्तर पर परीक्षण और परिमार्जन किया जा चुका है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मध्य प्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज (संशोधन) विधेयक, 2026 लाने की तैयारी में है। वहीं विधि एवं विधायी कार्य विभाग मध्य प्रदेश नागरिक सुरक्षा संहिता (मध्य प्रदेश संशोधन) विधेयक, 2026 पर आगे की प्रक्रिया पूरी कर रहा है। इसके अलावा श्रम विभाग मध्य प्रदेश श्रम संहिता, 2026 तथा लोक निर्माण विभाग मध्य प्रदेश राजमार्ग (संशोधन) विधेयक, 2026 भी सदन में प्रस्तुत कर सकता है।

अब हर चुनाव में डमी प्रत्याशी तैयार रखेगी कांग्रेस पार्टी

भोपाल। प्रदेश में कई उदाहरणों से सबक लेते हुए प्रदेश कांग्रेस चुनावों में अपने प्रत्याशियों को लेकर सतर्कता बरतेगी। वह लोकसभा और विधानसभा के साथ ही नगरीय निकाय चुनावों में अब अपने डमी प्रत्याशी भी तैयार रखेगी, जिससे आवश्यकता पडने् पर उसे पार्टी की ओर से चुनाव मैदान में उतारा जा सके।

दरअसल, डमी प्रत्याशी न होने से पार्टी चुनाव मैदान से बाहर हो जाती है। इससे कार्यकर्ताओं को मनोबल टूटता है। प्रदेश में एक नहीं कई बार ऐसे अवसर आ चुके हैं, जब भाजपा को चुनाव में वाकओवर मिला हो। 2024 के लोकसभा चुनाव के समय इंदौर से कांग्रेस ने अक्षय कांति बम को प्रत्याशी बनाया था, लेकिन वह ऐन वक्त पर पार्टी छोड़ भाजपा में चले गए।

इंग्लैंड के खिलाफ जीत से शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

वैभव को मिल सकता है डेब्यू का अवसर : मैच भारतीय समयानुसार रात 10 बजे शुरू होगा

चेस्टर ली स्ट्रीट। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को इससे पहले आयरलैंड जैसी कमजोर टीम से हार का सामना करना पड़ा था। जिससे मिले सबक को ध्यान में रखने हुए भारतीय टीम का लक्ष्य बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच खेलने हैं।

इस सीरीज के पहले मैच में 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को डेब्यू का अवसर मिलेगा या नहीं ये देखना होगा। सहायक कोच रेयान टेन डोएशे ने स्पष्ट किया है कि सूर्यवंशी को भी अन्य खिलाड़ियों की तरह एकादश में जगह बनाने के लिए प्रक्रिया से गुजरना होगा और सही समय का इंतजार करना होगा।, उन्होंने हालांकि वैभव की प्रशंसा करते हुए उसे योग्य बताया है। डोएशे ने माना है कि आयरलैंड से मिली 0-2 की हार के बाद टीम में निराशा है, जिससे बड़े बदलावों की संभावना बढ़ गई है।

गौरतलब है कि सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन आयरलैंड के खिलाफ दोनो ही मैच में असफल रहे थे। ऐसे में उन्हें आराम देकर अभिषेक शर्मा के साथ वैभव को पारी की शुरुआत करने का अवसर मिला सकता है। सैमसन के अलावा ईशान किशन भी आयरलैंड के खिलाफ असफल रहे थे। ऐसे में प्रबंधन उन्हें भी बाहर कर सकता है।

इंग्लैंड में सफलता के लिलए भारतीय बल्लेबाजों को अपनी सोच और खेलने के तरीके में तुरंत बदलाव करना होगा, क्योंकि इंग्लैंड में बेलफास्ट की तरह ही तेज और उछाल वाली पिचें हैं। बेलफास्ट में भारतीय बल्लेबाज असफल रहे थे।

इंग्लैंड के पास जोफ्रा आर्चर, जोश टंग जैसे तेज गेंदबाज और आदिल रशीद, रेहान अहमद जैसे अच्छे स्पिनर हैं। अगर भारतीय बल्लेबाज इन गेंदबाजों के खिलाफ हालात से तालमेल बिठाने में असफल रहे तो उसके लिए जीतना कठिन होगा। मेजबान टीम को घरेलू हालातों का भी लाभ मिलेगा।

इंग्लैंड के पास कप्तान हैरी ब्रूक के अलाव जोस बटलर, जोर्डन कॉक्स और फिल सॉल्ट जैसे बेहतरीन बल्लेबाज हैं। आयरलैंड के खिलाफ दोनों मैच में भारतीय गेंदबाज शुरुआती पकड़ बनाने के बाद बीच के ओवरों में विरोधी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में असफल रहे थे जिससे मैच हाथ से फिसल गया था। इस बार ऐसा हुआ तो इंग्लैंड के बल्लेबाज आसानी से जीत हासिल कर लेंगे। इसलिए भारतीय गेंदबाजों को कसी हुई गेंदबाजी करनी होगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत- श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, सूर्यांश शेडगे, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, इशान किशन, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी।

इंग्लैंड- हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, सोनी बेकर, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, जेम्स कोल्स, जोर्डन कॉक्स, सैम कुरन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, साकिब महमूद, आदिल राशिद, फिल सॉल्ट, जोश टंग और ल्यूक वुड।

भारत-इंग्लैंड टी20 सीरीज का कार्यक्रम

लंदन। भारत और इंग्लैंड की क्रिकेट टीम यहां एक जुलाई (बुधवार) से पांच मेचों की टी20 सीरीज के लिए उतरेगी। इसके बाद तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेली जाएगी। टी20 सीरीज का पहला मैच चेस्टर-ले-स्ट्रीट के रिवरसाइड ग्राउंड में खेला जाएगा। यह सीरीज दोनों ही टीमों के लिए महत्वपूर्ण है। यह पांच मैचों की टी20 सीरीज इंग्लैंड के विभिन्न प्रतिष्ठित क्रिकेट मैदानों पर खेली जाएगी, जिससे दर्शकों को अलग-अलग शहरों में रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। सीरीज का पूरा कार्यक्रम, स्थल और समय (भारतीय समयानुसार) इस प्रकार है-

भारतीय 20 टीम की कप्तानी श्रेयस अय्यर के पास जबकि उपकप्तानी तिलक वर्मा के पास रहेगी। टीम में संजू सैमसन और ईशान किशन जैसे अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाजों के साथ-साथ अभिषेक शर्मा, सुर्यांश शेडगे, वैभव सूर्यवंशी और प्रिंस यादव जैसे कई युवा खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं गेंदबाजी के लिए प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह तेज आक्रमण संभालेंगे, वहीं रवि बिश्नोई, अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर स्पिन विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे।

वहीं दूसरी ओर, इंग्लैंड की टीम की कप्तानी हैरी ब्रूक करेंगे। टीम में तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की वापसी हुई है। टीम में रेहान अहमद, सॉनी बेकर, टॉम बैंटन, जोस बटलर, सैम करन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, साकिब महमूद, आदिल रशीद, फिल सॉल्ट, जोश टंग और ल्यूक वुड जैसे मजबूत खिलाड़ी शामिल हैं।

सीरीज का कार्यक्रम इस प्रकार है -

पहला टी20- 1 जुलाई, रिवरसाइड ग्राउंड, चेस्टर-ले-स्ट्रीट (रात 10:00 बजे)
दूसरा टी20- ओल्ड ट्रैफर्ड, मैनचेस्टर (शाम 7:00 बजे)
तीसरा टी20- ट्रेंट ब्रिज, नॉटिंघम (रात 10:00 बजे)
चौथा टी20- काउंटी ग्राउंड, ब्रिस्टल (रात 10:00 बजे)
पांचवां टी20- रोज़ बाउल, साउथैम्पटन (शाम 7:00 बजे)!

एशियाई खेलों के लिए हरमनप्रीत की कप्तानी बरकरार, यास्तिका की जगह कमलिनी शामिल

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने जापान में होने वाले आगामी एशियाई खेलों 2026 के लिए 15 सदस्यीय भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित कर दी है। टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर के पास ही रहेगी। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम को टी20 विश्वकप में हार का सामना करना पड़ा है पर इसके बाद भी बोर्ड का उनपर भरोसा बना हुआ है। ऐसे में हरमनप्रीत का लक्ष्य एशियाई खेलों में भारतीय टीम को खिताब जिताना रहेगा। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ही 17 साल की एक उभरती हुई क्रिकेटर जी. कमलिनी को भी पहली बार शामिल किया गया है। 17 वर्षीय युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज कमलिनी को अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया की जगह पर लिया गया है। कमलिनी ने महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) में मुंबई इंडियंस के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए 14 मैच खेले हैं। कमलिनी को पहली बार अंतरराष्ट्रीय मंच पर जगह मिली है जिसमें वह बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करना होगा। ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल की टीम में वापसी हुई है हालांकि उनको टीम में जगह फिटनेस क्लियरेंस पर निर्भर करेगी। चोट के कारण श्रेयंका टी20 विश्व कप से बाहर हो गई थीं। ऐसे में उनकी जगह पर प्रेमा रावत को टीम में शामिल किया गया था पर वह प्रभावित नहीं कर पायी थीं, प्रेमा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू भी किया था पर वह केवल एक मैच ही खेल सकीं और उस मुकाबले में उन्होंने अपने दो ओवर में 21 रन दिए थे। भारतीय महिला टीम ने साल 2023 हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था जिसे वह इस बार भी बरकरार रखने उतरेगी। हरमनप्रीत की अगुवाई में यह टीम युवा जोश और अनुभव का सही मिश्रण प्रतीत होती है, जो उम्मीद है कि एशिया के सबसे बड़े खेल महाकुंभ में भारतीय टीम इस बार भी स्वर्ण पदक जीतेगी।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 में वैभव को मिल सकती है जगह

सैमसन या ईशान को दिया जा सकता है आराम

लंदन। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम बुधवार को मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 क्रिकेट मैच में उतरेगी। भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। आयरलैंड के खिलाफ सीरीज में मिली अप्रत्याशित हार को देखते हुए इस मैच में भारतीय टीम बदलावों के साथ उतर सकती है। इसके तहत शीर्ष कम्र में 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को शामिल कर सकती है।

आयरलैंड के खिलाफ सीरीज में वैभव को कोई अवसर नहीं मिला। वहीं आयरलैंड के खिलाफ हार के बाद वैभव को अंतिम ग्यारह में शामिल करने की मांग जोर पकड़ने लगी है क्योंकि आयरलैंड के खिलाफ शीर्ष क्रम के अन्य बल्लेबाज विफल रहे थे। ऐसे में वैभव को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू का अवसर मिल सकता है। ऐस में उम्मीद है कि यह वैभव भारतीय पारी की शुरुआत करेगा। वहीं कहा जा रहा है कि बल्लेबाज संजू सैमसन को पहले मैच में आराम दिया जा सकता है। सैमसन ने आयरलैंड के खिलाफ दोनों टी20 मैचों में बतौर ओपनर शुरुआत की पर वह रन नहीं बना पाये थे। पहले मुकाबले में वह केवल 5 रन जबकि दूसरे में शून्य पर ही आउट हो गये थे। अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या संजू सैमसन विकेटकीपर-बल्लेबाज के तौर पर अंतिम ग्यारह में अपनी जगह बनाये रख पाते हैं या नहीं। आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी सैमसन के पास थी, जबकि दूसरे मैच में ईशान किशन ने विकेटकीपिंग की थी। ईशान भी हालांकि रन नहीं बना पाये थे। वह पहले मैच में 1 रन बनाया और दूसरे में 12 रन ही बना पाए। टीम प्रबंधन शीर्ष-3 में तीन बाएं हाथ के

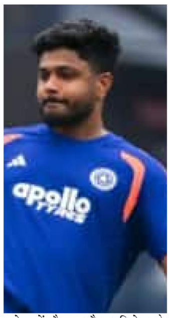

बल्लेबाजों वैभव और अभिषेक के साथ ईशान को शायद ही उतारे। ऐसे में सैमसन की जगह ईशान किशन को भी आराम दिया जा सकता है। दुनिया के नंबर-1 टी20 बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 में सिर्फ 20 गेंदों पर 49 रन की आक्रामक पारी खेली थी, जिससे इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच के लिए उनकी जगह लगभग पक्की मानी जा रही है।

वहीं तेज गेंदबाजी विभाग में बड़े बदलाव की संभावना कम है इसमें सबकी नजरें सूर्यांश शेडगे पर होंगी। आयरलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में डेब्यू करने वाले ऑलराउंडर का प्रदर्शन कुछ खास प्रदर्शन नहीं रहा था। ऐसे में शेडगे की जगह पर वॉशिंगटन सुंदर की अंतिम ग्यारह में अवसर मिल सकता है। पहले टी20 के लिए भारत की संभावित अंतिम ग्यारह इस प्रकार हो सकती है- अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव।

विंबलडन टेनिस 2026 : सिनर और जोकोविच जीत के साथ दूसरे दौर में पहुंचे

लंदन। इटली के टेनिस स्टार और विश्व के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने विंबलडन 2026 के पहले दौर में सर्बिया के मिओमिर केमैनोविक को पांच सेटों तक चले एक रोमांचक मुकाबले में 4-6, 6-3, 6-7 (6), 6-2, 6-3 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया है। वहीं एक अन्य मैच में विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने भी जीत के साथ शुरुआत करते हुए दूसरे दौर में जगह बनायी है।

सिनर और केमैनोविक के मैच की बात करें तो शुरुआती सेट में पिछड़ने के बाद सिनर ने शानदार वापसी करते हुए और करीब साढ़े तीन घंटे तक चले मुकाबले के बाद अंत में जीत दर्ज की।

सेंटर कोर्ट पर खेले गए इस मुकाबले में दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी सिनर को शुरुआत में ही कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। दुनिया के 50वें नंबर के खिलाड़ी मिओमिर केमैनोविक ने अपनी आक्रामक खेल शैली और सटीक शॉट्स के दम पर पहले सेट में 6-4 से जीत हासिल कर सभी को

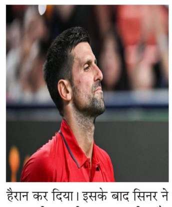

हैरान कर दिया। इसके बाद सिनर ने जल्द ही अपनी लय पकड़ी और दूसरे सेट में शानदार वापसी करते हुए 6-3 से जीत दर्ज कर मुकाबले को बराबरी पर ला खड़ा किया। दोनों खिलाड़ियों के बीच बराबरी का खेल तीसरे सेट में भी जारी रहा, जहां हर अंक के लिए जबरदस्त संघर्ष देखने को मिला। यह सेट टाई-ब्रेक तक पहुंचा, और केमैनोविक ने 8-6 के स्कोर के साथ टाई-ब्रेक जीतकर 2-1 की बढ़त बना ली, जिससे सिनर पर दबाव और बढ़ गया।

सिनर ने चौथे सेट में अपनी सर्विस और फोरहैंड का बखूबी इस्तेमाल करते हुए केमैनोविक पर दबाव बनाया और 6-2 से जीत हासिल कर मैच को निर्णायक पांचवें सेट तक खींच लिया। पांचवें और अंतिम सेट में सिनर पूरी तरह हावी रहे। उन्होंने 6-3 से यह सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

वहीं जोकोविच ने एक अन्य मुकाबले में चीन के वू यिबिंग को चार सेट तक चले संघर्ष के बाद 6-4, 5-7, 6-4, 6-4 हराया। अब दूसरे दौर में जोकोविच का सामना यूनान के स्टार खिलाड़ी स्टेफानोस सितसिपास से होगा।

हैरी ब्रूक को बनाया जाये नया टेस्ट कप्तान - स्टोक्स

लंदन। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अचानक ही संन्यास लेने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा है कि कप्तानी संभालने के लिए युवा खिलाड़ी हैरी ब्रूक सबसे बेहतर रहेंगे। 27 वर्षीय ब्रूक अभी सीमित ओवरों की कप्तानी कर रहे हैं। गौरतलब है कि कप्तानी स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हार के बाद अचानक ही खेल को अलविदा कहने की घोषणा कर दी थी। संन्यास की घोषणा के बाद अब स्टोक्स चाहते हैं कि ब्रूक को टीम की कमान मिलनी चाहिए। स्टोक्स के अनुसार ब्रूक लंबे समय से टीम के उपकप्तान हैं और नेतृत्व की जिम्मेदारी निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

स्टोक्स ने कहा, उन्हें इस टीम का उपकप्तान किसी वजह से बनाया गया है। वह शानदार खिलाड़ी हैं और इस टीम के सबसे वरिष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। स्टोक्स ने यह भी साफ किया कि उनकी गैरमौजूदगी में जो रूट को कप्तानी देने के फैसले में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि उपकप्तान का पद किसी खिलाड़ी को भविष्य के कप्तान के तौर पर तैयार करने के लिए ही दिया जाता है और उन्होंने स्वयं भी जो रूट के नेतृत्व में इसी सफर को तय किया था, जो बाद में टेस्ट कप्तान बने।

स्टोक्स जहां ब्रूक को टेस्ट कप्तान बनाने के पक्ष में हैं। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड टीम प्रबंधन इस फैसले में जल्दबाजी नहीं करना चाहता, क्योंकि ब्रूक पहले से ही एकदिवसीय और टी20 टीम की कप्तानी कर रहे हैं। ऐसे में अगर उन्हें टेस्ट टीम की कमान भी सौंपी जाती है तो उनके ऊपर तीनों फॉर्मेट की कप्तानी का अतिरिक्त दबाव आ सकता है। खेल विश्लेषकों का मानना है कि यह स्थिति युवा कप्तान के प्रदर्शन और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यदि ब्रूक टेस्ट कप्तान बनते हैं तो उन्हें सीमित ओवरों के किसी एक प्रारूप की कप्तानी छोड़नी पड़ सकती है, ताकि काम के बोझ को संतुलित किया जा सके। ऐसे में सैम करन और जैकब बेथेल को व्हाइट-बॉल टीम की कप्तानी दी जा सकती है। दूसरी ओर इस पूरे मामले पर इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने इंतजार करने को कहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि टीम प्रबंधन नए टेस्ट कप्तान के चयन में कोई जल्दबाजी नहीं करेगा और सभी विकल्पों पर गहन विचार करने के बाद ही अंतिम फैसला लिया जाएगा।

आईसीसी गेंदबाजी रैंकिंग में भारत की श्री चरणी शीर्ष पर बरकरार

सोफी एक्लेस्टोन तीसरे स्थान पर पहुंची

दुबई। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की अंतराष्ट्रीय टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय स्पिनर श्री चरणी नंबर एक स्थान पर बरकरार हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल बल्लेबाजी में और वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज ऑलराउंडरों में नंबर-1 पर कायम हैं इसके अलावा सभी श्रेणियों में कई बदलाव शीर्ष पांच खिलाड़ियें में हुए हैं। आईसीसी टी20 विश्वकप में प्रदर्शन के आधार पर ये बदलाव हुए हैं।

गेंदबाजों की रैंकिंग में, श्री चरणी ने विशवकप में 14 विकेट लिए। वहीं गेंदबाजों की शीर्ष-5 रैंकिंग में शामिल इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन विश्वकप में आठ विकेट लेने के कारण एक स्थान के लाभ के साथ ही तीसरे स्थान पर पहुँच गई हैं, जबकि उनकी साथी लॉरेन बेल तीन पायदान ऊपर आकर चौथे स्थान पर आ गई हैं। दक्षिण अफ्रीका की नॉनकुलुलेक म्लाबा एक स्थान ऊपर पाँचवें और पाकिस्तान की अनुभवी नशरा संधू एक स्थान ऊपर नौवें स्थान पर पहुँच गई हैं। दक्षिण अफ्रीका की

तेज गेंदबाज मारिजाने कैप सात स्थान के लाभ के साथ ही 14वें, स्कॉटलैंड की ऑलराउंडर कैथरीन ब्राइस 17 स्थान ऊपर आकर 26वें और न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाज ब्री इलिंग छह स्थान के लाभ के साथ ही 31वें स्थान पर पहुँच गयी हैं।

बल्लेबाजों की सूची में, ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल अपनी नंबर-1 पर बनी हुई हैं, जबकि उनकी साथी खिलाड़ी बेथ मूनी दूसरे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ड्ट ने एक स्थान की छलांग लगाकर तीसरा स्थान हासिल किया है। श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू, जिन्होंने आयरलैंड के खिलाफ शानदार शतक जड़ा था, दो स्थान के लाभ के साथ ही सातवें नंबर पर आ गई हैं। इंग्लैंड की ओपनर डैनी वायट हॉज पाँच पायदान ऊपर 11वें स्थान पर पहुँच गई हैं। भारत के खिलाफ 56 रनों की शानदार पारी खेलने वाली ऑस्ट्रेलिया की अनुभवी क्रिकेटर एलिस पेरी ने पाँच स्थान के लाभ के साथ ही 17वें स्थान पर पहुंच गयी है। दक्षिण अफ्रीका की एनेरी डर्कसेन चार स्थान ऊपर 24वें पर और स्कॉटलैंड की डार्सी कार्टर 13 स्थान ऊपर 42वें पर पहुंच गयी हैं। ऑलराउंडर्स की सूची में, वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज नंबर एक पर बनी हुई है, जबकि न्यूजीलैंड की अमेलिया केर दूसरे नंबर पर हैं। आयरलैंड की स्टार ओर्ला प्रेंडरगैस्ट ने दो स्थान ऊपर आकर संयुक्त तीसरे स्थान पर आ गयी हैं। मारिजाने कैप एक स्थान चढ़कर आठवें पर, ब्राइस तीन स्थान चढ़कर 11वें पर और एनाबेल सदरलैंड दो स्थान चढ़कर 17वें पर पहुंच गयी हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में भी वैभव को जगह मिलना संभव नजर नहीं आता-गावस्कर

मुम्बई। भ्रारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि भारतीय टीम का शीर्ष क्रम काफी अच्छा है। ऐसे में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज में भी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को शायद ही अवसर मिले। उन्होंने हालांकि कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में इस युवा खिलाड़ी को शामिल किया जाना चाहिये। गावस्कर ने कहा कि सूर्यवंशी का निडर अंदाज मेजबान गेंदबाजों पर दबाव बना सकता है। वैभव को आयरलैंड के खिलाफ डेब्यू का अवसर नहीं मिला था।

इस सीरीज में भारतीय टीम को हार का सामन करना पड़ा था जिसके बाद से ही वैभव को उतारने की मांग उठ रही थी। गावस्कर का मानना है कि सीनियर खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम में बिताये समय का लाभ भी वैभव को मिलेगा।गावस्कर ने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि वह पहला मैच खेलेगा, क्योंकि

यह एक नई सीरीज की शुरुआत है और वह टीम को शानदार शुरुआत दिला सकता है। आयरलैंड के खिलाफ सीरीज हार से उबरने का यह सबसे अच्छा तरीका है।' उन्होंने कहा, 'उसे टीम में शामिल किया जाना इसलिए कठिन है क्योंकि इसके लिए अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन की जोड़ी में से किसी एक का बाहर करना होगा जो संभव नहीं दिखता। आप ऐसी जोड़ी को नहीं तोड़ना चाहेंगे जिसने आपको अच्छे परिणाम दिए हों!'

वहीं इससे पहले गावस्कर ने आयरलैंड में वैभव के डेब्यू न होने पर हैरानी जताते हुए कहा था कि यह युवा खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलने के लिए पूरी तरह तैयार है. उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद थी कि वैभव को आयरलैंड सीरीज में डेब्यू करने का मौका मिलेगा पर ऐसा नहीं हुआ। .इस सीरीज में अगर उन्हें अवसर मिलता तो उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में धीरे-धीरे ढालने का अवसर मिलता। टी20 टीम के नए कप्तान श्रेयस अय्यर की शुरुआत भले ही अच्छी नहीं रही हो पर गावस्कर का मानना है कि उन्हें खुद को साबित करने के लिए समय दिया जाना चाहिए. गावस्कर ने कहा, 'जब कोई नया कप्तान आता है, तो उसे सहयोगी स्टाफ और खिलाड़ियों के साथ तालमेल बैठाने में थोड़ा समय लगता है. खिलाड़ियों को भी यह समझने में वक्त लगता है कि कप्तान उनसे क्या उम्मीद करता है।'

स्टोक्स के आसान नहीं होगा संन्यास के बाद मैदान से दूर रहना – सचिन

मुम्बई। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने अचानक की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले इंग्लैंड के दिग्गज ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को सोशल मीडिया के जरिये दिये अपने संदेश में कहा है कि उनके लिए मैदान से दूर रहना कठिन होगा। इस दौरान सचिन ने स्टोक्स के निडर अंदाज और जीत के जज्बे के सथ ही प्रेरणादायक कप्तानी की जमकर प्रशंसा की। स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के बाद अचानक ही संन्यास की घोषणा कर 15 साल के अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का सामापन कर दिया।

तेंदुलकर ने स्टोक्स के खेल को

अलविदा कहने के फैसले पर कहा कि ऑलराउंडर ने हर मैच में जो ऊर्जा दिखाई, वह हमेशा ही अद्वितीय रही। उन्होंने स्टोक्स के एक ऑलराउंडर और कप्तान के तौर पर टीम में पड़े प्रभाव की भी सराहना की है। तेंदुलकर ने सोशल मीडिय में लिखा, स्टोक्स, मुझे इसलिए पसंद रहे क्योंकि वह खेल में काफी ऊर्जा लेकर आते थे। उनका सकारात्मक रवैया, बेखौफ इरादा और दबाव में मैच का रुख पलटने की कला हमेशा याद आयेगी। उन्होंने स्टोक्स को इंग्लैंड के बेहतरीन ऑलराउंडरों में से एक बताया। साथ ही लिखा, एक ऑलराउंडर के तौर पर आप इंग्लैंड के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में रहे हैं। कप्तान के रूप में आपकी साहसिक रणनीतियां और खेल को सहज समझने की क्षमता ने आपकी टीम को एक नई दिशा दी।

कमजोर मॉनसून से बढ़ी महंगाई की चिंता...

खरीफ फसलों की बुआई पिछले साल की तुलना में करीब 23 फीसदी पीछे चल रही, दालें, सब्जियां और खाद्य तेल हो सकते हैं महंगे!

नई दिल्ली। जून खत्म होने को है लेकिन इस बार मानसून की चाल ने किसानों से लेकर अर्थशास्त्रियों तक की चिंता बढ़ा दी है। देश के कई हिस्सों में बारिश सामान्य से काफी कम हुई है जिसका असर अब खेतों में भी दिखने लगा है। खरीफ फसलों की बुआई पिछले साल की तुलना में करीब 23 फीसदी पीछे चल रही है। अगर जुलाई के पहले पखवाड़े में बारिश ने रफ्तार नहीं पकड़ी तो इसका असर सिर्फ खेती तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सब्जियों, दालों, खाद्य तेल और अन्य जरूरी खाद्य पदार्थों की कीमतों पर भी पड़ सकता है।

भारत की अर्थव्यवस्था में मानसून की भूमिका सिर्फ मौसम तक सीमित नहीं है। देश की लगभग आधी कृषि भूमि आज भी सिंचाई के बजाय बारिश पर निर्भर है। धान, मक्का, सोयाबीन, कपास, दालें और कई तिलहनी फसलों की बुआई जून और जुलाई में होने वाली बारिश पर टिकी रहती है। ऐसे में मानसून की हर देरी सीधे कृषि उत्पादन, ग्रामीण आय और खाद्य महंगाई को प्रभावित करती है।

खरीफ बुआई क्यों चिंता बढ़ा रही है?

कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 25 जून तक खरीफ फसलों की बुआई करीब 18.27 मिलियन हेक्टेयर में हुई जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह कहीं अधिक थी। सबसे ज्यादा गिरावट सोयाबीन की बुआई में दर्ज की गई जो लगभग 65 फीसदी कम रही। कपास का रकबा करीब 35 फीसदी, धान लगभग 25 फीसदी और मक्का करीब 16 फीसदी कम बोया गया। केवल गन्ने की बुआई में मामूली बढ़ोतरी दर्ज हुई है। हालांकि विशेषज्ञ मानते हैं कि जुलाई खरीफ सीजन का सबसे महत्वपूर्ण महीना होता है। अगर इस दौरान पर्याप्त बारिश होती है तो किसान तेजी से बुआई पूरी कर सकते हैं। लेकिन अगर बारिश में और देरी होती है तो उत्पादन पर असर पड़ना तय माना जा रहा है।

कृषि एवं विज्ञान कल्याण विभाग द्वारा जारी लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, राजस्थान में खरीफ बुआई की अच्छी शुरुआत हुई है। जून में समय से पहले बारिश होने के कारण कई इलाकों में खरीफ फसलें उगनी शुरू हो गई हैं। तेलंगाना, महाराष्ट्र और गुजरात में पिछले साल की तुलना में हरियाली कम दर्ज की गई है जिससे संकेत मिलता है कि इन राज्यों में खरीफ फसलों की शुरुआती बढ़वार कमजोर रही है। पिछले 5 वर्षों के औसत (2021-25) की तुलना में भी तेलंगाना, महाराष्ट्र और गुजरात में बोवनी कम है जबकि राजस्थान में समय से पहले बुवाई का सकारात्मक असर दिख रहा है। राजस्थान में सतही नमी पिछले वर्ष और पिछले 5 वर्षों के औसत से बेहतर है जिससे खरीफ फसलों के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनी हैं। महाराष्ट्र, तेलंगाना, गुजरात, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तरी कर्नाटक और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में भूमि की नमी सामान्य से कम है जिससे खरीफ बुवाई और फसलों की शुरुआती वृद्धि प्रभावित हो सकती है। रूट जोन मिट्टी की नमी भी महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, झारखंड, बिहार, गुजरात, उत्तर प्रदेश के पूर्वी व बुंदेलखंड क्षेत्र और पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में 10 साल के औसत से कम पाई गई है। कुल मिलाकर देखें तो रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान खरीफ बुवाई के मामले में बेहतर स्थिति में है जबकि महाराष्ट्र, तेलंगाना, गुजरात, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में कम वर्षा और मिट्टी की नमी की कमी के कारण खरीफ फसलों की शुरुआती स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर दिखाई दे रही है।

जून में सामान्य से 42 प्रतिशत कम बारिश

जून महीने में देशभर में सामान्य से करीब 42 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है। हालांकि जुलाई में मानसून कुछ हद तक इस कमी की भरपाई करता हुआ नजर आ सकता है। यह कहना है स्काईमेट वेदर के मौसम विज्ञान एवं जलवायु परिवर्तन के उपाध्यक्ष महेश पलावत का। महेश पलावत के अनुसार, जुलाई के पहले 10 दिन मानसून काफी सक्रिय रहने की संभावना है। उनका कहना है कि बंगाल की खाड़ी में एक के बाद एक चक्रवाती परिसंचरण बनने की संभावना है, जो पश्चिम और उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ेंगे। इनके प्रभाव से 3 से 6 जुलाई के बीच दक्षिणी मध्य प्रदेश, विदर्भ, गुजरात और दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में भारी बारिश हो सकती है। उनका मानना है कि इस दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश और गुजरात में वर्षा की कमी काफी हद तक कम हो जाएगी। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि 10 से 12 जुलाई के बाद मानसून की गतिविधियों में फिर से कुछ कमी आ सकती है। ऐसे में जून महीने में हुई बारिश की पूरी कमी की भरपाई जुलाई में हो पाना मुश्किल दिखाई देता है। महेश पलावत के मुताबिक, जैसे-जैसे मानसून का मौसम आगे बढ़ेगा, अल-नीनो का प्रभाव भी धीरे-धीरे बढ़ सकता है जिससे मानसून के कमजोर पड़ने की आशंका रहेगी। उन्होंने कहा कि यदि बारिश सामान्य से कम रहती है तो इसका सबसे अधिक असर पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिमी राजस्थान, छत्तीसगढ़ तथा मध्य प्रदेश के उत्तरी जिलों में देखने को मिल सकता है।

अल-नीनो की शुरुआत की घोषणा

11 जून 2026 को अमेरिका के राष्ट्रीय महासागरीय एवं वायुमंडलीय प्रशासन ने आधिकारिक रूप से अल नीनो की शुरुआत की घोषणा की जबकि भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मानसून के दौरान दीर्घकालिक औसत का केवल 90% वर्षा होने और सामान्य से कम बारिश की 60 प्रतिशत संभावना जताई है। कृषि मंत्रालय ने लगभग 200 जिलों में वर्षा की कमी का जोखिम चिन्हित किया है तथा 28 मई से 3 जून के बीच साप्ताहिक वर्षा भी एलपीए से 10 प्रतिशत कम दर्ज की गई जिससे खरीफ फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बढ़ गई है। कृषि अर्थशास्त्री अशोक गुलाटी ने कहा कि कई अलग-अलग देशों के मीट्रियोलॉजिकल डिपार्टमेंट ने कह दिया है कि अल-नीनो इफेक्ट है। हमारे मौसम विभाग ने कहा है कि कुल 90 प्रतिशत वर्षा ही होगी और अगर यह 89 प्रतिशत होती तो बिल्कुल सूखा पड़ता। यानी सूखे से बाल-बाल बचे ही हैं। और महंगाई पर इसका असर सितंबर-अक्टूबर यानी फेस्टिवल के समय दिखाई देगा। सूखा प्रभावित और कम सिंचाई वाली जगहों पर फसलें प्रभावित होंगी। दालें, ऑयल सीड्स, कॉटन सीड्स, फल, सब्जियों पर इसका असर दिखाई जरूर देगा। सबसे पहले किन खाद्य पदार्थों के दाम बढ़ेंगे? इस पर गुलाटी ने कहा कि दालें महंगी होंगी। सब्जियां के दाम बढ़ेंगे। अगर बरसात कम होती है तो सब्जियां-फल महंगे होंगे। उनका कहना है कि सिर्फ भारत में ही अल-नीनो का असर नहीं पड़ेगा बल्कि भूमध्य रेखा के पास बसे अन्य देश जैसे मलेशिया, इंडोनेशिया आदि जहां से हमारा खाद्य तेल आता है तो हमारा एडिबल ऑयल महंगा होगा और ऑयल सीड्स भी महंगा हो जाएगा।

जुलाई पर टिकी हैं उम्मीदें

मौसम वैज्ञानिकों और कृषि विशेषज्ञों की नजर अब जुलाई के पहले दो सप्ताह पर है। यही वह समय है जब खरीफ बुआई अपनी रफ्तार पकड़ती है। यदि इस दौरान अच्छी बारिश होती है तो जून की कमी की काफी हद तक भरपाई हो सकती है। लेकिन अगर बारिश फिर कमजोर रही तो इसका असर खेती, ग्रामीण आय, खाद्य कीमतों और आर्थिक वृद्धि- चारों पर दिखाई दे सकता है। तुरंत घबराने की जरूरत नहीं है लेकिन यह साफ है कि इस साल मानसून सिर्फ किसानों के लिए नहीं बल्कि हर परिवार के किचन बजट के लिए अहम होने वाला है। अगले दो से तीन सप्ताह यह तय करेंगे कि आने वाले महीनों में आपकी थाली सस्ती रहेगी या महंगी। इसलिए इस बार आसमान से गिरने वाली हर बूंद सिर्फ खेतों के लिए नहीं बल्कि देश की अर्थव्यवस्था और आम आदमी की जेब के लिए भी बेहद अहम है।

राम मंदिर दान चोरी : 17 साल बाद आरएमओ अर्जुन देव का तबादला

80 लोग जांच के दायरे में, आरोपी लवकुश मिश्रा की संपत्ति पर सवाल

अयोध्या। अयोध्या में राम मंदिर में दान की कथित चोरी मामले की जांच ने रफ्तार पकड़ी है। स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की रिपोर्ट के बाद अधिकारियों ने अहम प्रशासनिक और कानूनी कदम उठाए हैं। एक बड़े घटनाक्रम में, अयोध्या में करीब 17 साल से तैनात रेडियो मेंटेनेंस ऑफिसर (आरएमओ) अर्जुन देव का तबादला गोरखपुर किया गया है। इस बीच, गिरफ्तार किए गए सभी आठ आरोपियों को 14 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। जांचकर्ता अब बैंक अधिकारियों, मंदिर के कर्मचारियों और दान की गिनती की प्रक्रिया से जुड़े कई अन्य लोगों की संभावित भूमिका की जांच के लिए अपनी पड़ताल का दायरा बढ़ा रहे हैं।

अर्जुन 2009 से अयोध्या में कार्यरत थे, और हैरानी की बात यह है कि इन सालों में कई बार उनके तबादले के आदेश जारी हुए, लेकिन हर बार उन्हें रद्द किया गया। लखनऊ में उनका हालिया तबादला भी रद्द हुआ था। अब एसआईटी की रिपोर्ट के बाद, उन्हें गोरखपुर भेजा गया है। अर्जुन देव की जिम्मेदारी मंदिर के दान गिनने वाले कमरे के अंदर सीसीटीवी सर्विलांस सिस्टम और पूरे राम मंदिर परिसर में लगे करीब 1,600 कैमरों की निगरानी करना था। सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी रिपोर्ट ने उनकी भूमिका पर चिंता जाहिर की गई है, क्योंकि वह अपनी आधिकारिक जिम्मेदारियों के अलावा वीवीआईपी दर्शन और मंदिर प्रबंधन के कई अन्य पहलुओं में भी शामिल थे। यह भी दावा किया गया है कि मंदिर ट्रस्ट के कुछ पदाधिकारियों से उनकी करीबी के कारण ही उनके तबादले बार-बार रद्द होते थे।

जांच का दायरा अब सिर्फ मंदिर ट्रस्ट के जनरल सेक्रेटरी चंपत राय या गिरफ्तार हुए आठ आरोपियों तक ही सीमित नहीं है। सूत्रों के अनुसार, करीब 70 से 80 लोग अब जांच के दायरे में आ गए हैं, और उन्हें नोटिस भेज दिए गए हैं। पुलिस ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), बैंक ऑफ बड़ौदा और केनरा बैंक सहित करीब छह बैंकों को नोटिस जारी किए हैं। जांचकर्ताओं ने एसबीआई से दान की गिनती की प्रक्रिया की निगरानी करने वाले बैंक कर्मचारियों, रत्नेश चतुर्वेदी और गगनदीप, की भूमिका और जानकारी मांगी है। इसके अलावा, अधिकारियों ने अयोध्या में काम कर रहे बैंकों से राम मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारियों और उनसे जुड़े लोगों की पूरी बैंकिंग जानकारी भी मांगी है।

इस बीच, आरोपी लवकुश मिश्रा की संपत्ति पर सवाल उठे हैं। पुलिस को पता चला है कि अयोध्या के शहादतगंज इलाके में उनकी पत्नी सुप्रिया मिश्रा के नाम पर करीब 1,000 स्क्वायर फ़ीट का एक प्लॉट खरीदा गया था। सूत्रों के मुताबिक, यह ज़मीन अक्टूबर 2023 में लगभग 25 लाख रुपये में खरीदी गई थी, और इस पर तीन मंज़िला घर बनाने में पहले ही 80 से 90 लाख रुपये तक का खर्च हुआ है, जिससे कुल निवेश लगभग 1.5 करोड़ रुपये का अनुमान है। स्थानीय लोगों के अनुसार, तीन दिन पहले तक निर्माण कार्य जारी था, लेकिन पुलिस जांच शुरू होने के बाद रोक दिया गया है। पुलिस पता लगाने की कोशिश कर रही है कि 20,000 रुपये मासिक आय वाले लवकुश मिश्रा ने इतनी महंगी संपत्ति कैसे जुटाई।

बिरसा पुलिस का साइबर जागरूकता अभियान, ग्रामीणों को ऑनलाइन ठगी से बचाव के बताए प्रभावी उपाय

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पुलिस मुख्यालय के निर्देश एवं बालाघाट पुलिस द्वारा जिलेभर में चलाए जा रहे साइबर जागरूकता अभियान के तहत बिरसा थाने की पुलिस लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक कर रही है। इसी क्रम में बिरसा थाना पुलिस ने थाना क्षेत्र के ग्राम मंडई के साप्ताहिक बाजार में विशेष साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीणों, व्यापारियों एवं बाजार में पहुंचे लोगों को ऑनलाइन ठगी से बचने के महत्वपूर्ण उपाय बताए। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं स्टाफ ने उपस्थित लोगों को बताया कि वर्तमान समय में साइबर अपराधी नए-नए तरीकों से लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। मोबाइल पर फर्जी कॉल, बैंक अधिकारी बनकर ओटीपी मांगना, केवाईसी अपडेट के नाम पर ठगी, फर्जी लोन, ऑनलाइन नौकरी, सोशल मीडिया हैकिंग, यूपीआई एवं क्यूआर कोड के जरिए धोखाधड़ी जैसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। ऐसे में सभी नागरिकों को

सतर्क और जागरूक रहने की आवश्यकता है। पुलिस ने लोगों से अपील की कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपना ओटीपी, एटीएम कार्ड नंबर, सीवीवी, बैंक खाता विवरण, यूपीआई पिन या अन्य गोपनीय जानकारी साझा न करें। किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें तथा सोशल मीडिया पर आने वाले फर्जी ऑफर और लालच देने वाले संदेशों पर विश्वास न करें। बाजार में मौजूद लोगों को यह भी बताया गया कि यदि किसी के साथ ऑनलाइन ठगी होती है तो वह बिना देरी किए राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करें अथवा पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते कार्रवाई कर ठगी गई राशि को बचाने का प्रयास किया जा सके। बिरसा पुलिस ने लोगों को डिजिटल लेन देन के दौरान सावधानी बरतने, मजबूत पासवर्ड का उपयोग करने, समय-समय पर पासवर्ड बदलने और मोबाइल में केवल विश्वसनीय ऐप ही डाउनलोड करने की सलाह दी। साथ ही ग्रामीणों से कहा गया कि वे स्वयं जागरूक बनें और अपने परिवार तथा आसपास के लोगों को भी साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करें। बिरसा थाना पुलिस ने बताया कि जिले में चल रहे साइबर जागरूकता अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक तक साइबर सुरक्षा की जानकारी पहुंचाना है, ताकि जागरूकता के माध्यम से साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, व्यापारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे तथा पुलिस द्वारा दी गई जानकारी को गंभीरता से सुना।

भगवान जगन्नाथ को भक्तों ने कराया स्नान, 15 दिनों तक अनवसर काल में गए भगवान

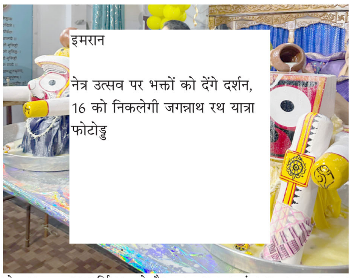

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जगन्नाथपुरी की तर्ज पर बालाघाट में भगवान जगन्नाथ की स्नान यात्रा का उत्सव, सोमवार की देरशाम से प्रारंभ होकर देररात तक चलता रहा। भगवान जगन्नाथ को स्नान कराने जनप्रतिनिधियों से लेकर समाजसेवी और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ही आम भक्त पहुंचे थे। स्नान महोत्सव पर उन्होंने भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा का पंचामृत से स्नान कराया। जिसके बाद कीर्तन, अभिषेक और प्रवचन पश्चात, भक्तों को महाप्रसाद, बांटा गया। यह सभी आयोजन नगर के इस्कॉन संस्था परिसर में आयोजित किया गया। जिसके बाद भगवान जगन्नाथ 15 दिनों के अनवसर काल (बुखार) चले गए है। अब 15 दिनों बाद नेत्र उत्सव पर भगवान जगन्नाथ, भक्तों को दर्शन देंगे।

नगर में पिछले 4 वर्षो से हो रहा आयोजन

ज्ञात हो कि, बालाघाट में इस्कॉन संस्था, भगवान जगन्नाथ रथयात्रा का उत्सव मनाती है, बीते चार सालों से बालाघाट में इस्कॉन संस्था, भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा का आयोजन, समाज के सहयोग से कर रही है। जिसमें जिले से ब ?ी संख्या में भक्त, शामिल होकर भगवान जगन्नाथ की रथ को खींचकर और उनके दर्शन लाभ लेकर पुण्यलाभ अर्जित करते है। इस्कॉन संस्था ने भी जिले के लोगों से जगन्नाथपुरी की तर्ज पर बालाघाट में निकाली जाने वाली भगवान जगन्नाथ रथयात्रा में शामिल होने का आह्वान किया है।

अब भगवान जगन्नाथ जी का 15दिनो तक कोई दर्शन नहीं कर सकेगा- रत्नभूषण दास

इस्कॉन संस्था प्रमुख रत्नभूषण दास ने बताया कि सोमवार की शाम से देररात तक इस्कॉन बालाघाट में जगन्नाथपुरी धाम की तर्ज पर जगन्नाथ जी की स्नान यात्रा महोत्सव श्रद्धा, प्रेम और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। जिसमें शहर के सभी श्रद्धालुओं और नागरिकों ने भाग लेकर, जगन्नाथ भगवान की प्राकट्य दिवस भी होने के कारण, जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा माता का पंचामृत से अभिषेक किया। जिसके बाद भगवान जगन्नाथ जी का गजवेश रूप भक्तों ने दर्शन किया। जिसे मानव जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है और इससे भागवत प्राप्ति होती है। अब नियमानुसार से भगवान जगन्नाथ जी का दर्शन 15 दिनो तक कोई नहीं कर सकेगा। इस अवधि को अनवसर काल कहते हैं। इस अंतराल में भगवान,बुखार में होने के कारण भक्तों से विशेष सेवा ले लेते है। अब भगवान 15 जुलाई को नेत्र उत्सव के अवसर पर नवयौवन दर्शन भक्तों को देंगे। जिसेक बाद 16 जुलाई को जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ रथ में सवार होकर, नगर में भक्तो को दर्शन देने निकलेंगे।

फिल्म 'पराशक्ति' की निर्देशक सुधा कोंगरा पहुंचीं हाईकोर्ट

-8.39 करोड़ रुपए का भुगतान नहीं किए जाने का लगाया आरोप, फिल्म की सैटेलाइट रिलीज पर अंतरिम रोक

चेन्नई। तमिल फिल्म निर्देशक सुधा कोंगरा ने अपनी फिल्म पराशक्ति के लिए कथित रूप से बकाया 8.39 करोड़ रुपये की फीस की मांग को लेकर मद्रास हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने मध्यस्थता एवं सुलह अधिनियम की धारा 9 के तहत याचिका दायर कर अंतरिम राहत की मांग की है।

याचिका में कोंगरा ने दावा किया है कि फिल्म पराशक्ति की रिलीज और संबंधित इनवॉइस जारी होने के बावजूद उन्हें अनुबंध के अनुसार पूरी राशि का भुगतान नहीं किया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि फिल्म के निर्माता डॉन पिक्चर्स ने उनके बकाया का भुगतान किए बिना अन्य परियोजनाओं पर काम आगे बढ़ा दिया है। मामले की सुनवाई करते हुए, न्यायमूर्ति कुमारेश बाबू ने निर्देश दिया कि 8 जुलाई तक पराशक्ति की सैटेलाइट रिलीज नहीं की जाएगी। इसके साथ ही अदालत ने प्रतिवादी पक्ष को 7 जुलाई तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। कोंगरा ने डॉन पिक्चर्स की दूसरी फिल्म इधायम मुरली की प्रस्तावित रिलीज पर भी रोक लगाने की मांग की है, जिस पर अदालत 10 जुलाई को सुनवाई करेगी।

कोंगरा की ओर से पेश वकीलों ने अदालत को बताया कि अनुबंध के अनुसार उन्हें कुल 15 करोड़ रुपये का पारिश्रमिक दिया जाना था। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) जोड़ने के बाद यह राशि 17.70 करोड़ रुपये हो गई थी। हालांकि, अब तक केवल 9.31 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया, जबकि 8.39 करोड़ रुपये अब भी बकाया हैं। याचिका में कहा गया है कि निर्देशक ने फिल्म से संबंधित सभी बौद्धिक संपदा अधिकार (इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स) अनुबंध के तहत हस्तांतरित कर दिए थे। इसके बावजूद पूरी राशि का भुगतान नहीं किया गया। कोंगरा के वकील ने यह भी तर्क दिया कि निर्माता पक्ष इधायम मुरली की रिलीज की तैयारी कर रहा है, जबकि वह बकाया भुगतान करने में असमर्थता जता रहा है। उन्होंने अदालत को बताया कि पराशक्ति को निर्माता पक्ष ने स्वयं व्यावसायिक रूप से सफल फिल्म बताया था और दावा किया था कि इसने विश्वभर में 100 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया है। गौरतलब है कि पराशक्ति एक तमिल राजनीतिक ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन सुधा कोंगरा ने किया है। फिल्म में शिवकार्तिकेयन, रवि मोहन, अथर्व और श्रीलीला ने प्रमुख भूमिकाएं निभाई हैं। जनवरी 2026 में रिलीज हुई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर उल्लेखनीय सफलता हासिल की थी। मामले की अगली सुनवाई 8 जुलाई को निर्धारित की गई है, जहां अदालत अंतरिम राहत और अन्य मांगों पर आगे विचार करेगी।

मप्र पुलिस पेंशनर्स संघ की मासिक बैठक सम्पन्न, नवीन सदस्यों का किया गया स्वागत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश पुलिस पेंशनर्स संघ जिला इकाई बालाघाट की मासिक बैठक निजी होटल में आयोजित की गई। बैठक में सेवानिवृत्त डीएसपी कलीराम परते, उप पुलिस अधीक्षक मुन्नालाल राहंगडाले तथा निरीक्षक भोपाल सिंह परिहार को संघ की सदस्यता ग्रहण कराई गई और जिला इकाई की ओर से उनका सम्मान किया गया। बैठक में उपस्थित सभी पेंशनर्स, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पुलिस पेंशन को फैमिली पेंशन में परिवर्तित किए जाने की प्रक्रिया को सरल बनाने की आवश्यकता पर विचार-विमर्श किया। साथ ही पेंशनर्स से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने पर सहमति बनी। बैठक में जिला अध्यक्ष उमेश प्रजापति, कार्यकारी अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह परिहार, संभागीय उपाध्यक्ष नेमीचंद सोनेकर, संरक्षकगण तथा महिला कार्यकारिणी अध्यक्ष जयशीला मेश्राम सहित बड़ी संख्या में संघ के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक का समापन संगठन की मजबूती एवं पेंशनर्स के हितों की रक्षा के संकल्प के साथ हुआ।

तीसरी बारिश ने नगर को किया तरबतर, करीब डेढ़ घण्टा हुआ झमाझम बारिश

उमस से मिली राहत, मानसुन के आंकड़े में पिछड़ा बालाघाट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मानसूनी बारिश का असर अब बालाघाट जिले में देखने को मिल रहा है जहां सोमवार की तरह मंगलवार को भी करीब डेढ़ घंटे की बारिश देखने को मिली। मंगलवार दोपहर को हुई इस झमाझम बारिश ने जहां नगरवासियों को भारी उमस से राहत पहुंचाई ,तो वही बारिश ने किसानों के चेहरे पर मुस्कान भी बिखेर दी है। हालांकि सरकारी आंकड़ों पर गौर किया जाए तो इस वर्ष मानसून के आंकड़ों में बालाघाट पिछड़ा हुआ नजर आ रहा है। इधर सोमवार की तरह मंगलवार को भी दोपहर करीब 1 बजे के बाद झमाझम बारिश देखने को मिली, इस दौरान नगर के निचले इलाकों की गलियों से पानी नाली से ओवरफ्लो होकर सड़क से बहता हुआ नजर आया। नगर के वार्ड नंबर 10 राजा नगर में मानसूनी बारिश के बीच सड़क पर करीब पिंडली भर पानी भरा हुआ दिखाई दिया। जहां पानी निकासी की व्यवस्था न होने के चलते पानी करीब 2 घण्टे तक सड़क पर जाम रहा, जो बारिश बंद होने के बाद धीरे-धीरे छठ गया। उधर इस मानसूनी बारिश का बच्चों ने जमकर लुत्फ उठाया,जो सुहाने मौसम के बीच बारिश के पानी में भीगते हुए नजर आए।

सुबह से ढका रहा मौसम, दोपहर में हुई झमाझम बारिश

बात अगर नगर की करें तो नगर में मंगलवार को सुबह से ही आसमान में काले बादल छाए रहे, दोपहर 1 बजे के बाद आसमान में छाए बदल बरसे तो मानसून की झमाझम बारिश देखने को मिली। हालांकि पहले की तरह, बारिश, करीब डेढ़ घंटे बाद बंद हो गई। जिसके बाद आसमान साफ हो गया है। हालांकि पूरा दिन मौसम सुहाना बना रहा और बीच-बीच में बूंदाबांदी होती रही जिससे नगर वासियों को भीषण गर्मी से राहत मिल गई।

जिले में 6 दिन देरी से पहुँचा है मानसुन

आपको बताए कि जिले में वैसे ही मानसुन 6 दिन की देरी से पहुंचा है, बावजूद इसके, मानसुन के जून महिने में लगातार बारिश ना होकर खंड-खंड में वर्षा हो रही है, जिसने, खेती को लेकर किसानों के चेहरे पर चिंता की लकीरें पैदा हो गई है। बारिश कम होने से किसानो की खेती की बोअनी पर इसका असर पड़ रहा हैं। खेतो में, धान लगाने, खार तो पैदा हो गई है लेकिन उम्मीद के मुताबिक बारिश ना होने से खेती सूखी पड़ी है। जिससे खेतो में धान की फसल की बोअनी में देरी हो रही है।

एक माह में मात्र सवा इंच बारिश

मानसून के जून माह में आज तक केवल सवा इंच ही बारिश हुई है किसानों सहित जिलेवासियों को अब भी अच्छी बारिश की उम्मीद है। भू अभिलेख के अनुसार जिले में 30 जून तक 61 मिलीमीटर बारिश हो गई। जिसमें वाराशिवनी तहसील में सबसे अधिक 157 मिलीमीटर और खैरलांजी तहसील में सबसे कम 07 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। हालांकि यह आंकड़ा गत वर्ष इसी अवधि तक हुई 148 मिलीमीटर वर्षा से कम है। जबकि अब तक जिले की औसत वर्षा के अनुसार जिले में 212 मिलीमीटर वर्षा हो जाना चाहिए था। जिले में आज तक तहसीलवार वर्षा में, बालाघाट तहसील में 72 मिलीमीटर, बैहर में 62 मिलीमीटर, लांजी में 71 मिलीमीटर, कटंगी में 18 मिलीमीटर, किरनापुर में 63 मिलीमीटर, लालबर्रा में 50 मिलीमीटर, बिरसा में 27 मिलीमीटर, परसवा ?ा में 59 मिलीमीटर एवं तिरोड़ी में 79 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

बालाघाट
बुधवार 01 जुलाई 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

देवरी में आसमानी बिजली गिरने से महिला की मौत

घर के भीतर हुई दर्दनाक प्राकृतिक घटना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के मलाजखंड थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम देवरी में सोमवार को एक दर्दनाक प्राकृतिक हादसा हो गया। तेज बारिश और गरज चमक के दौरान आसमानी बिजली गिरने से 36 वर्षीय महिला लता पति नवल सिंह पन्द्रे की मौत हो गई मलाजखंड। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, लता पन्द्रे अपने परिवार के साथ खेती-किसानी एवं मजदूरी कर जीवन यापन करती थीं। परिवार में पति, सास रामवती बाई तथा तीन मासूम बच्चे हैं।बताया गया कि 29 जून की दोपहर लगभग 3=30 बजे लता अपने परिवार के साथ घर के अंदर मौजूद थीं और कमरे में दीवार के पास बैठी थीं। इसी दौरान अचानक मौसम ने करवट ली। आसमान में काले बादल छा गए, तेज बारिश शुरू हो गई और बादलों की तेज गर्जना होने लगी। तभी अचानक तेज चमक के साथ आसमानी बिजली गिरी। बिजली गिरते ही लता बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ीं।परिजन और आसपास के लोग तुरंत उनके पास पहुंचे और उन्हें संभालने का प्रयास किया।लेकिन वह कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रही थीं। सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और उन्हें तत्काल बिरसा अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।30 जून को मलाजखंड पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बारिश के मौसम में बढ़ा प्राकृतिक हादसों का खतरा

गौरतलब है कि बैहर बिरसा क्षेत्र में हाल के दिनों में आकाशीय बिजली गिरने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। इससे पहले भी इस क्षेत्र में इसी प्रकार की प्राकृतिक आपदाओं में एक महिला सहित तीन लोगों की जान जा चुकी है। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में चिंता बढ़ा दी है।

बालाघाट से फर्जी मूलनिवासी प्रमाण-पत्र बनवाकर बीएसएफ भर्ती का लाभ लेने का आरोप

बीएसएफ अधिकारियों की एक जाँच टीम आयी बालाघाट, नही मिले अभ्यर्थी के दिये पते वार्डों में, भाजपा नेता गजेंद्र भारद्वाज का दावा, दूसरे जिलों के युवकों ने बालाघाट का फर्जी पता बताकर लिया आरक्षण का लाभ

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की भर्ती प्रक्रिया में बालाघाट जिले से कथित रूप से फर्जी मूलनिवासी एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) प्रमाण-पत्र जारी किए जाने का मामला सामने आने के बाद प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया है। मामले को भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं मनोनीत पार्षद गजेंद्र भारद्वाज ने जनसुनवाई में उठाते हुए जिला प्रशासन से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। उनका आरोप है कि प्रदेश के अन्य जिलों के कुछ युवकों ने बालाघाट जिले का फर्जी पता दर्शाकर यहां से मूलनिवासी और ईडब्ल्यूएस प्रमाण-पत्र बनवाए तथा बीएसएफ भर्ती में जिले को मिलने वाली विशेष छूट का अनुचित लाभ प्राप्त किया।

जनसुनवाई में दिए गए शिकायत पत्र में गजेंद्र भारद्वाज ने बताया कि हाल ही में बीएसएफ के कुछ अधिकारी बालाघाट पहुंचे थे। अधिकारियों ने विभिन्न वार्डों में जाकर उन अभ्यर्थियों के पते का भौतिक सत्यापन किया, जिन्होंने भर्ती प्रक्रिया के दौरान स्वयं को बालाघाट जिले का निवासी बताया था। जांच के दौरान कई ऐसे पते सामने आए, जहां संबंधित अभ्यर्थी कभी रहे ही नहीं। इससे प्रमाण-पत्रों की वैधता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। शिकायत के अनुसार, बीएसएफ अधिकारियों ने वार्ड क्रमांक-32 स्थित मोती नगर में रोहित कुमार पिता प्रेम सिंह के नाम से दर्ज पते का सत्यापन किया, लेकिन वहां ऐसा कोई व्यक्ति नहीं मिला। इसी प्रकार कृष्ण कुमार, पिता साहरू राम, प्रेम नगर बालाघाट , अंशु पिता राजकिशोर वार्ड नंबर 13 सिद्धार्थ नगर तथा अमित कुमार पिता महिपाल सिंह , प्रेम नगर बालाघाट सहित अन्य अभ्यर्थियों द्वारा भी शहर के विभिन्न वार्डों के पते प्रस्तुत किए गए थे। जब अधिकारियों ने इन पतों की जांच की तो अधिकांश स्थानों पर संबंधित व्यक्ति निवासरत नहीं पाए गए। गजेंद्र भारद्वाज ने बताया कि वार्ड क्रमांक-13 में दर्ज एक अभ्यर्थी अंशु पिता राजकिशोर के पते की जांच के दौरान स्थानीय पार्षद एवं वार्डवासियों ने भी

स्पष्ट किया कि संबंधित व्यक्ति उस वार्ड का निवासी नहीं है और न ही कभी वहां रहा है। इसके बावजूद उसके नाम पर मूलनिवासी और ईडब्ल्यूएस प्रमाण-पत्र जारी होना गंभीर प्रशासनिक लापरवाही अथवा संगठित अनियमितता की ओर संकेत करता है। उन्होंने कहा कि बालाघाट जिला लंबे समय तक नक्सल प्रभावित क्षेत्र रहा है। इसी कारण संभवत= केंद्र सरकार की कुछ सुरक्षा बलों की भर्ती प्रक्रियाओं में जिले के युवाओं को विशेष प्रावधानों एवं आरक्षण का लाभ मिलता है। यदि बाहरी अभ्यर्थी फर्जी दस्तावेजों के आधार पर इस सुविधा का लाभ उठा रहे हैं, तो इससे जिले के वास्तविक पात्र युवाओं के अधिकारों का हनन हो रहा है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि यदि प्रारंभिक जांच में ही इतने मामले सामने आ रहे हैं, तो संभव है कि ऐसे और भी कई प्रमाण-पत्र फर्जी तरीके से जारी किए गए हों। उन्होंने मांग की कि केवल संबंधित अभ्यर्थियों की ही नहीं, बल्कि प्रमाण-पत्र जारी करने की पूरी प्रक्रिया की भी जांच कराई जाए। साथ ही यह भी पता लगाया जाए कि किन अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भूमिका से बिना उचित सत्यापन के ऐसे दस्तावेज जारी किए गए। गजेंद्र भारद्वाज ने जिला प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की मजिस्ट्रियल, उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। यदि जांच में प्रमाण-पत्र फर्जी पाए जाते हैं, तो संबंधित अभ्यर्थियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई के साथ-साथ दस्तावेज जारी करने वाले जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर भी सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की अनियमितताओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। फिलहाल यह मामला जनसुनवाई के माध्यम से जिला प्रशासन के संज्ञान में पहुंच चुका है। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि प्रशासन इस शिकायत की जांच किस स्तर पर कराता है और जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं। यदि आरोप सही साबित होते हैं, तो यह मामला न केवल भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता बल्कि प्रमाण-पत्र जारी करने वाली पूरी प्रशासनिक व्यवस्था पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा कर सकता है।

वार्ड पार्षद ने भी किया फर्जी पते का खुलासा

शिकायत के अनुसार वार्ड क्रमांक-13 में दर्ज एक अभ्यर्थी के पते की जांच करने जब बीएसएफ अधिकारी पहुंचे तो स्थानीय पार्षद एवं क्षेत्र के नागरिकों ने स्पष्ट रूप से बताया कि संबंधित व्यक्ति न तो उस वार्ड का निवासी है और न ही कभी वहां रहा है। इसके बाद अधिकारियों ने पूरे मामले की जानकारी जुटाई। गजेंद्र भारद्वाज का कहना है कि यह केवल एक-दो व्यक्तियों का मामला नहीं है बल्कि लगभग 20 से अधिक अभ्यर्थियों द्वारा इसी प्रकार फर्जी पते और दस्तावेजों का उपयोग किए जाने की आशंका है।

प्रमाण-पत्र जारी करने की प्रक्रिया भी संदेह के घेरे में

इस पूरे मामले ने प्रमाण-पत्र जारी करने की प्रशासनिक प्रक्रिया पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। गजेंद्र भारद्वाज का कहना है कि मूलनिवासी एवं ईडब्ल्यूएस प्रमाण-पत्र जारी करने से पहले संबंधित आवेदक के निवास, दस्तावेजों और स्थानीय सत्यापन की प्रक्रिया अपनाई जाती है। ऐसे में यदि कोई व्यक्ति बालाघाट का निवासी ही नहीं है, फिर भी उसके नाम पर प्रमाण-पत्र जारी हो गया, तो यह केवल लापरवाही नहीं बल्कि किसी स्तर पर मिलीभगत की भी आशंका पैदा करता है। उन्होंने मांग की कि यह जांच केवल अभ्यर्थियों तक सीमित न रहे, बल्कि उन अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच की जाए जिन्होंने बिना पर्याप्त सत्यापन के ऐसे दस्तावेज जारी किए।

पैतृक जमीन के बंटवारे को लेकर एक परिवार के दो पक्ष आपस में भिड़े

चाचा-भतीजे सहित दोनों पक्षों के विरुद्ध मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के मलाजखंड थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सारसडोल में पैतृक जमीन के बंटवारे को लेकर एक ही परिवार के दो पक्षों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि मामला मारपीट तक पहुंच गया। घटना में दोनों पक्षों के लोग घायल हुए हैं। मलाजखंड पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुन्नालाल ऐड़े वर्ष खेती-किसानी करते हैं। उनके परिवार में पत्नी मनीषा एवं दो पुत्र हैं, जो रोजगार के सिलसिले में बाहर रहते हैं। वहीं उनके छोटे भाई पन्नालाल ऐड़े भी अपने परिवार के साथ खेती-किसानी करते हैं। पन्नालाल के पुत्र रोहित ऐड़े खेती के साथ गांव में किराना दुकान का संचालन भी करते हैं।बताया गया कि 29 जून की सुबह लगभग 8=30 बजे मुन्नालाल अपने खेत पर पहुंचे थे। जहां उन्होंने देखा कि उनके छोटे भाई पन्नालाल ट्रैक्टर से खेत की जुताई कर रहे हैं। इस दौरान मुन्नालाल ने पैतृक भूमि का आपसी सहमति से बंटवारा कर अलग-अलग खेती करने की बात कही।आरोप है कि इस बात पर पन्नालाल और उनके पुत्र रोहित नाराज हो गए और बंटवारा करने से इंकार कर दिया। मुन्नालाल द्वारा ट्रैक्टर रुकवाने के बाद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हुई। जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई।मुन्नालाल ने आरोप लगाया कि रोहित उसके पिता पन्नालाल और भाई बहु मीरा ने अश्लील गालियां देते हुए से हाथ बुक्के और डंडे से हमला कर मारपीट किये तथा जान से मारने की धमकी दी। वहीं रोहित अपने बड़े पिता मुन्नालाल पर लोहे के कोयता से हमला कर मारपीट किया वही पक्ष बीच-बचाव करने आई उसकी मां मीराबाई के साथ भी मारपीट की किये जिससे वह जमीन पर गिर गईं।दोनों पक्ष के बीच हुई मारपीट में रोहित, उसकी मां मीराबाई तथा दूसरे पक्ष के मुन्नालाल को चोटें आईं। घटना के बाद दोनों पक्ष मलाजखंड थाना पहुंचे। जहां पुलिस ने सभी घायलों का चिकित्सीय परीक्षण कराया।मलाजखंड पुलिस ने मुन्नालाल 52 वर्ष की शिकायत पर उनके भाई पन्नालाल, भतीजे रोहित एवं भाई-बहू मीराबाई के विरुद्ध तथा रोहित 31 वर्ष की शिकायत पर मुन्नालाल के खिलाफ अश्लील गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। मामले की विवेचना जारी है तथा जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

आवश्यकता है
फिल्ड कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल
काली पुतली चौक, बालाघाट

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHi
• कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
• माईनिंग इंजीनियरिंग
• सिविल इंजीनियरिंग
• मैकेनिकल इंजीनियरिंग
• इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

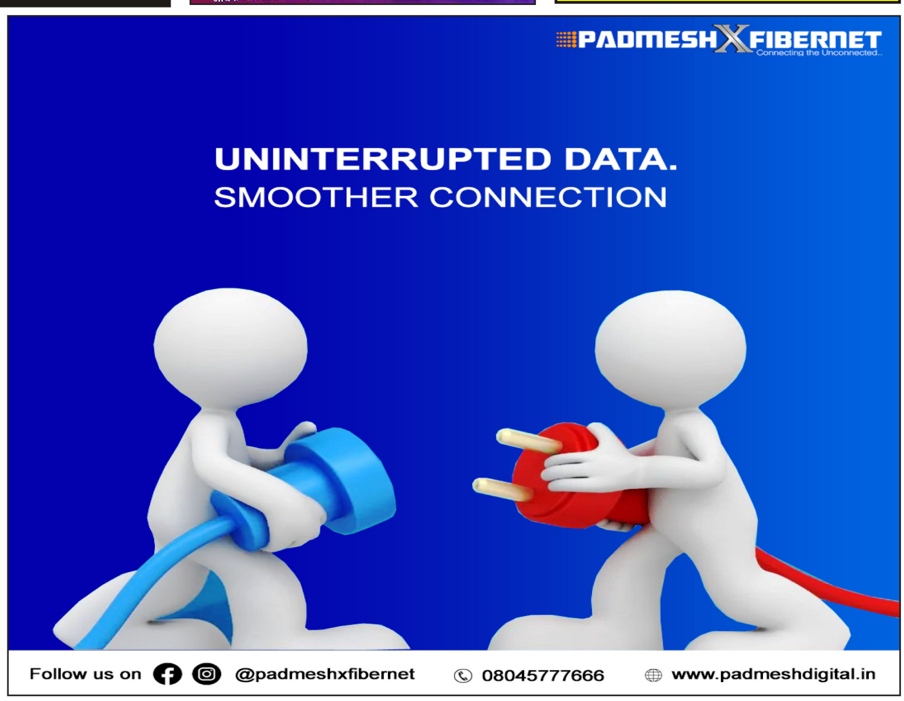

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट